गांव की गलियों से सरहद पार तक

dainikworldwisenews@gmail.com

वर्ल्ड वाइज न्यूज

डब्ल्यू डब्ल्यू एन

RNI.NO: JHAHIN/2023/85732

हजारीबाग ■ गुरुवार ,27 फरवरी,2025 ■ विक्रम सम्वत् 2081 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य :5 रू ■ वर्ष :02 ■ अंक: 222 ■ झारखंड संस्करण

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

वर्ल्ड टूरिज्म स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी, न्यूयॉर्क।

हजारीबाग में महाशिवरात्रि पर बवाल, दो पक्षों में भिड़ंत

- पथराव के बाद वाहन फूंके
- झंडा और लाउडस्पीकर लगाने को लेकर हिंसक झड़प, कई लोग घायल
- इचाक का डुमरौन छावनी में तब्दील, माहौल तनावपूर्ण पर स्थिति नियंत्रण में

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। महाशिवरात्रि पर हजारीबाग जिले के इचाक स्थित डुमरौन में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसमें पथराव होने लगा, जिसमें थाना प्रभारी और जवान बाल-बाल बच गए। उपद्रवियों ने एक बोलेनो कार और दो बाइक को फूंक डाली। पुलिस ने पूरे गांव को छावनी में तब्दील कर दिया है। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार हजारीबाग में महाशिवरात्रि के मौके पर दो गुटों के बीच भिड़ंत हो गई। इचाक प्रखंड अंतर्गत डुमरौन गांव में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प के दौरान दोनों ओर से जमकर पथराव और आगजनी हुई। इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। उपद्रवियों ने तीन बाइक और एक कार को आग के हवाले कर दिया। साथ ही कुछ अन्य दोपहिया और तिपहिया वाहनों में भी तोड़फोड़ की। हालात तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। पुलिस ने हालात पर काबू पा लिया है।

पूरे गांव में कैंप कर रही पुलिस- महाशिवरात्रि के मौके पर हजारीबाग के इचाक प्रखंड के डुमरौन में दो गुटों को बीच हिंसक झड़क हुई। इस दौरान पथराव और आगजनी की घटना में कई गाड़ियों को भी निशाना बनाया गया। इस घटना की सूचना मिलते ही तीन थानों की पुलिस पहुंच गई। पूरे गांव में पुलिस कैंप कर रही है। दोनों ओर से हालात तनावपूर्ण हैं। एएसपी समेत जिला बल मौके पर मौजूद थे और हालात को शांत कराने में जुटे थे।

विवाद की वजह- बताया जाता है कि बुधवार कीसुबह भारत चौक पर महाशिवरात्रि का पताका और लाउडस्पीकर लगाने को लेकर दो गुटों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसके बाद उपद्रवियों ने गुस्से में वहां खड़ी बाइक्स को आग के हवाले कर दिया। दोनों पक्षों के बीच हालात बिगड़ते देख पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले को शांत कराने में जुटी थी। फिलहाल वहां हालात नियंत्रण में है। भारी पुलिस बल हालात पर नजर रखे हुए है।

घटना निंदनीय : संजय सेठ- हजारीबाग में हुई हिंसा की घटना पर केंद्रीय मंत्री और रांची से बीजेपी सांसद संजय सेठ ने कहा, "यह निंदनीय और दर्दनाक है। सरकार को ऐसे लोगों के साथ सख्त होना चाहिए। सरस्वती पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंसा भड़कती है। रामनवमी के दौरान, होली के दौरान, शिव बारात के दौरान हिंसा भड़कती है। आज महाशिवरात्रि है, वे कौन लोग हैं जो शांति को प्रभावित करना चाहते हैं?... देश में कहीं भी हिंसा नहीं होती है। यह झारखंड में होती है, क्यों? क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठिए है यहां।"

मंत्री इरफान अंसारी ने एसपी से की बात- हजारीबाग में हुई हिंसा की घटना पर राज्य के मंत्री डॉ. इरफ़ान अंसारी ने कहा, "मैंने एसपी से बात की है और उन्हें निर्देश दिया है कि हजारीबाग में वहां के लोगों से चतुराई से निपटा जाए। असामाजिक तत्व और कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोग नफरत फैला रहे हैं। केस दर्ज किया जाएगा और दोनों पक्षों के लोग जेल जाएंगे। जिन्होंने ऐसा किया है, हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

उपद्रवियों ने दुकान को भी बनाया निशाना - रिपोर्ट के मुताबिक उपद्रवियों ने एक दुकान को भी निशाना बनाया। झड़प में कई लोगों को चोटें आई हैं। घायलों को हजारीबाग जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस की कई टीमें पूरे इलाके में मार्च कर रही हैं।

सांसद दीपक प्रकाश ने घटना पर जताया दुःख- घटना पर बीजेपी सांसद दीपक प्रकाश ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, ""यह एक दुखद घटना है। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखा जाना चाहिए। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति इस राज्य को नष्ट कर रही है। हजारीबाग में ऐसी घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं और वहां कई राष्ट्रविरोधी ताकतें सक्रिय हैं।"

स्थिति नियंत्रण में है, वरीय पदाधिकारियों का भी हुआ दौरा- **प्रशिक्षु आईपीएस सह इचाक थाना प्रभारी** - मौके पर मौजूद प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति अग्रवाल ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। मौके पर वरीय पदाधिकारी एसपी अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी, बीडीओ संतोष कुमार, सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता आदि पहुंच स्थिति का मुआयना किया। गांव में शांति के लिए गणमान्य लोगों बटेश्वर प्रसाद मेहता, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता आदि का आगमन हुआ। सभी पक्षों से शांति बहाल की बात चल रही है। दोषियों की धरपकड़ के लिए कार्रवाई जारी है।

बीजेपी में नहीं जाऊंगा उनकी विचारधारा अलग : थरुर

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने साफ कहा है कि वह बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। खास बात है कि थरूर ने हाल ही में कह दिया था कि अगर कांग्रेस को उनकी जरूरत नहीं है, तो उनके पास कई विकल्प हैं। इसके साथ ही उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलें भी तेज हो गईं थी, जिसका बाद में थरूर ने खंडन भी किया था। शशि थरु ने बीजेपी में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है और इसकी वजह विचारधारा में अंतर होना बताया है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी की अपनी मान्यताएं और इतिहास है। अगर आप उनकी मान्यताओं को नहीं मान सकते, तो किसी अन्य पार्टी में जाना गलत है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है, लेकिन स्वतंत्र होने का विकल्प हमेशा खुला है। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक माहौल में मुझे लगता है कि सभी को पार्टी की, संगठन की, वाहन की जरूरत है जो उनके विचारों को आगे ले जाएं। राजनीति में एक पार्टी के लिए जरूरी है कि वह कुछ विचार और सिद्धांत रखे। नहीं तो विचारधारा या घोषणापत्र का कोई फायदा नहीं। थरूर ने कहा पार्टी एक वाहन होता है। इसमें संगठनात्मक शक्ति होना जरूरी है, ताकि मूल्यों को आगे ले जाया जा सके और उन सिद्धांतों के साथ ताकत हासिल की जा सके। राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी ने इसे आगे बढ़ाने की क्षमता दिखाई है, जो हम कई राज्यों में नहीं दोहरा सके। केरल में सीपीआईएम ने बीते दो चुनाव में अपनी क्षमता दिखाई है और मुझे इस पर बात करने में कुछ गलत नहीं लगता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर बूथ पर संगठनात्मक कमी, कार्यकर्ताओं की कमी से जूझ रही हैं। हम कैडर आधारित पार्टी नहीं हैं। हमारे पास कई नेता हैं, लेकिन हमारे पास कार्यकर्ताओं की कमी है। शादी के सवाल पर थरूर ने कहा कि उन्होंने जीवन में बहुत अनुभव ले लिया है। अब वह शादी नहीं करेंगे। बीते 10 सालों से मैं अकेला हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां उन्हें शादी के लिए कह रही हैं, लेकिन वह मौजूदा स्थिति से खुश हैं। जनवरी 2014 को शशि थरूर की पत्नी सुनंदा पुष्कर का निधन हो गया था जिसके बाद से वह अकेले जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

राजनीति में पार्टी के लिए जरूरी है वह विचार और सिद्धांत रखे

संक्षिप्त समाचार

10वीं की दो बोर्ड परीक्षा प्रणाली से नहीं हटेगी पंजाबी भाषा: सीबीएसई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 10वीं कक्षा की दो बोर्ड परीक्षाओं के संचालन के लिए मसौदा नीति के संबंध में स्पष्ट किया है कि पंजाबी भाषा को इस प्रणाली से हटाया नहीं गया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि मसौदा में शामिल अन्य विषयों और भाषाओं की सूची केवल सांकेतिक है और वर्तमान में पेश किए गए सभी विषय और भाषाएं 2025-2026 के लिए भी पेश की जाती रहेंगी। भारद्वाज ने कहा कि क्षेत्रीय और विदेशी भाषा समूह शीर्षक के तहत मसौदा नीति के बिंदु 8 में भाषाओं की सूची के तहत उल्लेखित भाषाओं के अलावा, पंजाबी (004), रूसी (021), नेपाली (024), लिंबू (025), लेप्चा (026), सिंधी (008), मलयालम (012), ओडिया (013), असमिया (014), कन्नड़ (015), कोकबोरोक (091), तेलुगु (007), अरबी (016) और फारसी (023) की पेशकश जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने 25 फरवरी को अपनी वेबसाइट पर 10वीं कक्षा की दो बोर्ड परीक्षाओं के संचालन के लिए मसौदा नीति जारी की थी। बोर्ड ने 9 मार्च तक इस पर स्कूलों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों की प्रतिक्रिया मांगी है।

कैग की सभी 14 रिपोर्ट की पीएसी करे जांच: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली की तत्कालीन आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल की सभी 14 कैग रिपोर्ट की लोक लेखा समिति (पीएसी) से जांच कराए जाने की मांग की है। पार्टी ने इसके लिए जल्द पीएसी के गठन की मांग की है। पार्टी का मानना है कि इससे लूट में शामिल लोगों को सजा मिल सकेगी। कैग रिपोर्ट पर बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता की। यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने ही जांच एजेंसियों को शराब नीति से जुड़ी शिकायत दी थी। इसमें भाजपा के शामिल होने के भी सबूत थे। सवाल उठता है कि विधानसभा में शराब नीति से जुड़ी सभी 14 रिपोर्ट क्यों नहीं पेश की गई। आमतौर पर विपक्ष के नेता पीएसी की अध्यक्षता करते हैं लेकिन दिल्ली में सरकार ही नेतृत्व करती है। हमारी मांग है की रिपोर्ट्स को सार्वजनिक तौर पर चर्चा के लिए लाया जाए। संदीप दीक्षित ने कहा कि कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब नीति का उद्देश्य बार-बार बदल गया। पहले इसमें 70 संस्थाओं की भागीदारी थी जिसे घटाकर 14 कर दिया गया। शराब नीति सरकार और ठेकेदारों के बीच बने संबंधों और हितों के चलते बनी। शराब में एक स्तर के बाद एक्साइस कर वसूली नहीं किए जाने से साफ था कि सरकार ने 30 से 40 प्रतिशत की कर चोरी को कानूनी बना दिया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में कैग की एक रिपोर्ट पेश की, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने जांच के लिए पीएसी के पास भेजे जाने की घोषणा की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंची बागेश्वर धाम, 251 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

एजेंसी। छतरपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम में आयोजित 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने बागेश्वर धाम पहुंचीं। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राज्यपाल मंगूभाई पटेल, बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। राष्ट्रपति मुर्मू ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव और राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने भी आयोजन की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस भव्य आयोजन में बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक सोनू निगम, क्रिकेट जगत के दिग्गज खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग, रॉबिन उथप्पा और आरपी सिंह, अभिनेता पुनीत वशिष्ठ तथा डब्ल्यूडब्ल्यूई के सुपरस्टार द ग्रेट खली भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों के इस सामूहिक विवाह समारोह का उद्देश्य समाज में विवाह को सुलभ और सामूहिक रूप से संपन्न कराना था। इस ऐतिहासिक समारोह में देशभर से आए भक्तों ने भी भाग लिया और नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं दीं

अचानक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे रेल मंत्री, कुंभ यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और कुंभ मेले में जा रहे यात्रियों के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और यात्रियों को सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से भी बात की और व्यवस्थाओं को लेकर उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त की। रेल मंत्री ने बताया कि स्टेशन के बाहर 36 नए टिकट काउंटर स्थापित किए गए हैं, जिससे टिकट खरीदने में यात्रियों

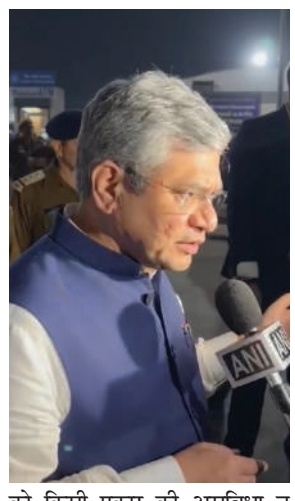

को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनें भी लगाई गई हैं, ताकि लंबी कतारों से बचा जा सके और यात्रियों को जल्द से जल्द टिकट मिल सके। कल (बुधवार को) महाशिवरात्रि के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे हैं। ऐसे में स्टेशन पर भारी भीड़ है, जिसे देखते हुए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। रेलमंत्री ने बताया कि रेलवे अधिकारियों ने निर्देशों का पालन करते हुए पहले ही भीड़ नियंत्रण और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी और हेल्प डेस्क तैनात किए हैं। कुंभ मेले के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं की यात्रा के मद्देनजर रेलवे प्रशासन लगातार विशेष ट्रेनों का परिचालन सुनिश्चित करने में लगा है। रेल मंत्री ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि कुंभ मेले के यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिले। हम भीड़ प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं और रेलवे स्टाफ को विशेष रूप से तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि रेल मंत्री का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना में कई श्रद्धालुओं की जान चली गई थी और काफी लोग घायल हुए थे। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद रेलवे मंत्रालय ने तत्काल एक्शन लेते हुए यात्री प्रबंधन प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वातंत्र्यवीर और महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें आज श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी के आंदोलन में उनके संघर्ष को देश कभी भुला नहीं सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पर स्वातंत्र्यवीर का स्मरण किया। उन्होंने लिखा, '' सभी देशवासियों की ओर से वीर सावरकर जी को उनकी पुण्यतिथि पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। आजादी के आंदोलन में उनके तप, त्याग, साहस और संघर्ष से भरे अमूल्य योगदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता।'' उल्लेखनीय है कि भारत माता के वीर सपूत वीर सावरकर का निधन 26 फरवरी 1966 को हुआ था।

तिहाड़ जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एलन मस्क को दिया बड़ा ऑफर

कहा- X में 2 बिलियन डॉलर निवेश के लिए तैयार

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने अब टेक जगत के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क को चौंकाने वाला प्रस्ताव दिया है। सुकेश ने दावा किया है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) में 2 बिलियन डॉलर (करीब 16,500 करोड़ रुपये) निवेश करने के लिए तैयार है। यह पेशकश उसने एलन मस्क को पत्र लिखकर की है। तिहाड़ जेल से लिखे अपने पत्र में सुकेश चंद्रशेखर ने एलन मस्क को संबोधित करते हुए कहा, कि मैं X (ट्विटर) में 2 बिलियन डॉलर का निवेश करने को तैयार हूं। अगर आप मेरी पेशकश स्वीकार करते हैं, तो यह डील आपके लिए भी फायदेमंद साबित होगी। सुकेश ने यह भी कहा कि वह एक्स को दुनिया का सबसे शक्तिशाली सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाना चाहता है और इसमें निवेश करके इसे एक नई ऊंचाई तक ले जाने की योजना बना रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर इतने बड़े निवेश की बात कैसे कर सकता है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब उसने ऐसा दावा किया हो। इससे पहले भी वह बड़े-बड़े दावों और विवादों में घिरा रहा है।

Classified

Classified

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वयं पर ही करने लगती है हमला

एजेंसी। नई दिल्ली

शरीर की आंत में रहने वाले सूक्ष्म जीव, मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एमएस) नामक गंभीर ऑटोइम्यून रोग को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। एक नए अध्ययन में येल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा यह खुलासा हुआ है कि यह रोग सेंट्रल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है और इसके कारण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वयं पर ही हमला करने लगती है। एमएस के मरीजों की आंत में कुछ विशेष प्रकार के बैक्टीरिया की मात्रा सामान्य लोगों की तुलना में भिन्न होती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि एमएस रोगियों की आंत में इम्युनोग्लोबुलिन ए (आईजीए) से ढके बैक्टीरिया की संख्या कम होती है। अध्ययन की प्रमुख वैज्ञानिक, एसोसिएट प्रोफेसर एरिन लॉन्गब्रेक के अनुसार, जब एमएस मरीजों में आईजीए से ढके बैक्टीरिया

कम हो जाते हैं, तो यह आंत और प्रतिरक्षा प्रणाली के बीच संतुलन को बिगाड़ सकता है। यह भी संभव है कि पर्यावरणीय कारणों से आंत के बैक्टीरिया में बदलाव होता है, जिससे एमएस होने की संभावना बढ़ जाती है। इसमें 43 ऐसे लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें हाल ही में एमएस का पता चला था और जिन्होंने अभी तक कोई उपचार शुरू नहीं किया था। इन मरीजों की तुलना 42 स्वस्थ लोगों से की गई। उनके मल के नमूनों की जांच में पाया गया कि एमएस के मरीजों में फीकलिबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की मात्रा कम थी, जबकि बिना इलाज वाले मरीजों में मोनोग्लोबस नामक बैक्टीरिया अधिक पाए गए। इन 43 मरीजों में से 19 को बी-सेल डिप्लीशन थेरेपी नामक उपचार दिया गया, जो प्रतिरक्षा प्रणाली की उन कोशिकाओं को नष्ट करता है, जो ऑटोइम्यून बीमारियों को बढ़ाती हैं। छह महीने बाद जब मरीजों के मल के नमूनों की पुनः जांच की गई, तो उनके गट माइक्रोबायोम स्वस्थ व्यक्तियों के समान हो गए। प्रोफेसर लॉन्गब्रेक के अनुसार, यह शोध एमएस के इलाज की प्रभावशीलता को समझने में मदद करता है। इसके जरिए यह भी पता लगाया जा सकता है कि कुछ लोगों को यह बीमारी क्यों होती है, जबकि अन्य इससे सुरक्षित रहते हैं।

वर्ल्ड फेमस

पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अपनी अंतराष्ट्रीय बेइज्जती करवाई है। इस बार पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन स्विफ्ट रिटॉर्ट के छह साल पूरे होने के मौके पर एक गाना जारी किया है। इस गाने में भारत को गीदड़भभकी देने की कोशिश की गई है। हालांकि, यह गाना पाकिस्तानियों को पसंद नहीं आया है और उन्होंने सोशल मीडिया पर खूब खिंचाई की है।

कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है मोमबत्ती उत्पादन

मोमबत्ती उत्पादन एक क्रिएटिव काम है। एक अच्छा आर्टिस्ट अच्छा मोमबत्ती उत्पादक बन सकता है। मोमबत्ती उत्पादन में डिजाइन के साथ कलर कॉम्बिनेशन की समझ होना जरूरी है, पर इसकी मैन्युफैक्चरिंग को समझने के लिए ट्रेनिंग लेना जरूरी है। यह एक ऐसा घरेलू उद्योग है, जिसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है।

कच्चा माल

आपको इस उद्योग को करने के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है जिन्हें हम कच्चा माल कहते हैं। पहली चीज है सूत और दूसरी चीज है मोम। सूत तो आपको कहीं भी मिल जायेगा और मोम आपको रिफायनरी से प्राप्त हो जायेगा। आप इन दोनों चीजों की सहायता से मोमबत्ती बनाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा जैल मोमबत्ती बनाने के लिए जैल, खुशबूदार मोमबत्ती के लिए कुछ खास तरह के परफ्यूम और इन्हें सजाने के लिए पत्थर, मोती, सितारे और थ्रेड, वैक्स पिघलाने के लिए बड़े बर्तन और चूल्हा और मोमबत्ती को विभिन्न आकारों में ढालने के लिए सांचों की जरूरत होती है।

प्रशिक्षण

मोमबत्ती उत्पादन (कंडल मेकिंग) में डिप्लोमा तीन महीने से एक साल की अवधि का होता है। प्रशिक्षण के दौरान मोम बनाना, ढांचे का चयन, लौह शीट में धागा डाल कर मोम ढालने का तरीका सिखाया जाता है। इसी कोर्स में डिजाइनर मोमबत्तियां बनानी सिखाई जाती हैं। इसमें मोमबत्ती निर्माण की कला का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकार की तरफ से व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत उद्यमियों को विभिन्न उद्योगों में सशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

मोमबत्ती बनाने के बाद

मोमबत्ती बनाने के बाद आप अपने निकट बाजार में दुकानों से संपर्क बनाइए और कुछ सस्ते में अपना माल, इन लोगों तक पहुंचाने का काम करें। मोमबत्ती बनाने का काम जितना आसान है उतना ही आसान इनको बेचना भी है। आप सिर्फ मोमबत्ती लेकर भी पास की बाजार में बैठ सकते हैं और लोगों को मोमबत्ती बेचकर धन कमा सकते हैं। या फिर सायकिल के द्वारा किसी व्यक्ति से गली-गली में बेच सकते हैं।

शुरुआती खर्च

मोमबत्ती उद्योग कुटीर उद्योग है, इसलिए इसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है। आप दस हजार से एक लाख रुपये तक की पूंजी में इस व्यवसाय को शुरू कर सकते हैं।

सरकारी मदद

मोमबत्ती उत्पादन लघु उद्योग की श्रेणी में आता है। केंद्र और राज्य सरकारों का खादी ग्रामोद्योग इसे बढ़ावा देने के लिए नए-नए प्रोत्साहन और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती रहता है। एक सर्वे के अनुसार भारत में मोमबत्ती का बाजार लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। नए उद्यमियों को सरकार हर तरह की सहायता देती है। महिलाओं, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति वर्ग से जुड़े लोगों को ऋण में 30 प्रतिशत तक छूट भी मिलती है।

लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट से करें करियर की ब्रांडिंग

ब्रांड मैनेजमेंट एक चुनौतीपूर्ण करियर फील्ड है, जिसमें रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। अगर आपके अंदर सौंदर्यबोध है तो लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए अच्छा करियर हो सकता है। भारत में जिस तरह से दिनोंदिन लग्जरी मार्केट विकसित हो रहा है, उसे देखते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित रिटेल और सर्विस के प्रोफेशनल्स के लिए मौके ही मौके हैं।

आज का समय ऐसा है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। ऐसे में सभी छोटी-बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट को आगे बढ़ाने की जुगत में लगी हैं। जम कर ब्रांडिंग कर रही हैं और इन कामों को बखूबी अंजाम देने का काम कर रहे हैं कंपनी के ब्रांड मैनेजर और ब्रांड मैनेजमेंट टीम। ब्रांडिंग के बढ़ते इस्तेमाल ने ब्रांड मैनेजमेंट को युवाओं के लिए एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभारा है। इन्ही में से एक हैं पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट का कोर्स जिसे करने के बाद आपके लिए करियर के रास्ते खुल जाते हैं।

कोर्स का विवरण

पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट 16 महीनो का कोर्स है जो अभी-अभी ग्रेजुएट हुए स्टूडेंट्स और किसी भी फील्ड में काम कर चुके प्रोफेशनल्स, लग्जरी की फील्ड में अपने करियर को एक बेहतर रूप देना चाहते हैं उनके लिए है। इस कोर्स के दौरान 10 महीनो का एकेडमिक सेशन होता है, जिसमे एकेडमिक्स के साथ-साथ जॉब ट्रेनिंग भी दी जाती है। एकेडमिक सेशन के बाद स्टूडेंट्स को 6 महीनो की इंडस्ट्री में इंटर्नशिप प्रदान कराई जाती है।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूहनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, विजुअल मर्चेडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड हेड, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं ऐसा कहना है एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओ अभय गुप्ता का।

कुछ हटकर

रिटेल में लग्जरी सेक्टर 20 फीसदी सालाना की दर से आगे बढ़ रही है। यह तेजी पिछले कई सालों से जारी है। 2028 तक इस क्षेत्र में लगभग 28 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऑटोमोबाइल्सल, ज्वैलर्स, घडियां, रियल एस्टेटट, वाइन, ट्रैवल एंड टूरिज्म में नए अवसर रोजगार के लिए वरदान साबित होगा। अभी इसमें सबसे बड़ी समस्या कुशल लोगों की है क्योंकि लग्जरी ब्रांड की सर्विस का अंदाज अलग होता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एलसीबीएस के डायरेक्टर के मुताबिक, पोस्टस ग्रेजुएट डिप्लोएमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट अपनी तरह का अनूठा और बिलकुल नया कोर्स है, रिटेल की जरूरतें बढ़ रही हैं लेकिन इसमें कुशल लोगों की बेहद कमी है। यह एक शानदार रोजगार का क्षेत्र है जहां संभावनाओं की कमी नहीं है। मौजूदा विश्व परिवेश को देखकर पता चलता है कि आने वाले समय में इस सेक्टर में असीम रोजगार की संभावनाएं हैं। यह उन युवाओं के लिए एक सफल लांचिंग पैड है जिन्होंने अब तक कुछ न कुछ मिस कर दिया है।

वेतन

इस कोर्स के पूरा होने के बाद कॉलेज स्टूडेंट्स को अलग-अलग कंपनीयों में इंटर्नशिप के लिए भेजा जाता है जिसमें बतौर स्टाइपेंड 15 से 25 हजार रुपए मिलते हैं, कोर्स पूरा करते ही अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 40,000 रु. से 50,000 रु. के बीच हो सकता है। तजुर्बे के साथ-साथ सैलरी में इजाफा होता रहता है। इन नौकरियों में वेतन के अलावा कई तरह के इन्सेंटिव और अन्य सुविधाएं भी शामिल हो सकती हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन रिटेल स्कूहल, नई दिल्ली
- लग्जरी कनेक्ट बिजनेस स्कूईल, गुडगांव, हरियाणा
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड स्टनडीज, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे
- बिमटेक, ग्रेटर नोएडा, उत्तरप्रदेश
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च ऐंड इंटरप्रेन्योरशिप, बेंगलुरु, कर्नाटक

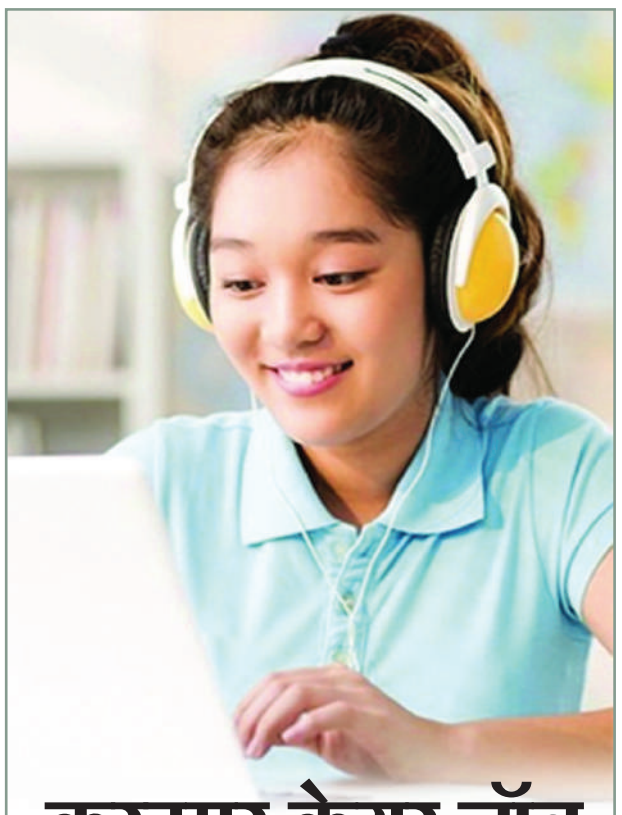

कस्टमर केयर जॉब की कमी नहीं

कस्टमर को समझना और उसकी डिमांड का रिस्पेक्ट कर उसे उत्पाद बेचना इतना आसान काम नहीं है। इसके लिए धैर्य और लगन की जरूरत होती है, साथ ही लगातार आगे बढने के जज्बे की भी जरूरत होती है। वर्तमान में सेवा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कस्टमर को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो और उनकी उत्पाद के बारे में क्या राय है आदि के बारे में काफी ध्यान रखा जाता है। इसके अलावा कंपनियाँ लगातार अपने उत्पादों में सुधार करने के लिए ग्राहकों से ही सर्वे के माध्यम से यह जानना चाहती है कि ग्राहक उत्पादों में क्या बदलाव चाहता है। इन सभी के लिए कस्टमर केयर के विशेषज्ञ की जरूरत होती है।

कस्टमर का रखा जाता है पूरा ध्यान

कस्टमर केयर अब केवल निजी क्षेत्र में नहीं, बल्कि सरकारी क्षेत्र में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कई सरकारी संस्थान अपने यहाँ पर कस्टमर केयर अधिकारी की नियुक्ति करने लगे हैं, जो समय समय पर ग्राहकों से न केवल बातचीत करते हैं, बल्कि सर्वे आदि भी करते हैं। इन सर्वे के माध्यमों से वे अपनी संस्थानों को यह भी बताते हैं कि कहाँ पर गलती हो रही है और ग्राहकों को क्या पसंद है। विदेशी कंपनियाँ अपने साथ यह कल्चर लाई है, पर ऐसा भी नहीं है कि इसके पहले देश में कस्टमर केयर की बातें नहीं होती थीं।

इसमें है कई विकल्प

विदेशी कंपनियाँ अपने कस्टमर केयर अधिकारी को किसी भी तरह की समस्या आने पर समस्या को सुलझाने के बाद कस्टमर केयर अधिकारी को उस व्यक्ति के घर पर भेजती है और अधिकारी संपूर्ण बातचीत करने के बाद इस बात का निष्कर्ष निकालता है कि आखिर समस्या कहाँ पर है! कुल मिलाकर कस्टमर केयर का क्षेत्र काफी बड़ा है और इसमें कई तरह के विकल्प युवाओं के लिए मौजूद हैं। सर्विस सेक्टर में कस्टमर केयर को सबसे ज्यादा तरजीह दी जाती है। सर्विस सेक्टर काफी तेजी से बढ़ रहा है और इसमें कई कंपनियाँ अपने उपभोक्ताओं के बीच इस कारण प्रसिद्ध हैं, क्योंकि उनका कस्टमर केयर काफी अच्छा है।

बहुभाषी को है फायदा

बेहतरीन कम्युनिकेशन स्कील्ज और आकर्षक व्यक्तित्व होना पहली जरूरत होती है। अगर आप बहुभाषी हैं तो एयरलाइंस से लेकर पर्यटन के क्षेत्र में आपको काफी महत्व मिल सकता है। इस क्षेत्र में युवा साथी को समाधान खोजी और पहल करने वाला होना चाहिए। ग्राहक को यह लगना चाहिए कि हमारी बात सुनी जा रही है। उत्साह से लबरेज कस्टमर केयर अधिकारी अपनी शालीनता और बोलचाल के माध्यम से कस्टमर को संतोषजनक जवाब दे सकता है। इतना ही नहीं, उन्हें यह भी लगना चाहिए कि आप उनके हित की बात कर रहे हैं।

केवल कॉल सेंटर ही नहीं है कस्टमर केयर

कस्टमर केयर का मतलब केवल कॉल सेंटर से नहीं, बल्कि इसमें कई स्तर है, जिसमें आपको ग्राहकों से न केवल संवाद स्थापित करना है, बल्कि उनकी समस्याओं को सुनकर उचित मार्गदर्शन देकर समस्या को हल भी करना है। ग्राहक सेवा का पर्यटन से लेकर बैंकिंग क्षेत्र में ध्यान रखना पड़ता है। यह धैर्य और समझदारी भरा काम होता है, जिसमें ग्राहक की बातों को ध्यानपूर्वक सुनना शामिल है।

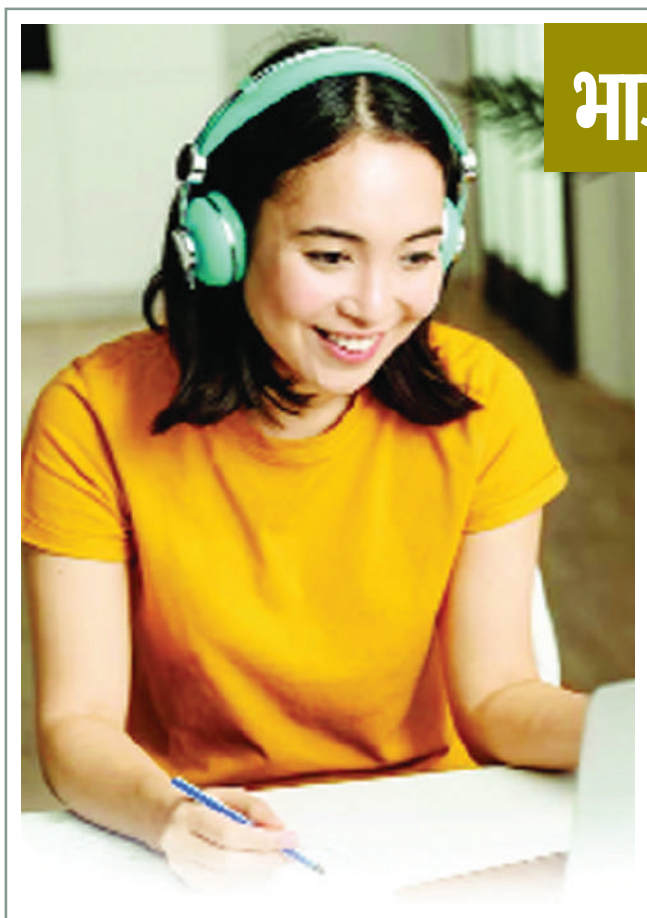

भाग्य से नहीं, परिश्रम से मिलती है सफलता

हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

प्राय- सफलता हमारे बहुत निकट होती है, लेकिन उसको देखने में चूक हो जाने के कारण ही हम असफल हो जाते हैं एक बार एक व्यक्ति ने जल्दी धनवान बनने के इरादे से एक ऐसी जमीन का टुकड़ा खरीदा, जिसमें हीरों के भंडार होने की पूरी संभावना थी। जमीन खरीदने के बाद उसने वहां पर खुदाई का काम प्रारंभ कर दिया। वह महीनों तक दिन-रात खुदाई के काम में लगा रहा, लेकिन उसे कहीं भी हीरों का नामो-निशान नहीं दिखलाई पड़ा। वह निराश हो गया और उसने फैसला किया कि वह यहां और अधिक समय व साधन नष्ट नहीं करेगा। उसने अपना काम समेटकर उस जमीन को कौडियों के दाम बेच दिया और अन्यत्र हीरे की खानों की खोज के लिए निकल पड़ा। वह जमीन खरीदता और उसमें खुदाई करवाता लेकिन हीरे न मिलने पर उस जमीन को सस्ते-मंदे में बेचकर आगे का रास्ता लेता। उसने कहां-कहां नहीं अपने भाग्य को आजमाया, लेकिन वह जहां भी गया असफलता ही उसके हाथ लगी और अंत में एक दिन समुद्र में डूबकर मर गया। इस दौरान जिस व्यक्ति ने उसकी पहली जमीन खरीदी थी, उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ी थी वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी। उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई।

प्रश्न उठता है कि पहले वाले व्यक्ति को काफी दिनों तक लगातार खुदाई करने के बावजूद हीरों वाली सतह क्यों नहीं मिली जबकि बाद वाले व्यक्ति को जल्दी ही हीरों वाली सतह मिल गई। उत्तर स्पष्ट है कि पहले वाले व्यक्ति ने निराश होकर जमीन की खुदाई करना बंद कर दिया था जबकि हीरों की सतह उस जगह से केवल तीन इंच नीचे उपस्थित थी। ऐसा कोई संकेत भी नहीं था कि अब हीरे नहीं मिलेंगे इसलिए खुदाई बंद करने का कोई औचित्य भी नहीं था। अगर वह काम करना बंद नहीं करता, तो उसे बहुत जल्दी ही हीरों की सतह मिल जाती और उसे पूरी दुनिया में भटकना व समुद्र में डूबकर मरना नहीं पड़ता। जहां तक दूसरे व्यक्ति की सफलता का प्रश्न है वह एक समझदार व्यक्ति था और समझदार व्यक्ति के लिए यह अनुमान लगाना कठिन नहीं था कि अब तक की खुदाई में हीरों की सतह नहीं मिल पाई है तो थोड़ा और खोदने पर वह जरूर मिल जाएगी। हीरे तो इसी जमीन में हैं अत- उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ दी थी, वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी और उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई। पहले व्यक्ति ने अपने अविश्वास व निराशा के कारण कार्य करना छोड़ दिया। उसने जिस बिंदु पर कार्य करना छोड़ा वहां सफलता उसके एकदम करीब थी। यदि वह थोड़ा सा और प्रयास करता तो उसका जीवन ही बदल जाता। हमारे साथ भी तो प्राय- ऐसा ही होता है। हम कार्य करते-करते एकदम ऊब उठते हैं और कह देते हैं कि बस अब और नहीं। हम प्राय- उस समय हथियार डाल देते हैं जब सफलता हमारे बहुत करीब होती है। अब इस स्थिति से बचने का क्या उपाय है?

जब तक पूर्ण रूप से सफलता नहीं मिल जाती, तब तक न तो प्रयास करना ही छोड़ें और न विश्वास ही कमजोर पडने दें। जीवन का कोई भी क्षेत्र क्यों न हो, हमें अपने संघर्ष को बीच में कदापि नहीं छोडना चाहिए। हम निरंतर प्रयास करते रहें इसके लिए हमें अपने अंदर धैर्य विकसित करने का प्रयास करते रहना चाहिए। बस अब और नहीं कहना है तो अपने अविश्वास, भाग्यवादिता, अकर्मण्यता व अपने कमजोर इरादों को कहिए कि बस अब और नहीं। निरंतर अभ्यास करने से न जाने कितने जड़मति व्यक्ति महान विद्वान बन गए। एक तथ्य और बहुत महत्वपूर्ण है और वह यह कि यदि दुनिया में कोई भी व्यक्ति सफल हो सकता है तो हम भी हो सकते हैं। हम इस विश्वास के साथ कार्य करें कि हमें भी अवश्य ही सफलता मिलेगी। कई बार सफलता मिलने में जो थोड़ी सी देर या तीन इंच की दूरी होती है उसी को पार करने पर ही सफलता मिल सकती है अत- घबराकर या निराश होकर काम बीच में छोडक़र भागने से पहले इस तथ्य पर विचार अवश्य कर लें कि कहीं मैं उसी बिंदु पर तो नहीं हूं, जहां अगले ही कदम पर सफलता स्वागत करने को तैयार बैठी है। यही वास्तविकता है अत- छोडने से पहले एक अंतिम प्रयास अवश्य करें। यह अंतिम प्रयास तब तक करते रहें जब तक पूर्ण सफलता नहीं मिल जाती। हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो परिश्रम व लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

पुलिस लाइन से निकली शिवजी की बारात, भूत-बैताल सब साथ

- डीसी नैंसी सहाय ने भी की शिरकत
- दिलीप कुमार सिंह बने गणेश और
- आरक्षी अजयकांत झा भगवान भोलेनाथ
- महाशिवरात्रि पर खूब उड़े अबीर-गुलाल, झूमते-नाचते बुढ़वा महादेव पहुंची शिव बारात
- एसपी ने किया गौरा का कन्यादान, रातभर शिवशंकर का गुणगान

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। महाशिवरात्रि पर बुधवार की शाम एसपी अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस लाइन शिव मंदिर से शिवजी की बारात निकली। भोलेनाथ का भजन-कीर्तन करते हुए बाराती बन भूत-बैताल के वेश बनाकर पूरा पुलिस लाइन परिवार सब साथ हो लिए। डीसी नैंसी सहाय भी महाशिवरात्रि के इस भव्य त्योहार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराईं। शिव बारात पुलिस केंद्र से मेन रोड, झंडा चौक, मालवीय मार्ग, बंशीलाल चौक होते हुए बुढ़वा महादेव मंदिर पहुंची। वहां शिव बारातियों का भव्य स्वागत किया गया। यहां से शिव बारात वापस पुलिस केंद्र स्थित शिव मंदिर पहुंची। पुलिस मेंस एसोसिएशन के मंत्री उपेंद्र मिश्रा ने बताया कि शिव-पार्वती विवाह में हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह सपत्नीक, सार्जेंट मेजर कुमार देवव्रत, सर्जेंट रूद्र प्रताप सिंह, शशि उरांव आदि शामिल हुए। कार्यक्रम के आयोजन के सदस्यों में ललित कुमार, राजेश हेंब्रम, जगलाल मुंडा, सुरेंद्र ठाकुर, परमेश्वर मंडल, सौरभ सिंह, मंजीत कुमार, प्रभाकर दुबे समेत कई पुलिस पदाधिकारी व कर्मी शामिल हुए। घुड़सवारी दस्ता भी आकर्षण का केंद्र बना रहा। शिव बारात में पीटीसी की बैंड पार्टी ने धूम मचा दिया। शिव गणेश की जीवंत झांकी के आगे बैंड और घुड़सवारी दस्ता चल रहा था। पुलिस पदाधिकारी व कर्मी नाचते गाते बारात में भ्रमण करते रहे। आरक्षी दिलीप कुमार सिंह गणेश और अजयकांत झा भगवान भोलेनाथ की वेश में शिव-पार्वती विवाह में चांद लगा रहे थे। महाशिवरात्रि पर इस बीच जमकर अबीर-गुलाल उड़े। लोग झूमते-नाचते आनंद और उल्लास में डूबे हुए थे। श्रद्धालुओं के बीच ठंडई का वितरण किया गया। एसपी ने गौरा का कन्यादान किया। फिर रातभर शिवशंकर का गुणगान लोग करते रहे। इधर सनातनियों के घर-घर में लोगों ने भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। महिलाओं और कुंवारी कन्याओं ने भी उपवास रखकर भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की

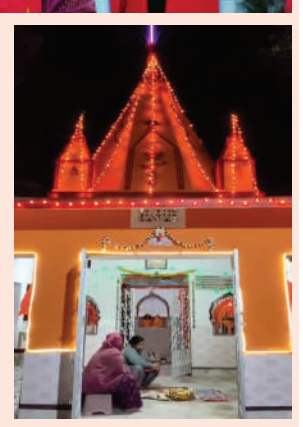

हर हर महादेव के नारों से गूंजा विष्णुगढ़

प्रखंड में निकली भव्य शिव बारात, प्रखंडवासी बने बाराती

राहुल कुमार गुप्ता, वर्ल्ड वाइज न्यूज

विष्णुगढ़ (हजारीबाग)। विष्णुगढ़ प्रखंड में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही शिव भक्तों का तांता लगा रहा। शिवालयों में महिलाएं एवं पुरुष कतारबद्ध होकर दिन-भर पूजा-अर्चना में जुटे रहे। वहीं प्रखंड के थाना परिसर स्थित शिवालय, फॉरेस्ट कॉलोनी शिव मंदिर, जमुनियां नदी तट पर स्थित शिवालय, तेली मुहल्ला शिव मंदिर, कसेरा मोहल्ला शिव पार्वती मंदिर सहित पूरे प्रखंड में ढोल नगाड़ों तथा गाजे-बाजे के साथ आतिशबाजी करते हुए भव्य शोभायात्रा के साथ बारात निकाली गई। इसमें हजारों की संख्या में महिलायें, पुरुष तथा बच्चे भी शामिल थे। शिव बारात में शामिल महिलाएँ जमकर थिरकी। बारात में शामिल शिव भक्त की सेवा में जुटे समाजसेवी भिन्न-भिन्न स्थानों में शरबत, खीर, खिचड़ी सहित अन्य प्रसाद का वितरण बड़ी विनम्रता से करते दिखे। शिव पार्वती मंदिरों में भंडारा का भी आयोजन किया गया। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि महाशिवरात्रि में रात्रि में मंदिरों में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। शिव पार्वती मंदिरों में एक दिवसीय रुद्राभिषेक यज्ञ आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से थाना प्रभारी सपन महथा, रविन्द्र कुमार बरनवाल, प्रकाश सिंह, विनोद सिंह, विशेश्वर स्वर्णकार, राजू श्रीवास्तव, अजय वर्णवाल, अमरेश पंडित, रंजीत वर्णवाल, रानू वर्णवाल, सुजीत कुमार, विशेश्वर सिंह, अंजू देवी, शेखर सुमन, सीमा देवी, अर्जुन साव, शंकर साव, सिकंदर साव, रामचंद्र यादव, अनिल कुमार महतो, शंकर गोस्वामी, नवल किशोर वर्मा, राजेंद्र प्रसाद, प्रयाग साव सहित अन्य श्रद्धालु शामिल थे।

उपद्रवियों से निबटने के लिए भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात

- उपद्रवियों ने तीन बाइक एवं एक बोलेनो कार को जलाया
- एक मोटरसाइकिल एवं एक ऑटो को किया क्षतिग्रस्त, बाइक को कुएं में डाला
- पोल पर लाउडस्पीकर लगाने पर बढ़ा विवाद

ब्यूरो, वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के इचाक थाना क्षेत्र के डुमरौन गांव के हिंदुस्तान चौक पर लगे भगवा ध्वज के लोहे के पोल में शिवरात्रि पूजा को लेकर एक समुदाय के लोगों ने लाउडस्पीकर लगाया, तो दूसरे पक्ष के लोग लाउडस्पीकर लगाने का विरोध करने लगे। इसी बात को लेकर कुछ लोगों के बीच कहां सुनी हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना इचाक थाने को दिया। सूचना पाकर थाना प्रभारी संतोष कुमार सदलबल घटनास्थल पर पहुंचे। वहां दोनो समुदाय के बीच बातचीत के जरिए मामले को शांत कर रहे थे। इसी दौरान एक समुदाय के लोगों ने उर्दू स्कूल की छत पर से पत्थर बाजी करना शुरू कर दिया। पत्थर बाजी की घटना मे सड़क पर खड़े दूसरे पक्ष के कई लोग घायल हो गए। इससे गुस्साए लोगों ने सड़क के किनारे खड़े तीन मोटरसाइकिल एवं एक बोलेनो कार को आग के हवाले कर दिया। इसके अलावा एक स्कूटी एवं एक ऑटो को क्षतिग्रस्त कर दिया जबकि एक मोटरसाइकिल को कुएं में डाल दिया। विवाद बुधवार को सुबह लगभग नौ बजे शुरू हुआ। उसके बाद लगभग डेढ़ घंटे तक दोनों पक्षों के बीच जमकर हिंसक झड़प होती रही। इसमें कई पुलिस कर्मियों को भी चोटें आई। इस बीच निवर्तमान थाना प्रभारी संतोष कुमार ने घटना की सूचना प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति एवं पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को दी। सूचना पाकर प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति, एसडीओ लोकेश बारंगे भारी संख्या में जिला पुलिस बल के जवान साथ पहुंचे और मोर्चा संभाला। उसके बाद मामला शांत हुआ। फिलहाल डुमरौन गांव पुलिस चौकी में तब्दील हो गई है। समाचार लिखे जाने तक बीडीओ संतोष कुमार, सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता, इंस्पेक्टर शहीद रजा, पदमा थाना प्रभारी भानु प्रताप, कटकमसांडी थाना प्रभारी राजबल्लभ यादव, दारू थाना प्रभारी सफीक अंसारी, समेत भारी संख्या में पुलिस बल के अलावा अग्निशमन का दस्ता घटना स्थल पर तैनात थे।

युवती की संदेहास्पद मौत, मामला दर्ज

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र स्थित पाण्डेयपुरा निवासी प्रवीण राम की पुत्री जिया कुमारी की मौत सिमरिया थाना क्षेत्र के जबड़ा में हो गई। युवती की संदेहास्पद मौत होने पर उसके मामा व पिता ने एक दूसरे पर जिया कुमारी की हत्या करने का आरोप लगाया। मृतका के मामा कुंदन कुमार राम ने युवती की सौतेली मां व पिता प्रवीण राम पर अपनी बेटी की हत्या पीट कर करने का आरोप लगाया। वहीं युवती के पिता प्रवीण राम ने अपने साला व मृतका के मामा पतरातू प्रखंड के लादी गांव निवासी कुंदन कुमार राम पर जिया को फोन करके मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वा आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। पिता ने कहा कि मामा के फोन से परेशान हो कर मेरी बेटी ने मौसी के घर सिमरिया प्रखंड के जबड़ा में जहर खा ली। इससे बच्ची की मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि जिया सिमरिया में सौतेली मौसी के घर में रह रही थी। वहां जहर खाने से युवती की मौत हो गई। युवती की मौत होने पर शव के अंतिम संस्कार के लिए शव को सिमरिया से केरेडारी के पांडेयपुरा में लाया गया। वहां से केरेडारी पुलिस ने सूचना मिलते ही पांडेयपुरा से शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। पुलिस मौत के कारणों के छानबीन में जुट गई है। इस मामले में थाना प्रभारी विवेक कुमार ने बताया कि सूचना है कि युवती की मौत सिमरिया में हुई हैं। इस मामले में मृतक के मामा और पिता ने एक दूसरे पर हत्या का आरोप लगाया है। दोनों परिजनों के आवेदनों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को केरेडारी पुलिस ने पोस्टमार्टम करा दिया है। आगे की कार्रवाई के लिए रिपोर्ट आने तक का इंतजार किया जा रहा है।

पहला कदम स्कूल में धूमधाम से मना महाशिवरात्रि का पावन उत्सव

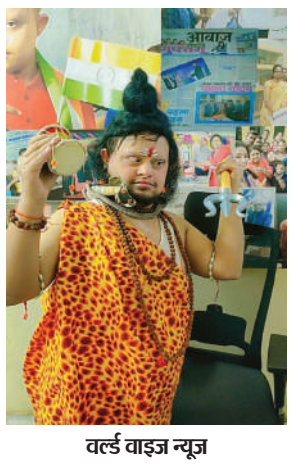

वर्ल्ड वाइज न्यूज

धनबाद। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बुधवार को नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट से संचालित पहला कदम दिव्यांग बच्चों के स्कूल में महाशिवरात्रि का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस विशेष आयोजन में बच्चों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की, भजन-कीर्तन गाए और नृत्य प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान बच्चों ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर वहां उपस्थित सभी लोगों का मन जीत लिया। इन दिव्यांग बच्चों की कलात्मकता, भक्ति और प्रतिभा को देखकर हर किसी ने उनकी खूब सराहना की।इस मौके पर सचिव अनीता अग्रवाल ने कहा कि पहला कदम स्कूल की हमेशा यह कोशिश रहती है कि इन विशेष बच्चों को समाज और संस्कृति से जोड़ा जाए तथा उन्हें हमारे देश के धार्मिक पर्वों की जानकारी दी जाए, जिससे उनका मानसिक और आत्मिक विकास हो सके। सचिव अनिता अग्रवाल समेत स्कूल के समस्त सदस्यों ने इस अवसर पर सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और भगवान शिव से सभी के कल्याण की प्रार्थना की।

पारा शिक्षकों से किए गए वादे वेतनमान को पूरा करें सरकार : जयराम महतो

वर्ल्ड वाइज न्यूज

धनबाद। तोपचांची सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधि मंडल धनबाद जिला महिला अध्यक्ष डिंपल चौबे और आरती कुमारी सदाम के नेतृत्व में डुमरी विधायक जयराम महतो से संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इसमें राज्य सदस्य निरंजन दे, राज्य सदस्य सुशील कुमार पांडे, जिला सदस्य कल्याण चक्रवर्ती और प्रखंड सदस्य संतोष कुमार महतो ने डुमरी विधायक से शिष्टाचार मुलाकात की। साथ ही सहायक अध्यापकों की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार ने चुनाव पूर्व अपने संकल्प पत्र में घोषणा की थी कि जेएमएम की सरकार बनते ही राज्य के 62,000 पारा शिक्षकों को वेतनमान देंगे। लेकिन अब तक इसमें किसी भी प्रकार की ठोस कार्यवाही नहीं की गई। मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए डुमरी विधायक ने कहा कि सहायक अध्यापकों के वेतनमान की मांगे जायज हैं। निश्चित रूप से सदन में पारा शिक्षकों के वेतनमान की मांग को उठाऊंगा। पारा शिक्षक अपनी पूरी जवानी का आहुतिकरण राज्य के विकास में लगा चुके हैं। अब पारा शिक्षकों का कैसे विकास हो सरकार को निश्चित रूप से सोचना चाहिए आज अल्प मानदेय पर विगत 20 वर्षों से कार्य कर रहे हैं। निश्चित रूप से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा राज्य के पास शिक्षकों के साथ खड़ा है।

महाशिवरात्रि पर बाबा नगरी में पूजा कर धनबाद वासियों के लिए की मंगल कामना

वर्ल्ड वाइज न्यूज धनबाद। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बुधवार को बाबा नगरी देवघर में धनबाद के समाजसेवी सप्पू महतो पूजा अर्चना कर धनबाद वासियों के लिए मंगल कामना की। इस दौरान मंदिर के समक्ष जरूरतमंद लोगों के बीच दान पुण्य किया गया। सप्पू महतो ने बताया कि सनातन धर्म से जुड़े लोगों को इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों पूजा पाठ आदि में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। मौके पर विकेश भगत, ऋषभ पांडेय, रवि सोनी, रिंकू सोनी आदि मौजूद थे।

युवती ने केरल हाईकोर्ट से सुरक्षा की लगाई गुहार

रांची रामगढ़ । दूसरे समुदाय के लड़के के साथ रामगढ़ से केरला गई 26 वर्षीया युवती ने केरल हाई कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। उसने केरला हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपनी सुरक्षा की मांग की है। केरल से वापस लाने गई रामगढ़ पुलिस के साथ उसने आने से इनकार कर दिया। इस तथ्य को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बुधवार को उन्होंने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि जिस युवती को लाने के लिए रजरप्पा थाना क्षेत्र में बवाल मचाया जा रहा है, वह लड़की यहां आना ही नहीं चाहती है। लिखित रूप से पीड़िता के द्वारा स्वयं उच्च न्यायालय, केरल में अपने बालिग होने एवं अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर एक याचिका दायर की गयी है। इस याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होने वाली है। फिलहाल लड़की को स्थानीय पुलिस के द्वारा सुरक्षा प्रदान करते हुए उसे आश्रय गृह में रखा गया है। एसपी ने बताया कि युवती के भाई ने 22 फरवरी को रजरप्पा थाने में बहन के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस प्राथमिकी में मो ग़ालिब उर्फ राजा और उसके अन्य सहयोगियों को आरोपित बनाया गया था। कांड सं०-38/ 2025 की पीड़िता की बरामदगी के लिए दो पुलिस पदाधिकारियों को राज्य से बाहर केरला के अलाप्पुझा जिले के कायकुलम थाना भेजा गया है। एसपी के द्वारा अलाप्पुझा जिले के एसपी से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर पीड़िता की बरामदगी के लिए आवश्यक पत्राचार किया गया। तत्पश्चात वहां की स्थानीय पुलिस के सहयोग से पीड़िता को थाना लाया गया है। जहां सारी स्थिति स्पष्ट हुई। एसपी ने बताया कि अपहरण के आरोपित चितरपुर दर्जी मोहल्ला निवासी गालिब उर्फ राजा के खिलाफ वारंट कोर्ट से लिया जाएगा। उसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जाएगा।

निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपन शिविर का आयोजन

रांची । मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की अध्यक्ष विनिता सिंघानिया के नेतृत्व में निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने सहयोग किया। शिविर में मौजूद दिव्यांगों के बीच कृत्रिम अंग हाथ - पैर, एक ट्राइसाइकिल, चार व्हीलचेयर, तीन बैसाखी, छह कैलिपर, दो ईयर मशीन का वितरण किया गया। साथ ही लोगों के बीच भोजन का भी वितरण किया गया। कृत्रिम अंग पाकर दिव्यांग लोग काफी खुश नजर आ रहे थे। उन्होंने समर्पण शाखा द्वारा आयोजित इस शिविर की प्रशंसा की और उनके प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर महावीर विकलांग सहायता समिति के अध्यक्ष ललित केडिया और रतन अग्रवाल को शाखा की ओर से अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समर्पण शाखा की अध्यक्ष विनिता सिंघानिया ने बताया कि दोनों लोगों का सहयोग समर्पण शाखा को निरंतर मिलता रहता है। कार्यक्रम में विनीता सिंघानिया, पूजा अग्रवाल,कविता जालान और शाखा के कई सदस्य मौजूद थे।

शिवरात्रि पर लाउडस्पीकर लगाने पर हुई झड़प

रांची हजारीबाग। लाउडस्पीकर लगाने के दौरान हिंदुस्तान चौक पर दोनों समुदायों के बीच झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शिवरात्रि पर गाना बजाने के लिए लाउडस्पीकर लगाने के दौरान यह घटना घटी।उपद्रवियों ने तीन बाइक, एक दुकान और एक कार को आग के हवाले कर दिया। एक ऑटो में भी तोड़ फोड़ की गई है। वहीं, पूरी सड़क पर पत्थर के टुकड़े पड़े नजर आए। प्रशासन ने हल्का बल प्रयोग कर सभी को शांत करवाया है। प्रशिक्षु आईएएस सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे, प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति अग्रवाल सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इचाक प्रखंड के पदाधिकारी तथा भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। जिला प्रशासन ने आमलोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा शांति बनाए रखने की अपील की है। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि अभी स्थिति नियंत्रण में है दोषियों को चिन्हित कर पुलिस कार्रवाई करेगी।

आर्य समाज ने महाशिवरात्रि को ऋषिबोधोत्सव के रूप में मनाया

रांची। रांची अपर बाजार के श्रद्धानंद पथ स्थित आर्य समाज मंदिर में बुधवार को महाशिवरात्रि के पर्व को ऋषिबोधोत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आर्य समाज ने डीएवी विद्यालयों के शिक्षकों से मिलकर सामूहिक रूप से वैदिक विधि-विधान के अनुसार हवन किया। इससे पूरा वातावरण वैदिक मंत्रों और आस्था की ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। इसके बाद सभागार में महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन,उनके संघर्ष और वैदिक सिद्धांतों को दर्शाने वाले भजनों की प्रस्तुति दी गई। मौके पर श्रद्धालुओं ने महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों और उनके समाज सुधारक योगदान से लोगों को परिचित कराया। आर्य समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास,पाखंड और कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष किया और वैदिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार का मार्ग प्रशस्त किया।इसलिए महाशिवरात्रि का पर्व आर्य समाज में केवल पारंपरिक रूप से नहीं, बल्कि ऋषिबोधोत्सव के रूप में उनके योगदान को स्मरण करने के लिए मनाया जाता है। उपस्थित सभी सदस्यों ने महर्षि दयानंद के आदर्शों पर चलने और समाज में वैदिक मूल्यों को पुनः स्थापित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आर्य समाज संरक्षक, एसएल गुप्ता , आर्य समाज के प्रधान, राजेन्द्र आर्य, अजय आर्य , डीएवी , पब्लिक स्कूल हेहल के प्राचार्य, एसके मिश्रा, सहित अन्य शामिल थे।

मुख्यमंत्री और कल्पना ने घायल महुआ से की मुलाकात

रांची । सड़क दुर्घटना में घायल हुई राज्यसभा सांसद महुआ माजी से बुधवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने मुलाकात की और उनका कुशल क्षेम पूछा। महुआ माजी को एचबी रोड स्थित ऑर्किड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने घायल राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी के चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सुधार से संबंधित जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी और उनके परिजन महाकुंभ स्नान कर वापस रांची लौट रहे थे, बुधवार के अल सुबह लातेहार जिला स्थित होटवाग गांव के समीप पहुंचते ही उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में डॉ. महुआ माजी एवं उनके परिजन घायल हो गए थे।

धूमधाम से मना बाबा श्याम का फागुन उत्सव, भक्तों ने खेली फूलों और गुलाल की होली

भक्ति के रंग में झूमे श्याम प्रेमी, हजारों श्रद्धालुओं की रही उपस्थिति

अरुण सूद, वर्ल्ड वाइज न्यूज

झुमरी तिलैया (हजारीबाग)। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में बाबा श्याम का फागुन उत्सव शहर के महराणा संकट मोचन मंदिर अपार भक्ति और श्रद्धा के साथ मनाया गया। हजारों श्याम प्रेमियों ने इस आयोजन में भाग लिया और अपनी अटूट आस्था व्यक्त की। शहर की विभिन्न धार्मिक संस्थाओं ने भी अपनी हाजिरी लगाकर कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ाया। श्री श्याम सेवा मंडल झुमरी तिलैया की ओर से बाबा श्याम के दरबार का भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर इत्र वर्षा, फूलों की होली और रंग-गुलाल की होली से गूंज उठा, जहां श्रद्धालु बाबा श्याम के चरणों में रंग समर्पित कर भक्ति के रंग में रंग गए। बाबा के दिव्य श्रृंगार और भव्य दरबार ने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायक कलाकारों ने अपनी सुमधुर आवाज़ में भजन प्रस्तुत कर भक्तों को भक्ति के रस में सराबोर कर दिया। धनबाद से पंकज मोदी गर्ग, कोडरमा के धीरज पांडेय, और आराध्या सिन्हा ने भजन गाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। पंकज मोदी गर्ग प्यारा सा मुखड़ा, घुंघराले केश, कलयुग का राजा खाटू नरेश...धीरज पांडे लगा रहे मेरा खाटू आना-जाना..., आराध्या सिन्हा किशोरी, कुछ ऐसा इंतजाम हो जाए, जुबां पर राधा-राधा नाम हो जाए...श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में इस कदर डूबे कि पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजन में राजेंद्र वर्मा और उनकी पत्नी रीना वर्मा यजमान बने। कार्यक्रम का संचालन गिरधारी सोमानी ने किया, जबकि संरक्षक श्याम सुंदर सिंघानिया ने अपने बहुमूल्य विचारों से भक्तों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि हर मंगलवार और शुक्ल पक्ष की एकादशी पर कीर्तन का आयोजन किया जाता है और सभी भक्तों को इसमें शामिल होने की अपील की।

सभा में यह घोषणा की गई कि मई महीने में श्री श्याम मित्र मंडल का भव्य श्याम महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के प्रमुख सदस्य विमल पचिसिया, सुरेश पचिसिया, बृजमोहन महेश्वरी, दीपक बसंत, रमेश कंदोई, संतोष सिंदुरिया, मनोज लड्ढा, नितीश गुप्ता, चन्द्रशेखर जोशी,विनोद पिलानिया, मंटू गुप्ता, प्रदीप खाटूवाला, संजय सूद, रंजीत श्रीवास्तव, रवि लोहानी, गणेश मजूमदार, विवेक सहल, दीपेश जेठवा, मनोज जोशी, प्रवीण पटेल, मोहित छाबड़ा, विभूति कुमार, विष्णु खटोल, पंकज तरवे, संजय खेमानी, आशीष वर्मा, आशीष कुमार, ज्योतिष कुमार, अनिल कुटरियार, अश्विनी राजगढ़िया, अनूप कंदोई, रणधीर कप्सिमे,मीरा खाटूवाला, लक्ष्मी सिंघानिया, रीता सोमानी, कविता खटोड़, सुधा पचिसिया, रश्मि पचिसिया, मीना पटेल, सुमन कंदोई, शालिनी तरवे, सीमा सहल, संगीता जेठवा,, शोभा खटोड़, अर्चना सहल,सरिता पिलानिया, रानी राजगढ़िया, रश्मि लड्ढा श्याम सेवा मंडल के अध्यक्ष जोशी कुमार, अविनाश कप्सिमे, बबलू पहाड़ी, कृतिका मोदी और अमित शंघाई सहित सैकड़ों की संख्या मे भक्त मौजूद थे। भजन संध्या के बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और बाबा श्याम की कृपा प्राप्त की। भक्तों ने बाबा से सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

हर्षोंउल्लास से मना अक्षर देव जी का जन्मदिन

सदगुरु सफल देव विहंगम योग के अक्षर फाउंडेशन की पहल

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कोडरमा। सदुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान की ओर से गांधी हाई स्कूल रोड गुमो ग्राम के संत साई एकाडमी स्कूल के प्रागंण में सदगुरु सफल देव विहंगम योग के अक्षर फाउंडेशन के बैनर तले अक्षर देव जी का जन्मदिन पूरे हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत 150 बच्चो मे प्रतियोगिता करा कर उन बच्चो मे प्राइज वितरण किया गया। इसमें प्रथम, दुसरे, तृतीय आने बाले को स्टील का लंच बाक्स तथा कुछ बच्चे जो जुनियर वर्ग के थे उनमे भी प्रतियोगिता करा कर पेंसिल बाक्स और लंच बाक्स दिया गया। बाकी स्कूल से लगभग 200 बच्चो मे कोपी, पेन, पेंसिल, रबर, कटर, कलर का वितरण किया गया। और स्कूल के सारे बच्चो और शिक्षकों तथा आये हुए सभी भक्तजन जिज्ञासु गंण मे प्रसाद के रुप मे केला, संतरा अंगुर टौफी बिस्कुट मिठाई बेदामदाना मिश्री केक वगैरह बांटा गया। स्कूल के ही वर्ग 2 के के बच्चे का आज जिसका जन्मदिन था उसी बच्चे से केक कटवाया गया। सीनियर वर्ग मे पहले स्थान पर अंजलि कुमारी, दूसरे स्थान पर अराधना पाण्डेय, तीसरे पर पिता कुमारी और जूनियर से मयंक, चंदन, चिंता,बाकी विभिन्न गेम मे काफी बच्चे प्राइज जीते। आज के कार्यक्रम मे सामुहिक रुप से स्वागतगान, मंगलगान तथा अरविंद भदानी के द्वारा स्वरवेद पाठ और पंच कोटि वरिष्ट गुरु भाई ओमप्रकाश द्विवेदी के द्वारा सदगुरु सदा फल देव जी के जीवनी तथा अक्षर देव जी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मौके पर दीप नारायण, अनिल सिंह, अनिल सेठ, प्रोफेसर शशीकांत, चितरंजन , ब्रह्मदेव मोदी, सुरेन्द्र, कृष्णा सिंह, भरत पाण्डेय । भजन प्रेमलता कपशिमे, रुकमिणी जोशी ज्योति साव, सुषमा कपशिमे, आशा तरवे, सुमित्रा देवी,जयमाला भदानी, चंचला सेठ और अन्य गुरु भाई बहनों ने सहयोग किया। यह कार्यक्रम हर वर्ष महिला प्रभारी की देखरेख मे होता है पर पुरे विहंगम योग परिवार कोडरमा जिला का सहियोग रहता है। और कोडरमा जिला महिला प्रभारी सुनीति सेठ के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। 100 बच्चो मे कोपी,क्ष100 बच्चो मै पेन पेंसिल, 15 बच्चो मे स्टील का लंच बाक्स, 50 बच्चो मे पेंसिल बाक्स कलर कटर रबर वगैरह। स्कूल के सात शिक्षकों को भी स्टील का लंच बाक्स दिया गया।

तिरंगा क्लब, इचाक ने जेएफसी क्लब, झुमरा को 3-0 से हरा किया सेमीफाइनल में प्रवेश

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग जिला फुटबाल रेफरी एवं पुराने फुटबॉल खिलाड़ियों की देखरेख में प्रथम स्वर्गीय बद्रीनाथ गोस्वामी फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन गांधी मैदान में किया जा रहा है। इसमें चौथे दिन खेले गए मैच में तिरंगा क्लब, इचाक ने जेएफसी क्लब, झुमरा को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच से पहले डीएवी स्कूल, कैनरी हिल के प्राचार्य डॉ रजनीश ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें खेल में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर नजरुल हसन, भैया मुरारी, बहादुर राम, सरफराज अहमद, सुरेंद्र शुक्ला, अनवर हुसैन,ज्ञमनोज राम, सूरज कुमार, लाल किशोर प्रसाद और रेफरी में नेमन महतो, नरेश मुरमुर, कृष्णा हेंब्रम थे। इससे पहले दूसरे दिन खेले गये मैच में मटवारी फुटबॉल क्लब और नवयुवक क्लब ओरिया के बीच हुआ। इसमें अंतिम समय तक मैच दो-दो की बराबरी पर समाप्त हुआ। अंत में ट्राई बेकर में मटवारी ने नवयुवक क्लब ओरिया को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अतिथि संत रॉबर्ट स्कूल सिंदूर के प्राचार्य फादर एल्बनुश खाखा थे। उन्होंने टूर्नामेंट कमेटी को मैच करने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान नजरुल हसन भैया मुरारी, बहादुर राम, सरफराज अहमद, सूरज कुमार, कुलदीप गोस्वामी, कुणाल गोस्वामी, अबोध राम, राजू राम एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। रेफरी में परमेश्वर गोप, अशोक कुमार और वकील कुमार थे।

डिवाइडर से टकराई बाइक, पत्नी की मौत और पति घायल

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कोडरमा । जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र के गौरी नदी पुल पर डिवाइडर से बाइक की टक्कर होने से पत्नी की मौत हो गयी जबकि पति घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सर्वेश कुमार और संजू प्रसाद सिंह (45)पति-पत्नी बाइक पर सवार होकर बरही की तरफ जा रहे थे। गौरी पुल के समीप बाइक के दुर्घटनाग्रस्त होने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद सदर अस्पताल कोडरमा में चिकित्सकों ने जांच के दौरान गंभीर रूप से घायल महिला संजू प्रसाद सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल सर्वेश कुमार का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया । अनियंत्रित ट्रक ने थाना की बाउंड्री में मारी टक्कर एक अन्य घटना में कोडरमा थाना के समीप बुधवार की सुबह एक अनियंत्रित ट्रक ने पेड़ में जोरदार टक्कर मार दी। इससे ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं ट्रक चालक रजौली निवासी मोनू कुमार बाल बाल बच गया। घटना के बाद कोडरमा पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं चालक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक ओडिशा से स्पंज लेकर पटना जा रही थी। वहीं चंदवारा थाना क्षेत्र के ढाब थाम में बुधवार को स्कूटी की टक्कर सड़क किनारे पोल से होने से स्कूटी पर सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। घायलों की पहचान हजारीबाग के चौपारण निवासी भुवनेश्वर दास और रतन दास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार स्कूटी सवार दोनों व्यक्ति ढाब थाम चौक की तरफ जा रहे थे। इस दौरान स्कूटी अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गई और दोनों घायल हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया।

इंटकवेल के बिना शहरी जलापूर्ति योजना अधूरी: नगर आयुक्त

वर्ल्ड वाइज न्यूज

पलामू । जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहरी जलापूर्ति योजना फेज-दो की सबसे मजबूत कड़ी इंटकवेल निर्माण के लिये बुधवार को कोयल नदी में नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने पूजा अर्चना कर एवं नारियल फोड़कर विधिवत शुरूआत की। पूर्व में 14 फरवरी को फेज दो के लिए ही डब्लूटीपी निर्माण के लिए हाउसिंग कॉलोनी में कार्य का शुभारम्भ हो चुका है। मौके पर नगर आयुक्त ने कहा कि मेदिनीनगर के लिए फेज दो बहुत ही बहुप्रतीक्षित योजना है। शहर को भले ही जलापूर्ति हो रही है, लेकिन इंटकवेल के बिना ये योजना अधूरी है, जिसके चलते जलापूर्ति में बराबर अनेकों तरह की समस्याएं उत्पन्न होते रहती हैं। इंटकवेल के बन जाने से शहरवासियों को निरन्तर साफ पानी मिलने लगेगा। कार्य करा रहे जुड़को और आरके इंजीनियरिंग को नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि युद्धस्तर पर काम लगाएं एवं बरसात से पहले इस कार्य को पूरा करें। नगर आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि इस कार्य को करने में नगर निगम पूरा सहयोग करेगा। नगर आयुक्त ने पाइपलाइन निरीक्षक छोटे लाल गुप्ता को अपनी देख रेख में समन्वय बनाकर कार्य कराने का आदेश दिया। शुभारंभ कार्यक्रम में नगर निगम के जलापूर्ति के नोडल पदाधिकारी नगर प्रबन्धक कुमार अनुराग, पाइपलाइन निरीक्षक छोटे लाल गुप्ता, जुड़को की डीपीएम सुषमा कुमारी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 172 करोड़ 83 लाख की लागत से बनने वाली मेदिनीनगर शहरी जलापूर्ति योजना फेज-दो के तहत अबतक डब्लूटीपी और आइटीआइ मैदान एवं हाउसिंग कॉलोनी में जलमीनार का निर्माण किया जा रहा है।

कुंभ से लौट रही राज्यसभा सांसद महुआ मांझी की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, आर्किड में इलाजरत

वर्ल्ड वाइज न्यूज

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के होटवाग गांव के पास बुधवार की अहले सुबह एनएच 39 पर राज्यसभा सांसद महुआ माझी की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में राज्यसभा सांसद के हाथ में गंभीर चोट आई है। उन्हें लातेहार में प्राथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद लातेहार थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया। हालांकि चिकित्सकों के अनुसार सांसद की स्थिति खतरे से बाहर है। इधर घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में महुआ मांझी, उनके बेटे सोमबीत मांझी, बहू कृति श्रीवास्तव मांझी और चालक भूपेंद्र बासकी जख्मी हो गए। घटना के वक्त सांसद का परिवार महाकुंभ से स्नान कर लौट रहा था, और उनकी कार की टक्कर घटनास्थल पर खड़ी ट्रक से हो गई। बताया जा रहा है कि कार उनका बेटा चला रहा था।इसी दौरान नींद आने के कारण कार एक ट्रक में जाकर टकरा गई। इस दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सांसद महुआ मांझी का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई की और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सभी जख्मियों को लातेहार सदर अस्पताल भेजा। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया और फिर बेहतर इलाज के लिए सभी को रांची के आर्किड अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

वर्ल्ड वाइज न्यूज

संक्षिप्त समाचार

रांची में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पड़ा महंगा, तीन महीने में 214 के डीएल सस्पेंड

रांची, एजेंसी। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करना वाहन चालकों को भारी पड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस की अनुशंसा पर रांची जिला परिवहन कार्यालय ने तीन माह (अक्तूबर 2024 से दिसंबर 2024) तक कुल 214 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किए हैं। इनमें सबसे अधिक बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर कुल 106 लोगों के डीएल सस्पेंड किए गए हैं। अलग-अलग नियमों का उल्लंघन करने पर अक्तूबर, 2024 में कुल 80, नवंबर में 41 और दिसंबर, 2024 में कुल 93 लोगों के डीएल सस्पेंड हुए हैं। अकेले, साल 2024 में कुल 3628 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड हुए हैं।तीन माह में अनसेफ कंडीशन यानी वाहन में किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने पर कुल 26, दो पहिया वाहनों में पीछे बैठे लोगों के हेलमेट नहीं पहनने पर 82 और दो पहिया वाहन चलाते समय खुद वाहन चालकों के हेलमेट नहीं पहनने पर कुल 106 लोगों के डीएल सस्पेंड किये गये हैं।रांची के डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि पहली बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर तीन माह और दूसरी बार पकड़े जाने पर भी तीन माह के लिए डीएल सस्पेंड किया जाता है, जबकि तीसरी बार में ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है।

देवघर में चार्जर केबल से पैर बांधकर और दुपट्टे से गला दबाकर महिला की हत्या

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले के कुंडा थाना क्षेत्र के के तपोवन ढ़ाकोडीह गांव से एक 24 वर्षीया महिला का शव संदिग्ध परिस्थिति में पुलिस ने बरामद किया है। मृतका के मायके वालों ने चार्जर केबल से उसका गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मृतका का नाम यशोदा देवी (पति अजीत कुमार पोद्दार) था। मृतका के शव के पास से पुलिस ने मोबाइल के चार्जर का केबल भी बरामद किया है।देवघर जिले के कुंडा थाने की पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतका के भाई सारठ थाना क्षेत्र के ढोढोडूमर गांव निवासी कन्हैया पोद्दार ने का आरोप है कि उसकी बहन की हत्या पति अजीत पोद्दार और उसकी सास बबीता देवी ने गला दबाकर की है।कन्हैया ने बताया कि बहन के ससुराल के एक पड़ोसी ने फोन पर उन्हें सूचना दी कि उसकी बहन की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही बहन के ससुराल पहुंचा तो देखा कि यशोदा जमीन पर मृत पड़ी थी। उसके गर्दन और पैर में काला दाग के निशान थे। उसकी बहन की हत्या मोबाइल के चार्जर केबल से पैर बांध कर और दुपट्टे से गला दबाकर की गयी है। घटना के बाद से ससुराल वाले फरार बताये जाते हैं। कुंडा थाने की पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। मृतका का मायका सारठ थाना क्षेत्र के ढोढोडूमर गांव में है।

रेलवे में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी का चौथा आरोपी बोकारो से अरेस्ट, ऐसे देते थे झांसा

जमशेदपुर, एजेंसी। रेलवे में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के चौथे साथी को बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने बोकारो से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार धराया व्यक्ति आसनसोल में एक अस्पताल में कर्मचारी है। उसकी पत्नी भी अस्पताल में नर्स है। इस मामले में गिरफ्तार मनीष कुमार उक्त व्यक्ति के जरिये ही आसनसोल स्थित अस्पताल में युवक का फर्जी मेडिकल जांच कराता था और कागजात भी उपलब्ध कराता था। पुलिस इस मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में मुख्य आरोपी बोकारो चास निवासी मनीष कुमार के अलावा बोकारो के कसमार थाना क्षेत्र के राजदीप कुमार और मंतोष कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों ने कई लोगों से रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की है, लेकिन किसी को नौकरी नहीं दिलायी। गिरफ्तार युवकों के पास से पुलिस ने कुछ कागजात बरामद किए हैं। इसके अलावा चारों का मोबाइल भी जब्त कर लिया है। जब्त किये गये मोबाइल से पुलिस को रुपये लेनदेन और कागजात की जानकारी मिली है। जानकारी के अनुसार आदित्यपुर रेलवे कॉलोनी निवासी सह रेलकर्मी राघव मछुवा उर्फ महेश मछुवा ने बिष्टुपुर थाना में गोविंदपुर निवासी मनीष कुमार के खिलाफ गत 29 जून 2024 को रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का केस दर्ज कराया था।

मंईयां सम्मान से विपक्ष के पेट में दर्द क्यों? कांग्रेस सदन में जमकर बरसे

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन द्वितीय पाली में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान बजट सत्र पर चर्चा हुई।कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुए कहा कि अभिभाषण को किसी राजनीतिक चश्मे से ना देखने पर ही असली तस्वीर सामने आती है।इसे झूठ का पुलिंदा कहने वालों से पूछना चाहिए कि अभिभाषण में शामिल बातों को क्या सरकार ने धरातल पर नहीं उतारा है।

उन्होंने अमेरिका के द्वारा भारतीय नागरिकों को डीपोर्ट किए जाने का मामला उठाते हुए कहा कि जो लोग कमाने गए थे उन्हें हथकड़ियां में लौटाया गया। भारत सरकार चुप्पी साधे रही।मंईयां सम्मान योजना और बिजली बिल माफी से पूरा प्रदेश खुश है। जो काम हेमंत सोरेन ने किया, वही भाजपा की सरकारें भी कर रही है।बिजली बिल के एवज में 3620 करोड़ रुपये माफ किए गए हैं तो इसे झूठ का पुलिंदा कैसे कहा जा सकता है। हेमंत सरकार ने जब गरीबों की मदद की तो भाजपा के पेट में दर्द क्यों हो रहा है।

हेमंत सरकार दलितों, आदिवासी की मदद कर रही है और उसका जिक्र अभिभाषण में किया जाता है तो विपक्ष इसे झूठ का पुलिंदा बता रही है।

झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए विपक्ष की ओर से लगातार की जा रही टोकाटोकी के बीच कहा कि साफ-सुथरा और निष्पक्ष चुनाव से बनी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन चला रही है।विदेश में बच्चों को पढ़ाने के लिए राज्य सरकार की ओर से जारी मरांग गोमके छात्रवृत्ति योजना की प्रशंसा की। शिक्षा में सुधार के लिए कई प्रयोग किए जा रहे हैं। नेतरहाट की तर्ज पर दुमका और चाईबासा में विद्यालय खोले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि धनबाद और जमशेदपुर में सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल चलाने का निर्णय लिया गया है। कहा, शासन का प्रभाव ऐसा है कि झारखंड में नाम मात्र के नक्सली रह गए हैं। कई सरेंडर कर चुके हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटन बंद होने के बाद राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना चालू की और हर परिवार को पक्का आवास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आधारभूत संरचनाओं में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। झारखंड में सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। आज देश में झारखंड किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है।

विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि राज्य सरकार ने लाखों किसानों का ऋण माफ किया है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस प्रकार साजिश कर हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया उसका माकूल जवाब जनता ने दिया। विश्रामपुर से राजद के विधायक नरेश सिंह ने भी सरकार की योजनाओं की प्रशंसा की।

रांची से भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा कि राज्यपाल से असत्य बोलवाया गया। संवैधानिक बाध्यता है कि राज्यपाल वही पढ़ेंगे, जो सरकार लिखकर देगी।

उन्होंने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार में वफा ढूंढ़ रहे हो, बड़े नादान हो जहर की शीशी में दवा ढूंढ़ रहे हो। इसके बाद उन्होंने सत्तापक्ष के कई सदस्यों पर भी चुटकी ली।

सीपी सिंह ने स्टीफन को भीष्म पितामह करार देते हुए कहा कि वे अपनों के ही तीरों से घायल होकर पड़े हुए हैं। अर्जुन ने इतना तीर मारा कि उठ ही नहीं सके।इसी प्रकार उन्होंने उमाकांत रजक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अभी-अभी चुनाव से पहले झामुमो में आए हैं। इसके पहले जब हाथी उड़ रहा था तो उड़ानेवालों में ये भी शामिल थे। इरफान पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि आप डाक्टरी पढ़े हुए हैं, भले ही यूक्रेन में पढ़े हों।

झारखंड के माफियाओं का गजब कारनामा, कोयला चोरी करने के लिए निकाल ली नयी तरकीब

लातेहार, एजेंसी। झारखंड के कोयला माफियाओं को अब किसी का डर नहीं है। यही कारण है कि लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में अब वे कोयला की चोरी करने के लिए जमीन खोद कर अवैध माइंस ही बना ले रहे हैं। दरअसल बालूमाथ थाना क्षेत्र के हरैयाखांड़ और आसपास के इलाके में जमीन के नीचे कोयला है। इस कोयले का खनन करने में माफिया जुट गये हैं और वहां अवैध माइंस बना लिया है।

माफिया आराम से कोयला चोरी कर इसकी तस्करी कर रहे हैं। लातेहार के माफियाओं ने यह अवैध माइंस जेसीबी के जरिये मिट्टी को खोदकर और ट्रेंच बनाकर तैयार किया है। यहां से कोयला चोरी कर इसे ट्रैक्टर और हाइवा के जरिये ईंट भट्ठों सहित दूसरे स्थान पर भेजा जाता है। अब तक यहां से लाखों रुपये की कोयला चोरी की जा चुकी है। अमूमन इस इलाके में रात में कोयला चोरी कर इसे आसपास के इलाके में एकत्र किया जाता था। इसके बाद जेसीबी के जरिये बड़े वाहनों में कोयला को लोड कर इसे दूसरी जगहों पर भेजा जाता था।

कोयला चोरी करने वाले जिस तरह संगठित रूप से काम रहे थे, उसके बाद से कई सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि इतने बड़े पैमाने पर कोयले की चोरी हो रही है, लेकिन इसे संरक्षण देने वाले कौन लोग हैं। क्योंकि बिना संरक्षण के रातों रात माइंस बना देना और कोयले की तस्करी करना संभव नहीं हैं।

झारखंड में समय पर वार्षिक रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले कारखानों की खैर नहीं, अब लगेगा दंड

रांची, एजेंसी। झारखंड के कारखानों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में वार्षिक रिटर्न दाखिल नहीं करने पर अब दंड लगेगा। सरकार ने झारखंड फैक्ट्री रूल 1950 में संशोधन करते हुए यह प्रावधान किया है। साथ ही लाइसेंस में बदलाव के लिए पूर्व निर्धारित शुल्क को 500 रुपये से बढ़ा कर 1000 रुपये करने का फैसला किया है। रूल में ये संशोधन अधिसूचना जारी होने की तिथि से प्रभावी होंगे।

साथ ही कारखानों द्वारा 15 जनवरी तक वार्षिक रिटर्न दाखिल करने का प्रावधान है। झारखंड सरकार ने समीक्षा के दौरान पाया कि दंड का प्रावधान नहीं होने की वजह से समय पर रिटर्न दाखिल नहीं किया जाता है। इसलिए सरकार ने सब-रूल में संशोधन करते हुए दंड का प्रावधान किया है। इसके तहत अब 15 जनवरी तक रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले कारखाने लाइसेंस नवीकरण फीस का 50 प्रतिशत दंड देकर 31 मार्च तक रिटर्न दाखिल कर सकेंगे।

30 जून तक रिटर्न दाखिल करने के लिए लाइसेंस नवीकरण फीस का 100 प्रतिशत दंड के रूप में चुकाना होगा। 30 जून तक रिटर्न दाखिल नहीं करने या गलत सूचना देने की स्थिति में लाइसेंस जब्त कर लिया जायेगा। इससे पहले कारखाना प्रबंधन को अपना पक्ष पेश करने का मौका दिया जायेगा। लाइसेंस जब्त करने पर श्रम विभाग के सचिव के यहां अपील की जा सकेगी।

कामडारा में पहाड़गांव के प्राचीन शिव मंदिर में गुप्त गंगा से सालों भर बहता है पानी

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले में कई ऐसे शिवालय हैं, जिनका इतिहास और स्थापना काल किसी को नहीं मालूम। अनंत काल से यहां पूजा-पाठ हो रहा है। कामडारा प्रखंड में पहाड़गांव का प्राचीन शिव मंदिर भी ऐसा ही एक मंदिर है। यहां गुप्त गंगा से साल भर पानी बहता रहता है। कामडारा प्रखंड की सरिता पंचायत में पहाड़ गांव आमटोली है। यहां प्राचीन शिव मंदिर है, जो आस्था का केंद्र है। यह मंदिर जंगल और पहाड़ों के बीच है। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच बने इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि स्वयं भगवान भोलेनाथ यहां बिराजे हैं।

यहां का प्रकृति सौंदर्य श्रद्धालुओं का मन मोह लेता है। श्रद्धालुओं की मानें, तो इस मंदिर का निर्माण स्वयं शंभु ने कराया है। मंदिर को बनाने के लिए सीमेंट, छड़, गिट्टी, बालू या मिट्टी तक का इस्तेमाल नहीं हुआ है। एक पत्थर के ऊपर दूसरा पत्थर रखकर इस मंदिर का निर्माण किया गया है। शिव भक्तों का मानना है कि स्वयं भगवान यहां निवास करते हैं। यही वजह है कि लाखों आंधी, तूफान आ जाए, मंदिर को कोई नुकसान नहीं होता।महाशिवरात्रि के अवसर पर पूजा-अर्चना करने और इस प्राचीन मंदिर में विराजमान भगवान के दर्शन करने के लिए दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु यहां आते हैं। लोगों का कहना है कि इस मंदिर में पूरी आस्था और श्रद्धा से अगर कोई मन्नत मांगता है, तो उसे मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस मंदिर से सटी गुप्त गंगा भी है। गुप्त गंगा से साल भर पानी बहता रहता है। लोग गुप्त गंगा से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मंदिर को पर्यटक स्थल घोषित करने की मांग की है। इस मंदिर परिसर में बजरंग बली मंदिर, माता पार्वती मंदिर, गणेश मंदिर के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं। कुछ मंदिर हाल-फिलहाल में बनाये गये हैं। सभी मंदिरों में सालों भर पूजा करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है।

यह मंदिर प्रखंड मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर पहाड़ गांव में है। प्राचीन शिव मंदिर तक पहुंच पथ के साथ ट्रेन की सुविधा भी है। रेलवे स्टेशन पकरा से उतरकर मंदिर तक की दूरी लगभग एक किलोमीटर है। सड़क मार्ग से आयेंगे, तो बाकूटोली से बक्सपुर मोड़ होकर पकरा मंदिर टोली पहुंच सकते हैं।

धनबाद में बाइक सवार अपराधियों ने की अंधाधुंध फायरिंग, गोली लगने से दो मजदूर घायल

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के महुदा थाना क्षेत्र में महुदा कोल वाशरी से सटे मुरलीडीह रेलवे फाटक के समीप श्री तिरुपति बालाजी इंटरप्राइजेज द्वारा एलएचएस अंडरपास बनाया जा रहा है। मंगलवार की रात मजदूरों पर बाइक पर आए दो अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें दो मजदूरों को गोली लगी है। दोनों मजदूर घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल मजदूर बिहार के बेगूसराय के रहने वाले हैं। इनके नाम लाला साहनी और झूलो चौधरी है। फायरिंग से इलाके में दहशत है। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

मजदूर लाला साहनी को एक गोली जांघ में लगी है जबकि एक पेट में लगी है। झूलो चौधरी की जांघ में एक गोली लगी है। दोनों मजदूरों को समुचित इलाज के लिए धनबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धनबाद की महुदा पुलिस ने घटनास्थल से एक मैगजीन और आठ खोखे बरामद किए हैं।

बिहार के छह लोग अंडरपास के निर्माण कार्य में लगे हैं। काम कर वे यहां रात का भोजन बनाकर खाना खाने बैठे थे। तभी रात लगभग 9 बजे बाइक पर सवार दो अपराधी वहां पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ गोली चलाने लगे। इसमें दो मजदूरों को गोली लगी। सभी चिल्लाते हुए जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। दोनों घायल भी उसी हालत में वहां से भागते हुए महुदा कोल वाशरी की ओर चले गए। इसके बाद घटना की जानकारी महुदा पुलिस को दी गयी। सूचना पाकर महुदा इंस्पेक्टर ममता कुमारी और महुदा थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भेजकर छानबीन शुरू कर दी।

धनबाद के ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी भी सूचना मिलते घटनास्थल पहुंचे और मजदूरों से पूछताछ की। इस संबंध में ग्रामीण एसपी ने कहा कि यहां अज्ञात बाइक सवार दो अपराधियों द्वारा मजदूरों पर फायरिंग की गयी है। ये जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

टाटानगर और रांची से गुजरनेवाली कई ट्रेनें रद्द, एक का बदल गया है रूट

जमशेदपुर, एजेंसी। नयी दिल्ली से पुरी के बीच चलने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (12802) 26 फरवरी को रद्द रहेगी। पुरी से दिल्ली जानेवाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (12801) को भी बुधवार को रद्द कर दिया गया है। टाटा-जम्मूतवी एक्सप्रेस (18101) को 26, 28 फरवरी और दो मार्च को रद्द कर दिया गया है। आनंद विहार-हटिया एक्सप्रेस (12874) को 26 फरवरी को रद्द किया गया है। हल्दिया-आनंद विहार एक्सप्रेस (12443) को 27 फरवरी को रद्द किया गया है।

हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस (12873) को 27 फरवरी को रद्द किया गया है। आनंद विहार-पुरी एक्सप्रेस (12816) 26-27 फरवरी को रद्द रहेगी। आनंद विहार-रांची एक्सप्रेस (12826) 26 को रद्द रहेगी। रांची-आनंद विहार एक्सप्रेस (12825) 27 फरवरी को रद्द रहेगी। भुवनेश्वर-आनंद विहार एक्सप्रेस 26 फरवरी को रद्द रहेगी। नयी दिल्ली-भुवनेश्वर एक्सप्रेस (12282) 27 फरवरी को रद्द रहेगी। हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस (12817) 28 फरवरी को रद्द रहेगी।

रेलवे ने रांची-लोक मान्य टर्मिनल एक्सप्रेस (18609) को 26 फरवरी को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन बुधवार को वाराणसी-लखनऊ, कानपुर, झांसी से बीना होकर मुख्य मार्ग से चलेगी।

सीआईएससीई बोर्ड ने परीक्षा को लेकर किए बदलाव, 2027 से 12वीं में अंग्रेजी समेत पांच विषयों में पास करना होगा अनिवार्य

रांची, एजेंसी। क्रांति दीप-काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) बोर्ड की ओर से 2027 में आयोजित होनेवाली 10वीं और 12वीं की परीक्षा को लेकर कई बदलाव किये गये हैं। जिसके तहत 2027 में होने वाली 12वीं की परीक्षा के पास क्राइटेरिया में भी बदलाव किया गया है। जिसमें अब छात्रों को 12वीं पास करने के लिए पांच या छह विषयों में उत्तीर्णता मानक प्राप्त करना होगा। यानी इंग्लिश या मॉडर्न इंग्लिश के साथ चार विषयों में पास होना अनिवार्य होगा। इससे पहले 12वीं में पास करने के लिए इंग्लिश के साथ तीन विषयों में पास होना अनिवार्य था। यह जानकारी बिशप वेस्टकॉट ब्वॉयज स्कूल नामकूम के प्रिंसिपल जोएल एडविन ने दी।

प्रिंसिपल जोएल एडविन ने बताया कि विभिन्न यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में नामांकन के लिए 12वीं में कम से कम पांच विषय मांगे जाते हैं। ऐसे में छात्रों को नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। छात्रों को लाभ मिलेगा। संत जेवियर्स स्कूल डोरंडा के 12वीं क्लास के को-ऑर्डिनेटर संतोष कुमार ने बताया कि अन्य बोर्ड में 12वीं में पांच विषयों पर मूल्यांकन होता है। जबकि सीआइएससीइ में बोर्ड इंग्लिश के साथ तीन विषय यानी कुल चार विषयों पर ही मूल्यांकन हो रहा था। इस बदलाव से सीआइएससीइ 12वीं के छात्रों का मुल्यांकन भी अन्य बोर्ड के बराबर हो जायेगा।

बोर्ड की ओर से जारी रेगुलेशन के अनुसार 2027 में 12वीं की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र पांच विषयों का कॉम्बिनेशन नहीं ले सकेंगे। इसमें इंग्लिश के साथ मॉडर्न इंग्लिश, फिजिक्स के साथ इंजिनियरिंग साइंस, जियोमेट्रिकल मैकेनिकल ड्राइंग के साथ जियोमेट्रिकल एंड बिल्डिंग ड्राइंग, मैथमेटिक्स एंड अप्लायड मैथेमेटिक्स और रोबोटिक्स के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल है।

2027 में होनेवाली 10वीं और 12वीं परीक्षा के लिए नये विषय जोड़े गये हैं। इसमें 12वीं क्लास के लिए पांच नये विषयों को जोड़ा गया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रॉबोटिक्स, अप्लाइड मैथमेटिक्स, मॉडर्न इंग्लिश और भूटिया लैंग्वेज शामिल हैं। वहीं 10वीं में भी एक विषय भूटिया लैंग्वेज जोड़ा गया है। सीआइएससीइ बोर्ड की ओर से 2027 में होनेवाली 10वीं व 12वीं परीक्षा के लिए सिलेबस व रेगुलेशन जारी किये गये हैं। जिसमें कई विषयों के लिए संशोधित सिलेबस जारी किये गये हैं। 12वीं क्लास में 12 विषयों के सिलेबस में संशोधन किया गया है। वहीं 10वीं के लिए भी 10 विषयों के लिए संशोधित सिलेबस जारी किये गये हैं।

2027 में होनेवाले 10वीं व 12वीं के रिजल्ट डॉक्यूमेंट में भी बदलाव किये गये हैं। जिसमें दो रिजल्ट डॉक्यूमेंट के जगह एक डॉक्यूमेंट दिया जायेगा। पहले दो रिजल्ट डॉक्यूमेंट स्टेटमेंट ऑफ मार्क्स और पास सर्टिफिकेट दिये जाते थे। अब परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को पास सर्टीफिकेट कम स्टेटमेंट ऑफ मार्क्स नाम से एक डॉक्यूमेंट दिये जायेगे। इसके साथ ही डॉक्यूमेंट में पास सर्टिफिकेट अवार्डेड (पीसीए) और पास सर्टिफिकेट नोट अर्वाडेड की जगह पर क्वालीफाइड और नॉट क्वालिफाइड अंकित किया जायेगा।

गिरिडीह में घोर लापरवाही, कोषागार या बैंक की जगह आजीविका केंद्र को बना दिया वज्रगृह

गिरिडीह, एजेंसी। मैट्रिक प्रश्न पत्र लीक मामले में गिरिडीह जिला प्रशासन की लापरवाही उजागर हुई है। यहां शहर के कुरैशी मोहल्ले के पास जिला जनसंपर्क कार्यालय के पीछे स्थित शहरी आजीविका केंद्र में बनाये गये स्ट्रांग रूम में प्रश्नपत्र रखे गये। इतना ही नहीं, ट्रक के वहां तक नहीं पहुंचने पर टोटो से वहां बंडल लाया गया। जैक अध्यक्ष के निर्देश के बाद भी घोर लापरवाही बरती गयी।

जैक अध्यक्ष ने सभी जिलों के डीसी को निर्देश दिया था कि वज्रगृह कोषागार, उपकोषागार या बैंक में बनाया जाए। इतना ही नहीं वज्रगृह में प्रश्नपत्र को सील करने और खोलने के दौरान मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वीडियोग्राफी भी करनी थी। रिजर्व में जिस प्रश्नपत्र को पैकेट में रखा गया था, उसके सील का मिलान भी किया जाना था, बावजूद इन निर्देशों के पूरे मामले की अनदेखी की गयी।

वज्रगृह ऐसे स्थान पर बनाया गया, जहां आम लोगों का आना-जाना लगा हुआ था। परिसर का मुख्य गेट भी टूटा हुआ है। वज्रगृह में सीसीटीवी कैमरे तक नहीं लगाये गये हैं। सुरक्षा के नाम पर सिर्फ पांच सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गयी है, लेकिन परिसर में आने-जाने के लिए आमलोगों को पूरी छूट थी। प्रश्नपत्र को ट्रक से अनलोड कर स्ट्रांग रूम तक ढुलाई करने के दौरान भी निगरानी में बड़ी चूक हुई। प्रश्न पत्रों की ढुलाई के दौरान भी न ही कोई वीडियोग्राफी करायी गयी और न ही किसी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति थी।

त्याग,बलिदान,बहादुरी और बुद्धि कौशल की अद्भुत मिसाल- चंद्रशेखर आजाद

(डॉ. मनमोहन सिंह - विभूति फीचर्स)

आदर्श चरित्र, त्याग, बलिदान, चतुराई, अपूर्व बुद्धि कौशल और बहादुरी की अनुपम मिसाल अमर शहीद चंद्र शेखर आजाद का मानना था कि ब्रिटिश हाकिमों के दमन और आतंकवाद का उत्तर पिस्तौल, बंदूक, तोप के गोलों और बमों के धमाकों से ही दिया जा सकता हैं। उनका मानना था कि देश में समाजवाद लाने और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण को रोकने के लिये एक बड़ी क्रांति की आवश्यकता हैं और इस बलिवेदी पर कुछ लोगों का कुर्बान होना जरूरी भी हैं। शहीद चंद्रशेखर आजाद ने अपने सैकड़ों क्रांतिकारियों के साथ इस क्रांति की बलिवेदी पर अपनी जान तो कुर्बान कर दी पर आज भी मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण जारी हैं। तब एक बार फिर आवश्यकता हैं चंद्रशेखर आजाद जैसे नवयुवकों की जो अपने आपको देश के लिए समर्पित कर सकें। गरीब जनता की आर्थिक व राजनीतिक आजादी के लिए चन्द्रशेखर आजाद के दिल में जो प्यार व कसक थी वह उन्हें अपने गांव, घर व सामाजिक वातावरण से प्राप्त हुई थी। उनके पिता पंडित सीताराम केसरी, उत्तरप्रदेश के रहने वाले थे, वे अपने रोजगार के लिए अपने गांव को छोड़कर मध्य भारत की झाबुआ रियासत के भाभरा गांव में रहने लगे थे। वे बहुत की कम तनख्वाह पर कार्य करते थे। यही पर ही क्रांतिकारी चन्द्रशेखर का 23 जुलाई 1906 को जन्म हुआ था।

घर में गरीबी के कारण चंद्रशेखर आजाद लगातार विद्या प्राप्त नहीं कर सके। उनके पिता जी का स्वभाव बहुत सख्त था। अपने पिता के स्वभाव के कारण वे बंबई चले गए थे। वहां पर उन्होंने कुछ समय तक एक कंपनी में नौकरी भी की। उसके बाद वे बम्बई से काशी पहुंचे जहां वे संस्कृत की शिक्षा लेने लगे। जब महात्मा गांधी ने देश की आजादी के लिए असहयोग आन्दोलन चलाया तो चन्द्रशेखर आजाद बनारस के युवकों को साथ लेकर इस राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल हो गए। उन्हें कैद करके मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। जब मजिस्ट्रेट ने उनका नाम, पिता का नाम व घर कहां हैं, के विषय में पूछा तो चन्द्रशेखर ने बहुत की निर्भीकता से उत्तर दिया, मेरा नाम आजाद, मेरे पिता का नाम स्वतंत्रता तथा घर जेल हैं। इस पर मजिस्ट्रेट ने उन्हें गुस्से में आकर चौदह कोड़े लगाने की सजा सुना दी। उन्होंने प्रत्येक कोड़े का जवाब भारत मां के जयकारे के साथ दिया। इन कोड़ों की सजा ने आजाद को अंग्रेजों का पक्का दुश्मन बना दिया। वे देश की क्रांतिकारी गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेने लगे। जब गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया तो आजाद नाराज हो गये। उसके बाद वे श्री सचिन्द्र सान्याल द्वारा गठित क्रांतिकारी दल हिन्दुस्तान रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गए। जिस समय सान्याल को कैद कर लिया गया तो उन्होंने इस दल का नेतृत्व किया तथा अपनी पार्टी के कार्य को जिम्मेदारी के साथ निभाया। उन्होंने रूस तथा फ्रांस के क्रांतिकारियों की गतिविधियां, विचार, भारतीय दर्शन तथा मार्क्सवाद आदि का गंभीरता से अध्ययन किया। इस अध्ययन से चन्द्रशेखर आजाद के विचारों में एक नया मोड़ आया। वे देश की स्वतंत्रता, जनता की आर्थिक व सामाजिक मुक्ति का समाजवादी ढांचा बनाने के चिंतन में हमेशा व्यस्त रहे। थोड़े से समय में ही उन्होंने क्रांतिकारी दल की शाखाएं बना दी। इस प्रकार उन्होंने यह भी साबित कर दिया कि वे एक क्रांतिकारी के साथ-साथ एक अच्छे संगठनकर्ता भी हैं। उन्होंने ही सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव व बटुकेश्वर दत्त आदि क्रांतिकारियों को देश के लिए जीवन बलिदान करने के लिए उत्साहित किया था। जिस समय लाहौर में साइमन कमीशन का विरोध करने पर शेरे पंजाब लाला लाजपत राय पुलिस की लाठियां लगने से शहीद हो गए तो इन क्रांतिकारियों का खून उबाल खा गया। उन्होंने पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट सांडर्स को जान से मार देने की योजना बनाई। जिस समय भगत सिंह व राजगुरु ने सांडर्स को गोली मारी तो आजाद भी उस समय मौके पर ही थे। गोली चली और सांडर्स अपनी मोटरसाइकिल से नीचे आ गिरा, परंतु एक अंगरक्षक जो एक भारतीय था ने उनका पीछा किया। आजाद ने उसे रोका क्योंकि वे किसी भी भारतीय का खून बहाना नहीं चाहते थे, परंतु वह नहीं रूका ।मजबूर होकर आजाद ने उसके ऊपर भी गोली चला दी और फिर भाग गए। सांडर्स की हत्या, केन्द्रीय एसेम्बली में बम फैंकना आदि क्रांतिकारी कार्यों में उन्होंने अपनी बहादुरी, तीव्र बुद्धि तथा असीम धैर्य का सबूत पेश किया था। भगत सिंह व बटुकेश्वर दत्त ने एसेम्बली हाल में बम फैंककर इन्कलाब जिन्दाबाद के नारे लगाते हुए जो पर्चे फेंके थे उन पर कमाण्डर-इन-चीफ बलराम के हस्ताक्षर थे। ये बलराम कोई दूसरा नहीं, बल्कि क्रांतिकारियों के शिरोमणि चन्द्रशेखर आजाद ही थे।आजाद, क्रांतिकारी गतिविधियों के बाद पुलिस की आंखों में धूल झोंककर भागने में सफल होते रहे। वे बहुत ही निडर व बहुत ही अच्छे निशाने बाज थे। वे सदैव कहते रहते थे कि हम दुश्मन की गोलियों का सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं तथा आजाद ही रहेंगे। चन्द्रशेखर को 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अलफ्रेड पार्क में पुलिस इंसपेक्टर नाट बाबर तथा पुलिस सुप्रिटेन्डेन्ट ठाकुर विश्वेश्वर सिंह ने अपने पुलिस दल के साथ घेर लिया। आजाद ने अकेले ही नाट बाबर व विश्वेश्वर सिंह को अपनी पिस्तौल का निशाना बनाया। आजाद ने जिस समय देखा कि वे चारों तरफ से घिर चुके हैं तो उन्होंने मुकाबला करते हुए अपनी आखिरी गोली अपने ऊपर चला ली और वीर गति को प्राप्त हो गए। उनके इस बलिदान से राष्ट्र में एक अद्भुत जागृति पैदा हुई। चन्द्रशेखर आजाद हमेशा कहा करते थे कि गरीबों को इज्जत से रोटी मिले तो मेरी जान सस्ती है। भारत माता के इस महान सपूत ने केवल 25 वर्ष की छोटी उम्र में स्वतंत्रता के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी। उनका बलिदान उनके कार्य, देश वासियों को हमेशा देश की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए अपना सब कुछ त्यागने की शिक्षा देते रहेंगे। (विभूति फीचर्स)

दिल्ली सरकार :आकांक्षाओं,अपेक्षाओं पर खरे उतरने की चुनौती

(जोगिंदर पाल जिंदर- नायक फीचर्स)

दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता की प्रेस कांफ्रेंस से स्कूली दिनों की याद ताजा हो गई । जैसे ही हम पुरानी क्लास से नयी क्लास में जाते तो नयी क्लास के टीचर कहते पिछली क्लास में क्या पढ़ कर आए हो ? और अगले साल फिर यही क्रम दोहराया जाता । नयी क्लास में फिर टीचर पूछते पिछली क्लास में क्या पढ़ कर आए हो ? यही हाल सरकारों का है जब भी कोई नयी सरकार बनती है आते ही पिछली सरकार पर पहला सीधा हमला, " पिछली सरकार खजाना खाली कर के गयी है ।" पिछली क्लास में क्या पढ़ कर आए हो की तरह यह वाक्य बार-बार दोहराया जाता है चाहे सरकार जिस की भी बने । ढेर सारे वादे और योजनाएं पुरानी आप सरकार की हैं । बहुत से वादे भाजपा भी कर के आई है कि पिछली सभी योजनाओं के साथ-साथ उसके दावों का अतिरिक्त लाभ दिल्ली की जनता को मिलेगा । इतना ही नहीं इस बार स्वयं मोदी की भी गारंटी है । अब अगली बात यह कि दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी मुख्यमंत्री के कार्यालय में लगी बाबा साहब अंबेडकर और भगत सिंह की फोटो हटाने का आरोप लगाया । जिस पर स्पष्टीकरण यह आया कि हटाई नहीं बल्कि स्थान बदला गया है । चलो इसी बहाने से जनता को पता तो चला कि बाबा साहब भीम राव अंबेडकर और भगत सिंह का इनके दिलों में कितना और कहां स्थान है ? या फिर बाबा साहब और भगत सिंह के नाम का उपयोग मात्र उनके अनुयायियों को भ्रमित करने के लिए प्रयोग किया जाता है ? इस मामले में आम आदमी पार्टी भी कोई दूध की धुली हुई नहीं है । इनका भी बाबा साहब, भगत सिंह और दलित प्रेम दिखावा मात्र ही था । क्योंकि यह वही पार्टी है जिसने बाबा साहब की 22 प्रतिज्ञाएं लेने पर अपने ही मंत्री राजेंद्र पाल गौतम से इस्तीफा ले लिया था । केजरीवाल करेंसी नोटों पर किसी विशेष देवी-देवता का चित्र प्रकाशित करने के हिमायती थे । खुद को हनुमान भक्त साबित करते थे । बुजुर्गों को तीर्थ यात्राएं करवाते थे । इतने अधिक धार्मिक लोग बाबा साहब और भगत सिंह के अनुयाई कैसे हो सकते हैं ? खैर नयी सरकार को आते ही नया कुछ करना ही पड़ता है चाहे फोटो लगाई जाएं या हटाई जाएं । अपनी-अपनी सुविधा, आस्था और विश्वास का मामला है । जनता को इससे क्या सरोकार ! दिल्ली चुनाव प्रचार की एक बात अच्छी लगी कि इसमें बंटोगे तो कटोगे का नारा नहीं दिया गया । समझदार दिल्ली की जनता ने भाजपा के सर पर ताज रखा है । बस नयी सरकार जनता की आशाओं, अपेक्षाओं पर खरी उतरे, यही कामना की जानी चाहिए ।(विनायक फीचर्स)

साहित्य,संस्कृति और साइंस को जोड़ने का अनूठा प्रयास

उज्जैन(विभूति फीचर्स)।

महाशिवरात्रि पर्व से यहां विक्रमोत्सव-2025 का आरंभ हो चुका है। जो सृष्टिकर्ता महादेव के महोत्सव से सृष्टि के आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा 30 मार्च तक चलेगा। विक्रमोत्सव-2025 की विशेषता यह होगी कि इसमें पंचांग निर्माण से लेकर नाटक मंचन और ड्रोन शो जैसे अलग अलग विषयों पर प्रस्तुतियां होंगी। विक्रमोत्सव-2025 सम्राट विक्रमादित्य के युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर केंद्रित रहेगा। इसके अंतर्गत साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही ज्योतिर्विज्ञान, विचार संगोष्ठियाँ, इतिहास और विज्ञान समागम, विक्रम व्यापार मेला, लोक एवं जनजातीय संस्कृति पर आधारित गतिविधियाँ संचालित होंगी। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के ऐप के प्रवर्तन, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, वस्त्रोद्योग, हथकरघा उपकरणों की प्रदर्शनी के साथ क्षेत्रीय, पौराणिक फिल्मों के महोत्सव और श्रीकृष्ण पर केन्द्रित विशेष फिल्मों का प्रदर्शन और प्रस्तुतियाँ भी विक्रमोत्सव का हिस्सा रहेंगे। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के साथ ही शोधपरक पुस्तकों, ग्रन्थों का लोकार्पण और विक्रम पंचांग का प्रकाशन भी होगा। सांस्कृतिक,सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को समाहित किए यह विक्रमोत्सव अपने आप में अनूठा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस अनोखे और अद्भुत आयोजन में साहित्य,संस्कृति और साइंस को एक साथ लाने का अनूठा प्रयास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की परिकल्पना है कि विक्रमोत्सव का आयोजन, सम्राट विक्रमादित्य के बहुआयामी व्यक्तित्व की गरिमा के अनुरूप हो। मुख्यमंत्री ने विक्रमोत्सव में उज्जैन के साथ अन्य स्थानों पर भी सम्राट विक्रमादित्य, भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा, देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनियां लगाने के निर्देश दे दिए हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित गीत, कविता और रचनाओं को सम्मानित किया जाएगा। विक्रमोत्सव में होने वाले राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में ड्रोन और रोबोटिक शो जैसे आयोजन भी किए जाएंगे। इस अवसर पर होने वाले विज्ञान सम्मेलन में इसरो सहित अन्य महत्वपूर्ण विज्ञान और शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इसी के साथ प्रसिद्ध नाटक जाणता राजा के समान ही विकसित महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य की प्रस्तुतियां भी प्रदेश के विभिन्न शहरों के साथ साथ देश के प्रमुख नगरों में भी की जाएंगी।(विभूति फीचर्स)

मित्रता की नई शुरुआत

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वैश्विक स्तर पर नई शक्ति समीकरण बन रहे हैं। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के राजनीतिकों के बीच हुई वार्ता दो पूर्व शत्रु देश के दरम्यान मित्रता की नई शुरु आत के संकेत हैं। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पहली बार अमेरिका और रूस वार्ता की मेज पर आमने-सामने आए हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियों ने अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वार्ता मुख्यतः दो बिंदुओं पर केंद्रित थी। एक, रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति की दिशा में आगे कैसे बढ़ा जाए और दूसरे, अमेरिका और उसके बीच आर्थिक सहयोग के रास्ते तलाश जाएं। वार्ता में किसी तरह का प्रतिरोध पैदा नहीं हुआ और दोनों मुद्धों पर परस्पर सहमति के साथ आगे बढऩे का संकेत भी मिला। आने वाले दिनों में अमेरिका और रूस के शीर्ष नेतृत्व के बीच मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप का रूस के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है। ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन का रणनीतिक लक्ष्य था कि रूस को सैनिक दृष्टि से कमजोर किया जाए। यह याद रखना चाहिए कि बाइडेन ने पुतिन को हत्यारा तानाशाह कहा था और उसके खिलाफ यूक्रेन को भारी सैन्य और वित्तीय मदद पहुंचाई थी। अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप प्रशासन युद्ध के लिए यूक्रेन को दोषी ठहरा रहा है और उसे सुरक्षा गारंटी देने से भी इनकार कर दिया है। हैरत की बात यह है कि यूक्रेन को वार्ता की मेज पर बैठने की भी जगह नहीं दी गई है। वास्तव में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। हालांकि वह पर्दे के पीछे अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के दबाव में यदि युद्ध विराम होता है तो यूक्रेन का करीब एक तिहाई हिस्सा रूस के अधिकार में होगा। यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। दरअसल, ट्रंप रूस के साथ अस्थाई रिश्ता बनाना चाहते हैं। सोवियत संघ के विघटन के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप रूस को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखते। लेकिन अमेरिकी राजनीतिक हेनरी किसिंजर का यह चर्चित कथन था कि अमेरिका के साथ दुश्मनी करना खतरनाक है, लेकिन दोस्ती करना जानलेवा है।

बढ़ते तापमान की चुनौती, बदलता वायुमंडलीय पैटर्न

प्रियंका सौरभ

पृथ्वी की जलवायु को नियंत्रित करने वाला महत्त्वपूर्ण कारक ध्रुवीय क्षेत्रों में तैरती समुद्री बर्फ की मात्रा है। हालांकि, बदलते वायुमंडलीय पैटर्न और बढ़ते तापमान के कारण, यह घटकर 15-76 मिलियन वर्ग किमी के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर आ गया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है, समुद्री धाराएँ अशांत हो रही हैं तथा इस गिरावट के कारण चरम मौसम की घटनाएँ और भी बदतर हो गई हैं। दुनिया भर में चरम मौसम की घटनाएँ पृथ्वी की जलवायु में परिवर्तन से प्रभावित हो रही हैं। भीषण वन्य आग, वर्षों तक चलने वाला सूखा, भारी वर्षा, भयंकर बाढ़, भूमि और समुद्र में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की लहरें तथा तूफानों के दौरान व्यापक बाढ़ की आवृत्ति और तीव्रता सभी बढ़ रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद से मानवीय गतिविधियों विशेष रूप से जीवाश्म ईंधनों के जलने के कारण ग्रीनहाउस गैसों की वायुमंडलीय सांद्रता में तीव्र वृद्धि हुई है। मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसें गर्मी को रोक लेती हैं और जैसे-जैसे उनकी सांद्रता बढ़ती है, पृथ्वी को गर्म करती हैं। परिणामस्वरूप पृथ्वी पर हवा और महासागर गर्म हो जाते हैं। भूमि पर बर्फ पिघलती है, मौसम का पैटर्न बदलता है तथा जलचक्र इस तापमान वृद्धि से प्रभावित होता है, जिससे चरम मौसम की स्थिति और खराब हो जाती है। जलवायु परिवर्तन हमारे समाज को अनेक तरीकों से प्रभावित करता है। सूखे से मानव स्वास्थ्य और खाद्य उत्पादन पर असर पड़ सकता है। बाढ़ से बुनियादी ढांचे और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँच सकता है और बीमारी फैल सकती है। खाद्य उपलब्धता में परिवर्तन और श्रमिक उत्पादकता को सीमित करने के अलावा सूखा, बाढ़ और अन्य मौसम सम्बंधी घटनाओं के कारण उत्पन्न मानव स्वास्थ्य समस्याएँ भी मृत्यु दर को बढ़ाती हैं। हमारी परिवहन और संचार प्रणालियों के भौतिक बुनियादी ढांचे में सड़कें, पुल, बंदरगाह, विद्युत ग्रिड, ब्रॉडबैंड इंटरनेट और अन्य घटक शामिल हैं, इन्हें अक्सर कई वर्षों तक चलने के लिए डिजाइन किया जाता है। खास बात यह है कि बुनियादी ढांचे का निर्माण जलवायु परिवर्तन पर विचार किए बिना किया गया था। वर्तमान बुनियादी ढांचा हवा, बर्फ, बाढ़, भारी बारिश या तापमान में उतार-चढ़ाव जैसी मौसम की गंभीर स्थितियों को संभालने में सक्षम नहीं हो सकता। इन घटनाओं के प्रभाव कई अलग-अलग रूप ले सकते हैं। उदाहरण के लिए, उच्च तापमान के कारण घर के अन्दर अधिक ठंडक की आवश्यकता होती है, जिससे ऊर्जा ग्रिड पर दबाव पड़ सकता है। अप्रत्याशित रूप से अत्यधिक वर्षा के कारण आने वाली बाढ़, जो तूफानी जल निकासी क्षमता से अधिक होती है, प्रमुख मार्गों, व्यवसायों और राजमार्गों को बंद कर सकती है। समुद्र स्तर में वृद्धि के कारण तटीय अवसंरचना, जैसे जल आपूर्ति, सड़कें, पुल और बहुत कुछ, खतरे में हैं। चूंकि बहुत-सी आबादी तटीय क्षेत्रों में रहती है, अतः इससे होने वाले जोखिम से लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इसके अलावा, समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय कटाव और उच्च ज्वार के कारण बाढ़ आ सकती है। शोध से पता चलता है कि कुछ समुदाय वर्ष 2100 तक समुद्र तल पर या उससे नीचे पहुँच जाएंगे। अब यह उन पर निर्भर करेगा कि वे क्या करें। प्रबंधित वापसी नामक प्रक्रिया के दौरान, समुदाय संभवतः तटरेखा से दूर चले जाएंगे और अपने बुनियादी ढांचे में बदलाव करेंगे। समुद्री बर्फ में वैश्विक गिरावट के लिए मुख्य रूप से महासागरीय ऊष्मा परिवहन जिम्मेदार है। जब गर्म महासागरीय धाराएँ ध्रुवीय क्षेत्रों में प्रवेश करती हैं तो समुद्री बर्फ आधार पर तेजी से पिघलती है। अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) द्वारा गर्म पानी आर्कटिक में लाया जाता है, जो बर्फ की स्थिरता को कम करता है। ये जलवायु पैटर्न समुद्री और वायुमंडलीय स्थितियों के

साथ-साथ बर्फ के निर्माण और पिघलने की दर को भी प्रभावित करते हैं। 2015-2016 की अल नीनो घटना ने समुद्र के तापमान में वृद्धि करके अंटार्कटिका के समुद्री बर्फ को रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुँचा दिया। बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों से एरोसोल निकलते हैं, जिनमें अस्थायी रूप से वायुमंडल को ठंडा करने की क्षमता होती है, लेकिन वे दीर्घकालिक रूप से महासागरों के गर्म होने में भी योगदान देने वाले कारक हो सकते हैं। 2022 के हंगा टोंगा विस्फोट से जल वाष्प समताप मंडल में छोड़ा गया, जिससे समय के साथ वार्मिंग प्रभाव में संभावित रूप से वृद्धि हुई। अधिक शक्तिशाली तूफानों के कारण नाजुक समुद्री बर्फ टूट जाती है, जिससे पिघलने और समुद्री धाराओं के कारण उसके प्रभावित होने की संभावना बढ़ जाती है। 2024 में बेरेंट्स और बेरिंग सागर में तूफानों के कारण बर्फ टूट जाएगी, जिसके परिणामस्वरूप आर्कटिक सागर में बर्फ का आवरण रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुँच जाएगा। मीथेन और कार्बन डाईऑक्साइड वायुमंडल में ऊष्मा को रोकते हैं, जिससे वैश्विक तापमान बढ़ता है और ध्रुवीय बर्फ पिघलने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। औद्योगिक क्रांति के कारण कार्बन डाईऑक्साइड के स्तर में नाटकीय वृद्धि के कारण आर्कटिक समुद्री बर्फ 1981 से प्रति दशक 12-2% की दर से घट रही है। महासागर का अम्लीकरण और वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि कोयला, तेल और गैस के जलने से निकलने वाले प्रदूषकों के कारण होती है। आर्कटिक प्रवर्धन वह प्रक्रिया है जिसके तहत औद्योगिक गतिविधियों से उत्पन्न ऊष्मा-अवशोषित उत्सर्जन के कारण आर्कटिक वैश्विक औसत से चार गुना अधिक तेजी से गर्म हो जाता है। जब वन नष्ट होते हैं तो कम कार्बन अवशोषित होता है और जब शहर बढ़ते हैं तो अधिक गर्मी बरकरार रहती है, जो वायुमंडलीय परिसंचरण को प्रभावित करती है। समुद्री बर्फ का क्षरण और वैश्विक तापमान वृद्धि अप्रत्यक्ष रूप से अमेज़न में वनों की कटाई के कारण होती है, जिससे कार्बन अवशोषण में कमी आती है। आर्कटिक क्षेत्र में ड्रिलिंग और बढ़ती समुद्री गतिविधियाँ समुद्री बर्फ के पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करती हैं और प्रदूषण तथा गर्मी पैदा करती हैं, जो स्थानीय तापमान में वृद्धि में योगदान करती हैं। इस क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की खोज के बाद आर्कटिक क्षेत्र में हुई तीव्र गति से इस तंत्र को और अधिक बल मिलने के परिणामस्वरूप ध्रुवीय बर्फ को अधिक क्षति पहुँची है। पृथ्वी पर समुद्री बर्फ कम होने पर महासागर अधिक गर्मी अवशोषित करते हैं, जिससे एल्बिडो या परावर्तकता कम हो जाती है, तथा तापमान और भी अधिक बढ़ जाता है। आर्कटिक के घटते एल्बिडो प्रभाव के कारण जलवायु परिवर्तन में तेजी आई है, जिसके कारण ध्रुवीय क्षेत्र शेष विश्व की तुलना में दोगुनी तेजी से गर्म हो रहे हैं। बर्फ पिघलने से निकलने वाला ताज़ा पानी लवणता को कम करता है और गहरे समुद्र में परिसंचरण को धीमा कर देता है, जिसका जलवायु विनियमन पर प्रभाव पड़ता है। कमजोर हो रहे अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) से हिंद महासागर क्षेत्र, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में मौसम के पैटर्न में बदलाव आने की संभावना है। अप्रत्यक्ष रूप से, समुद्री बर्फ पिघलने से भूमि आधारित बर्फ की चादरों के पिघलने की गति बढ़ जाती है, जिससे दुनिया भर में समुद्र का स्तर बढ़ जाता है। जब सारी बर्फ पिघल जाएगी, तो ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर समुद्र के स्तर को लगभग 23 फीट तक बढ़ा देगी। तापमान में परिवर्तन के कारण तूफान, सूखा और गर्म लहरें बढ़ रही हैं, जिससे वायुमंडलीय परिसंचरण प्रभावित हो रहा है। जेट स्ट्रीम आर्कटिक बर्फ के पिघलने से प्रभावित होती है, जिसके कारण उत्तरी अमेरिका और यूरोप में लंबे समय तक गर्म लहरें चलती हैं। समुद्री बर्फ के पिघलने से खाद्य श्रृंखलाएँ गड़बड़ा जाती हैं, जिससे मत्स्य पालन और समुद्री जीवन खतरे में पड़ जाता है, जो ठंडे पानी के आवासों पर निर्भर रहते हैं। संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो रहा है, क्योंकि अंटार्कटिका में क्रिल की आबादी घट रही है तथा ध्रुवीय भालू और सील अपने शिकार के मैदान खो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए तैयारी का अभाव है। वैज्ञानिक इस बात पर शोध कर रहे हैं कि वर्तमान और भविष्य में जलवायु परिवर्तन से समुदायों पर किस प्रकार प्रभाव पड़ रहा है तथा वे सर्वोत्तम तरीकों का सुझाव दे सकते हैं। भविष्य में जलवायु सम्बंधी जोखिमों को झेल सकने वाले लचीले बुनियादी ढांचे में निवेश महत्त्वपूर्ण है। इसे लेकर सामाजिक जागरूकता जरूरी है। पर्यावरणीय शिक्षा के माध्यम से कोई भी व्यक्ति सीख सकता है कि जलवायु परिवर्तन के लिए कैसे तैयार रहा जाए।

व्हेल की समुचित देखभाल और संरक्षण नितांत आवश्यक

योगेश कुमार गोयल

व्हेल विश्व का सबसे विशालकाय जलीय स्तनधारी प्राणी है, जिसके बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अभियान चलाए जाते हैं। नीली गहराइयों की प्रहरी व्हेल की समुचित देखभाल और संरक्षण करने का संकल्प लेने के उद्देश्य से हर साल विश्व व्हेल दिवस भी मनाया जाता है, जो 16 फरवरी को मनाया गया। 17वीं सदी में कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा व्हेल का मांस, तेल व परफ्यूम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर इसका शिकार किया जाने लगा। औद्योगिक पैमाने पर शिकार से इनकी कई प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। अंतरराष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग के अनुमान के अनुसार दुनिया में डेढ़ मिलियन व्हेल बची हैं। 1986 में अंतरराष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग ने व्हेल के व्यावसायिक शिकार पर प्रतिबंध लगाया था किंतु फिर भी व्हेल का शिकार हो रहा है। सदियों से मानव सभ्यता के साथ जुड़ी व्हेल का समुद्र में 5 करोड़ वर्षों से अस्तित्व माना जाता है। स्पर्म व्हेल, किलर व्हेल, पायलट व्हेल, बेलुगा व्हेल आदि कई प्रजातियां हैं, जिनमें धरती का सबसे विशाल और वजनदार प्राणी ब्ल्यू व्हेल को माना जाता है। 1909 में दक्षिण अटलांटिक महासागर के दक्षिण जॉर्जिया के समुद्र तट पर मिली 110 फुट लंबी नीली व्हेल अब तक की सबसे विशालकाय व्हेल है। ब्ल्यू व्हेल का वजन 200 टन यानी 1.81 लाख किग्रा. होता है, जो 98 फुट चौड़ी होती है, और गर्मी के मौसम में चार करोड़ किर् (छोटे जलीय जीव) खा जाती है।

इसके हृदय का वजन 600 किग्रा. और मस्तिष्क 7 किग्रा. का होता है जबकि जीभ का वजन 3000 किग्रा. होता है। ब्ल्यू व्हेल के शरीर में सात हजार किग्रा. रक्त होता है, और जब यह जीव महासागरों में घूमता है, तो बड़े-बड़े जहाज भी इसे देख रास्ता बदल लेते हैं। व्हेल के व्यवहार को लेकर वैज्ञानिकों ने जो जानकारियां जुटाई हैं, उनके अनुसार यह जिंदादिल जीव है। जब इसके बच्चे का जन्म होता है तो नन्हे ब्ल्यू की लंबाई 20-25 फुट और वजन 2.7 टन होता है। बच्चा तेजी से बड़ा होता है, जिसका वजन प्रति दिन 90 किग्रा. तक बढ़ जाता है। 6 माह में ही बच्चा 40-50 फुट बड़ा हो जाता है। हालांकि विशालकाय होने के बावजूद व्हेल इंसानों के लिए खतरनाक नहीं होती। वैसे पिग्मी स्पर्म व्हेल जैसी छोटी प्रजातियां 11 फुट तक की ही होती हैं। व्हेल महासागरों के गहरे पानी में औसतन 40 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से कहीं से कहीं पहुंच जाती हैं, लेकिन बच्चे को जन्म देना होता है तो मादा ब्ल्यू व्हेल सागर में गर्म पानी वाले गहरे क्षेत्र में चली जाती हैं। इनकी सर्वाधिक संख्या सबसे बड़े सागर प्रशांत महासागर में है। व्हेल का खून गर्म होता है। अन्य स्तनधारी प्राणियों की तरह यह हवा में सांस लेती है, बच्चे को जन्म देती है, दूध पिलाती है। मादा व्हेल एक बार में एक बच्चे को जन्म देती है। पानी के अंदर सांस लेने के लिए व्हेल में अन्य मछलियों की भांति गिल्स नहीं होते, बल्कि स्तनधारी प्राणी की भांति यह फेफड़ों से सांस लेती है, और सांस लेने के लिए उसे पानी की सतह पर आना पड़ता है। सांस लेने के लिए इसके सिर पर छिद्र होता है। सतह पर आने के बाद व्हेल पहले शरीर की अशुद्ध हवा बाहर निकाल कर शुद्ध हवा अपने भीतर लेती है। जब अपने शरीर की हवा बाहर निकालती है, तब तेज आवाज आती है। बार सांस लेने के बाद व्हेल 45 मिनट तक पानी के भीतर रह सकती है। अपने साथियों से संपर्क करते समय व्हेल मधुर ध्वनि निकालती हैं, जिसे व्हेल सॉन्ग कहा जाता है। 20 हजार वॉट के बराबर यह ध्वनि मीलों सुनी जा सकती है। व्हेल की गर्दन लचीली होती है, जो तैरते समय गोल घूम सकती है। इसकी पूंछ के अंत में दो सिरे इसके तैरने में सहायक होते हैं। व्हेल को लेकर सबसे विचित्र बात यह है कि यह लंबे समय तक नहीं सो सकती। सोते समय इसके दिमाग का आधा हिस्सा जगा होता है, और आधा सोता है, जिससे यह डूबने से बची रहती है। इसके शरीर का आकार इस तरह गोल होता है कि यदि सो जाए तो डूब कर मर जाती है। व्हेल में अपने परिवार के साथ रहने की प्रवृत्ति होती है, जो महासागरों में अकेले या स्थायी समूहों में रह कर यात्रा करती है। शिकार के अलावा प्रदूषण का असर भी व्हेल सहित अन्य समुद्री जीवों पर पड़ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि व्हेल रोजाना कई किलो माइक्रोप्लास्टिक निगल रही है, जिससे उसके स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। शोध के मुताबिक, ब्लू व्हेल प्रति दिन एक करोड़ माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े (करीब 43.5 किग्रा.) प्लास्टिक निगल सकती है जबकि फिन व्हेल रोजाना 0.6 करोड़ माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े (करीब 26 किग्रा.) निगल जाती है। शोध के मुताबिक हंपबैक रोजाना 0.4 करोड़ माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े (करीब 17 किग्रा.) प्लास्टिक निगल सकती है। कुला मिला कर व्हेल के साथ-साथ अन्य समुद्री जीवों के लिए भी उनके रहने के लिए सुरक्षित स्थान बनाने के लिए गंभीर कार्रवाई की नितांत आवश्यकता है।

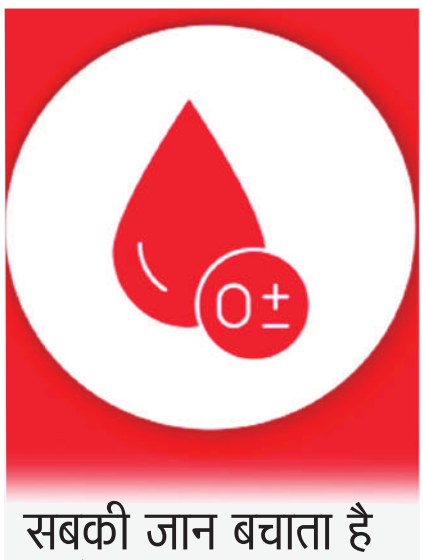

सबकी जान बचाता है ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप

शरीर को सुचारू रूप से चलाने का काम खून करता है। इंसान के खून का रंग बेशक लाल है लेकिन इसके कई ग्रुप हैं और हर सभी लोगों के शरीर में अलग-अलग ग्रुप का खून पाया जा सकता है। वास्तव में आपका ब्लड टाइप क्या है, यह आपको विरासत में मिले जीनों द्वारा निर्धारित होता है। आपके खून का प्रकार कोई भी हो, आपके द्वारा डोनेट किये ब्लड किसी की जिंदगी बचाने का काम कर सकता है। जब बात यह होती है कि सबसे बढ़िया खून कौन सा होता है, तो ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप को सबसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इस ग्रुप के लोग किसी को अपना खून दे सकते हैं। थोड़ी गड़बड़ी यह है कि इस समूह के लोग सिर्फ इसी ग्रुप का ब्लड ले सकते हैं। ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप के लोगों को यूनिवर्सल डोनर कहा जाता है, यह खास तरह का खून है, जो किसी की भी जिंदगी बचा सकता है इसलिए इस समूह के लोगों को इसकी हिफाजत करना जरूरी है। इसके लिए आपको खाने-पीने का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपनी डाइट में नीचे बताए खाद्य पदार्थों को जरूरी शामिल करना चाहिए।

नट्स

नट्स प्रोटीन और हेल्दी फैट का एक बड़ा स्रोत हैं। ब्लड हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए आपको नट्स का खूब सेवन करना चाहिए। आपको रोजाना अखरोट, हेज़लनट्स और बादाम सहित कद्दू के बीज आदि का सेवन करना चाहिए।

एनिमल प्रोटीन

इस समूह के लोगों को अपनी डाइट में एनिमल प्रोटीन जरूरी शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप मांस और मछली का खूब सेवन करना चाहिए। यह चीजें आपके खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती हैं।

डेयरी उत्पाद

ओ ब्लड ग्रुप टाइप वाले लोगो को अपने खाने में मक्खन, पनीर और सोय दूध जैसे डेयरी उत्पादों को शामिल करना चाहिए। यह चीजें न सिर्फ खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं बल्कि शरीर के लिए बढ़िया काम करती हैं।

बीन्स

टाइप ओ ब्लड वाले लोगों को बीन्स का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बीन्स उनकी सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आपको अपनी डाइट में लाल फलियां, पिंटो बीन्स और ब्लैक बीन्स आदि को शामिल करना चाहिए।

साबुत अनाज

आपका ब्लड टाइप ओ पॉजिटिव हो या निगेटिव, आपको साबुत अनाज का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको अपने खाने में चौलाई, अनाज, चावल और बाजरा को जरूर शामिल करना चाहिए।

फल-सब्जियों का सेवन करें

ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को टमाटर, लहसुन, गोभी, भिन्डी, प्याज, अजमोद, लाल मिर्च, शकरकंद और शलजम जैसी सब्जियों का खूब सेवन करना। इनमें वो सभी पोषक तत्व होते हैं, जो खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अगर बात करें फलों की तो आप प्लम, ड्राई प्लम, अंजीर, चकोतरा और सभी तरह की बेरीज खा सकते हैं।

शरीर को बंजर बना देगी आयरन की कमी

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नहीं होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने जानकारी दी है।

आयरन की कमी से होने वाले रोग

आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय हैं। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल

ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ बेवसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

आयरन बढ़ाने के उपाय

इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन वेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है।

इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाएं।

किसमें कितना आयरन?

- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम आयरन

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन

खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे हैं, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके

- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलियां खाएं

यूरिक एसिड को जोड़ों में गला देंगी ये आयुर्वेदिक जड़ी बूटी

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है. शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाएं और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

यूरिक एसिड का आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला

आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी

लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक

गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें हाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी

गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की आयुर्वेदिक दवा है नीम

नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

दिमाग की नस फटने से काफी पहले पड़ता है छोटा अटैक

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?

ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?

- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक कंफ्यूजन आना
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण

नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स

- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट

ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं। नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

ऋषभ को चैम्पियंस ट्रॉफी के बचे हुए मैचों में भी जगह मिलने की संभावना नहीं

राहुल का ही विकेटकीपर रहना तय

दुबई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अभी तक हुए दोनो मैचों में जगह नहीं मिली है। ऐसे में उन्हें शायद ही आने वाले मैचों में भी अंतिम ग्यारह में जगह मिले। इसका कारण है कि इस टूर्नामेंट में विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी निभा रहे केएल राहुल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में 47 गेंद खेलकर 41 रन की पारी खेली थी। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला। भारतीय टीम पहले दोनो मैच में जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब टीम प्रबंधन टीम में शायद ही बदलाव करेगा।ऐसे में आने वाले कुछ मैचों में भी अंतिम ग्यारह में बदलाव की संभावना नहीं है। ऐसे में अगले मैच में भी राहुल का खेलना ही तय है। ऋषभ पिछले कई मैचों से एकदिवसीय टीम में शामिलल रहे हैं पर उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है और केएल राहुल ही टीम में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेलते हैं। कोच गौतम गंभीर ने ट्रॉफी से पहले ही साफ कर दिया था कि टीम में राहुल का खेलना ही तय है। गंभीर ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कहा था, राहुल अभी हमारा नंबर एक विकेटकीपर है और अभी मैं इतना ही कह सकता हूं। ऋषभ को मौका मिलेगा लेकिन अभी राहुल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हम दो विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ नहीं खेल सकते।' ऐसे में उनकी चैंपियंस ट्रॉफी में बेंच पर ही कट सकती है। ऋषभ आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। पंत को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। इससे पहले पंत दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा थे।

मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी इंडिया-ए टीम

बेहतर प्रदर्शन करने वालों को मिलेगा टेस्ट सीरीज के लिए अवसर

मुम्बई । इंडिया-ए टीम आईपीएल 2025 के बाद तीन 4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरे में उसका मुकाबला इंग्लैंड लायंस की टीम से होगा। इससे इसमें शामिल खिलाड़ियों के पास बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए अपना दावा पेश करने का अच्छा अवसर होगा। इंडिया ए की टीम यह दौरा 25 मई से 20 जून के बीच चल सकता है, हालांकि अभी इसकी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। 25 मई को आईपीएल का फ़ाइनल मुक़ाबला होगा, जबकि 20 जून से टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत होगी। भारतीय बल्लेबाज़ टेस्ट मैचों के अलावा मुश्किल से ही कोई लाल गेंद की क्रिकेट खेलते हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज जिस प्रकार से न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ के अलावा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विफल रहे हैं। ऐसे में हो सकता है कि कुछ नियमित टेस्ट खिलाड़ी भी इस इंडिया ए के दौरे पर जाएं।

भारत-इंग्लैंड- एकदिवसीय सीरीज़ शुरू होने से पहले एक रणजी ट्रॉफ़ी मुक़ाबला है, जहां ये बल्लेबाज़ लाल गेंद की क्रिकेट का अभ्यास कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अपने बल्लेबाजों को संदेश दिया है कि वह इस सीरीज़ को चयन का एक पैमाना मानें। पिछले साल जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत आई थी तो सरफ़राज़ ख़ान, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो ने इंडिया ए की ओर से खेला था। वहीं इसके बाद इन्हें राष्ट्रीय टीम से खेलने का अवसर मिला है।

वेंकटेश अय्यर बोले , अवसर मिला तो केकेआर की कप्तानी करने तैयार हूं

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अभी तक अगले माह शुरु हो रहे आईपीएल के 18 वें सत्र के लिए किसी को भी कप्तान नहीं बनाया है। ऐसे में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर अवसर मिलने पर उसकी कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं। अय्यर ने अभी तक क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी नहीं की है। गत केकेआर इस सत्र की शुरुआत ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से मुकाबले से करेगी। केकेआर ने पिछले सत्र मे श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था पर उन्हें बड़ी नीलामी में पंजाब किंग्स ने खरीद लिया और बाद में अपना कप्तान बना दिया। वेंकटेश ने कहा, 'निश्चित रूप से, मैं तैयार हूं। मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी सिर्फ एक ठप्पा है। मैं नेतृत्व में विश्वास करता हूं। एक नेतृत्वकर्ता होने के नाते यह एक बड़ी भूमिका है। अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं निश्चित रूप से इसे करूंगा। ऐसा नहीं करने का कोई कारण नहीं है। वेंकटेश ने कहा कि कप्तान को अच्छा आदर्श बनकर उदाहरण स्थापित करने की जरूरत होती है। मध्य प्रदेश की ओर से खेलने वाले इस क्रिकेटर ने कहा, 'मैं टीम का कप्तान नहीं हूं पर मेरी राय का सम्मान किया जाता है और मुझे ऐसे माहौल में रहना पसंद है जहां हर व्यक्ति - नया या अनुभवी जो भी हो आपको बस अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। आपको बस राय देने और सुझाव देने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और उन्हें सही भावना से लिया जाना चाहिए। वर्ष 2021 में केकेआर में शामिल हुए वेंकटेश को पिछले साल की नीलामी से पहले टीम ने छोड़ दिया था लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ नीलामी में कड़ी टक्कर के बाद 23.75 करोड़ रुपये में वापस खरीद लिया गया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 51 आईपीएल मैच में 1,326 रन बनाए हैं।

हैरी ब्रूक को शुभमन और यशस्वी से बेहतर मानते हैं कार्तिक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे दिनेश कार्तिक ने कहा है कि विश्व क्रिकेट के अगले सितारे शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल नहीं बल्कि इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक होंगे। हैरी ने पदार्पण के बाद से ही कई अच्छी पारियां खेली हैं। कार्तिक के अनुसार जिस तरह से हैरी खेल रहे हैं उसे देखकर लगता है कि वो विश्व क्रिकेट में काफी आगे जा सकते हैं। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा , मेरे लिए, ब्रूक युवा पीढ़ी के सबसे खास खिलाड़ियों में से एक हैं, और निश्चित रूप से, जब वह अपना टेस्ट करियर खत्म करेंगे, तो उसे ऐसे खिलाड़ी के रूप में जाना जाएगा जिसने शानदार प्रदर्शन किया है और उन खिलाड़ियों में शामिल होंगे जो ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की श्रेणी में आते हैं. उसके पास एक बेहतरीन फ्री-फ्लोइंग बल्लेबाजी तकनीक है। कार्तिक ने साथ ही कहा, सबसे अहम बात, उसके पास एक ऐसा दिमाग है जो उसे बहुत सरल बनाये रखता है। इसलिए, वह बिना किसी संदेह के शीर्ष स्तर पर जा सकते हैं. ब्रूक ने डेब्यू के बाद से ही अब तक 24 टेस्ट मैचों में 2281 रन बनाये हैं। लाल गेंद प्रारुप में ब्रूक ने अपनी बल्लेबाजी से विश्व क्रिकेट को चौंकाया है। यही कारण है कि कार्तिक के अलावा कई पूर्व दिग्गज भी भविष्य का सितारा मानते हैं. ब्रूक ने अपने टेस्ट करियर में अब तक 8 शतक और 10 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय में उनके नाम एक शतक है। वहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय में तीन अर्धशतक शामिल है।

विभावि महिला शतरंज दल ने दर्ज की अपनी पहली जीत

बिलासपुर में आयोजित हो रही है पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता

बिलासपुर में मैच में जीत दर्ज करने के उपरांत विनोबा भावे विश्वविद्यालय के खिलाड़ी अपने दल के प्रबंधक के साथ

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला शतरंज प्रतियोगिता में बुधवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय का शतरंज दल ने बेरहमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा को पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ की मेजबानी में आयोजित की जा रही है। यह जानकारी विनोबा भावे विश्वविद्यालय दल के प्रबंधक डॉ अर्चना रीना धान ने दी। ज्ञात हो कि बतौर खिलाड़ी पारुल कुमारी, संजना कुमारी, खुशबू कुमारी, दीवीका गुप्ता, गुड्डू कुमारी तथा साक्षी शर्मा विश्वविद्यालय दल का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

कॉरपोरेट वर्ल्ड

महाशिवरात्रि के अवसर पर शेयर बाजार बंद

» साल 2025 में शेयर बाजार में कुल 14 छुट्टियां रहेंगी

मुंबई । 26 फरवरी बुधवार को दुनियाभर में महाशिवरात्रि का त्योहार मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। शेयर बाजार की छुट्टियों के बारे में बीएसई और एनएसई साल शुरू होने से पहले ही लिस्ट जारी कर देते हैं। इस लिस्ट के अनुसार बुधवार को महाशिवरात्रि पर शेयर बाजार बंद रहेगा। बीएसई और एनएसई किसी में भी कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। साल 2025 में शेयर बाजार में कुल 14 छुट्टियां हैं। महाशिवरात्रि की छुट्टी के बाद अगली छुट्टी होली पर होगी। इस साल शेयर बाजार की छुट्टियों की लिस्ट इस प्रकार है:

14 मार्च (शुक्रवार)- होली
31 मार्च (सोमवार)- ईद-उल-फितर
10 अप्रैल (गुरुवार)- महावीर जयंती
14 अप्रैल (सोमवार)-अंबेडकर जयंती
18 अप्रैल (शुक्रवार)- गुड फ्राइडे
1 मई (गुरुवार)- महाराष्ट्र दिवस
15 अगस्त (शुक्रवार)- स्वतंत्रता दिवस
27 अगस्त (बुधवार)- गणेश चतुर्थी
2 अक्टूबर (गुरुवार)- गांधी जयंती
21 अक्टूबर (मंगलवार)- दिवाली (लक्ष्मी पूजन)
22 अक्टूबर (बुधवार)-दिवाली (बलिप्रतिपदा)
5 नवंबर (बुधवार)- गुरुनानक देव जयंती
25 दिसंबर (गुरुवार)- क्रिसमस

भारतीय शेयर बाजार का समय सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक होता है। इसमें प्री-ओपन सत्र सुबह 9 बजे शुरू होता है। एक्सचेंजों के छुट्टियों के कार्यक्रम के अनुसार बाजार शनिवार और रविवार को बंद रहता है। इसके अलावा शेयर मार्केट सार्वजनिक छुट्टियों के दौरान भी बंद रहती है। इस बार कई छुट्टियां वीकेंड यानी शनिवार या रविवार को हैं। इनमें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), श्रीराम नवमी (6 अप्रैल) और मुहर्रम (6 जुलाई) रविवार को हैं। वहीं बकरीद 7 जून शनिवार की है। ऐसे में इन छुट्टियों को कैलेंडर में शामिल नहीं किया गया है। वहीं वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेतों के बावजूद मंगलवार को सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला। बाजार बंद होने से करीब आधा घंटे पहले इसमें कुछ गिरावट आई। बावजूद इसके यह 147.71 अंकों की बढ़त के साथ 74,602.12 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी लाल रंग के निशान पर खुला और लाल रंग के निशान पर ही बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें अच्छी तेजी आई थी, लेकिन यह ज्यादा समय नहीं रही। निफ्टी 5.80 अंक की गिरावट के साथ 22,547.55 पर बंद हुआ।

सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए पेटीएम के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । भारत में फिनटेक और मैन्युफैक्चरिंग स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और पेटीएम ने हाथ मिलाया है। इसके तहत कंपनी स्टार्टअप को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा समर्थन, बाजार पहुंच तथा वित्त पोषण के अवसर उपलब्ध कराएगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने भारत में नवाचार को बढ़ावा देने और विनिर्माण तथा फिनटेक स्टार्टअप के विकास में तेजी लाने के लिए पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक सुमीत कुमार जारंगल और पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा कि इस सहयोग के तहत पेटीएम स्टार्टअप को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा सहायता, बाजार पहुंच और वित्त पोषण के अवसर प्रदान करेगा, जिससे उन्हें विस्तार और नवाचार में मदद मिलेगी।'' डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा, ''पेटीएम की वित्तीय प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचे का लाभ उठाकर हमारा उद्देश्य उद्यमियों को चुनौतियों से निपटने तथा उनके उद्यमों को बढ़ाने में सहायता करना है।'' पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा ने कहा कि पेटीएम मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी तक पहुंच के माध्यम से उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के पास पेटीएम का स्वामित्व है। उल्लेखनीय है कि डीपीआईआईटी ने पहले भी पेशेवर मंचों अपना, रुकम कैपिटल, अवाना कैपिटल, भाने ग्रुप, फ्लिपकार्ट और आईटीसी सहित कई कंपनियों के साथ इसी तरह के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

केंद्र बुनियादी ढांचे के विकास में महाराष्ट्र की पहल को पूरा समर्थन देगा: पीयूष गोयल

नई दिल्ली / मुंबई । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र सरकार को आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार शहरी पुनर्विकास एवं बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने में उसकी पहल को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ मंगलवार को उत्तरी मुंबई में 15 स्व-पुनर्विकसित आवासीय सोसायटियों की चाबियां वितरित करने के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र सरकार को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार शहरी पुनर्विकास और बुनियादी ढांचे के विकास में महाराष्ट्र सरकार को पूरा सहयोग देगी। पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश देते हुए कहा कि सरकार बेघर लोगों और वर्तमान में उसी इलाके में कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को पक्के घर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल का उद्देश्य परिवारों का भविष्य सुरक्षित करना, बच्चों और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। गोयल ने कहा कि इस क्षेत्र में हाल के दिनों में बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि मगाथाने मेट्रो स्टेशन के पास 1000 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण तेजी से चल रहा है, जबकि पश्चिम कांदिवली में एक और 1000 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण की योजना है जिससे इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच और सेवाओं में वृद्धि होगी। गोयल ने कॉस्टल रोड़ (वर्ली-बांद्रा) का वर्सोवा तक विस्तार और अटल सेतु के माध्यम से नए हवाई अड्डे को जोड़ने वाली प्रस्तावित तटीय सड़क सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सराहना की। गोयल ने कहा कि ये परियोजनाएं मुंबई में भीड़-भाड़ को कम करने और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जल निकायों को प्रदूषित करने वाले अशोधित सीवेज जल की समस्या का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा रहा है। समुद्र में छोड़े जाने से पहले सीवेज के उचित शोधन को सुनिश्चित करने के लिए 26,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं। वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह आयोजन शहरी विकास में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा यह सभी के लिए सुलभ और स्थायी आवास बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ मिलकर उत्तर मुंबई में 15 स्व-पुनर्विकसित 'हाउसिंग सोसायटी' की चाबियां बांटी। पीयूष गोयल मुंबई (उत्तर) से लोकसभा सदस्य हैं।

पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को 20 फीसदी से अधिक करने पर विचार कर रहा है भारत: पुरी

गुवाहाटी/ नई दिल्ली । केंद्रीय पेट्रोलिय एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि भारत पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने के अपने लक्ष्य को बढ़ाकर 20 फीसदी से अधिक करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए नीति आयोग के तहत एक समिति गठित की गई है। हरदीप सिंह पुरी ने गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि 19.6 फीसदी मिश्रण का लक्ष्य पहले ही हासिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 20 फीसदी से अधिक जैव ईंधन मिश्रण पर विचार किया जा रहा है। केंद्रीय पेट्रालियम मंत्री ने कहा कि हमने 2026 तक 20 फीसदी सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा था, लेकिन हम पहले ही 19.6 फीसदी हासिल कर चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले महीने 20 फीसदी का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में 1,700

करोड़ लीटर मिश्रण क्षमता है, जबकि पहले से ही 1,500 करोड़ लीटर का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न प्रकार के ईंधन आयात पर 150 अरब यूएस डॉलर खर्च कर रहा है और एक क्षेत्र जहां ध्यान नहीं दिया जा रहा है, वह है हरित हाइड्रोजन। पुरी ने कहा कि हर देश स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है लेकिन ऐसा अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और मांगों से निपटते हुए ही करना होगा।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली । महाशिवरात्रि के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये से लेकर 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,760 रुपये से लेकर 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में आज 100 रुपये की कमजोरी दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत

88,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 88,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

dainikworldwisenews@gmail.com

वर्ल्ड वाइज न्यूज

संक्षिप्त समाचार

महाशिवरात्रि पर बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ी भीड़, सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतार

पटना। पटना के बिहटा स्थित बाबा बिटेश्वर नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा है। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारे हैं। श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। भक्तों ने गंगाजल, दूध, दही, बेलपत्र, भांग और धतूरा अर्पित कर रुद्राभिषेक किया। मंदिर परिसर भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा। प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस बल की तैनाती के साथ श्रद्धालुओं के लिए चिकित्सा शिविर और पेयजल की व्यवस्था की गई। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने शिवरात्रि व्रत रखकर भगवान शिव की आराधना की। मंदिर में रात्रि जागरण और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। मंदिर के पुजारी हर्ष रंजन मिश्रा ने बताया कि दूर-दराज से लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु विकास कुमार ने कहा कि रात से ही भक्त जलाभिषेक के लिए आ रहे हैं। कई किलोमीटर तक श्रद्धालुओं की कतार देखी जा सकती है। बाबा बटेश्वर नाथ मंदिर में मनाया गया यह पर्व क्षेत्र में आस्था का केंद्र बना रहा। पुलिस प्रशासन की टीमें भीड़ को नियंत्रित करने में जुटी हुई हैं।

महाशिवरात्रि पर शिव बारात में गाड़ीवान बने केंद्रीय मंत्री

हाजीपुर। हाजीपुर में महाशिवरात्रि के अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भगवान शिव की बारात में गाड़ीवान की भूमिका निभाई। उन्होंने बाबा पातालेश्वर नाथ मंदिर में परिवार के साथ पूजा-अर्चना की। मंत्री ने कहा कि वे छात्र जीवन से इस परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। उजियारपुर की जनता के आशीर्वाद से विधायक से सांसद और अब केंद्रीय मंत्री बने हैं। वे बीजेपी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। भावुक होकर उन्होंने एक यादगार किस्सा साझा किया। राजनीतिक कारणों से जब वे जेल में थे, तब भी लोगों ने किसी और को गाड़ीवान नहीं बनने दिया। स्थानीय पुजारी और भक्तों ने उनकी तस्वीर रथ पर रखकर बारात निकाली। नित्यानंद राय ने कहा कि आखिरी सांस तक यह परंपरा निभाएंगे। उन्होंने भगवान शिव से जीवन भर भक्ति और सेवा का अवसर मांगा। साथ ही सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। बारात में सांप-बिच्छू, साधु-संत, बैंड-बाजे और भूत-प्रेत की झांकियां निकलीं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन ने शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस अधिकारी, मजिस्ट्रेट और पुलिसकर्मियों की तैनाती की।

होली पर किन्नरों का थाने में जश्न, वैशाली के बिदुपुर थाने में भोजपुरी गानों पर किया डांस

हाजीपुर। वैशाली में एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। बिदुपुर थाने में किन्नरों ने धमाल मचा दिया। होली से पहले बधाई लेने पहुंचे किन्नरों के एक समूह ने थाने में जमकर नृत्य किया। किन्नरों ने थाने में पहुंचते ही बधाई मांगनी शुरू की। उन्होंने भोजपुरी गानों पर डांस किया। 'सोची सोची जिया हमरो', 'दरोगा जी हो चार दिन पियवा बा नापाता' और 'सैयां हमार हो नथुनिया पे गोली मारे' जैसे लोकप्रिय गानों पर प्रस्तुति दी। थाना परिसर में किन्नरों का यह अंदाज देखकर स्थानीय लोगों की भी भीड़ जमा हो गई। पुलिसकर्मियों ने भी इस अनोखे जश्न का स्वागत किया। कुछ पुलिसकर्मी खुद भी नृत्य में शामिल हो गए। कई पुलिसकर्मियों ने मोबाइल से वीडियो बनाए, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। बिदुपुर थाना अध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि किन्नरों की टोली होली के अवसर पर बधाई लेने आई थी। परंपरा के अनुसार कुछ रुपए लेने के बाद वे वहां से चले गए। दरअसल, होली के मौके पर किन्नर टोलियां गांव-शहर के विभिन्न स्थानों पर जाकर बधाई में रुपए मांगती हैं।

महाशिवरात्रि पर हरिहरनाथ मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़, सुरक्षा को लेकर गर्भगृह में प्रवेश बंद

हाजीपुर। सोनपुर के प्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। भारी भीड़ के कारण मंदिर प्रशासन ने गर्भगृह में श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया है। श्रद्धालु विशेष अर्घा के माध्यम से बाबा का जलाभिषेक कर रहे हैं। अर्घा में चढ़ाया गया जल और पुष्प सीधे शिवलिंग तक पहुंच रहा है। पटना, समस्तीपुर, छपरा, सिवान और सीतामढ़ी से बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। वैशाली से भी श्रद्धालुओं का आगमन जारी है। मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग बैरिकेडिंग लगाई गई है। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, मजिस्ट्रेट और पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। श्रद्धालु क्रमबद्ध तरीके से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। एक श्रद्धालु मंजू देवी ने बताया कि वे अपने परिवार, गांव, समाज और देश की सुख-शांति और समृद्धि के लिए जलाभिषेक करने आई हैं।

मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ मंदिर में 3KM लंबी लाइन, सीवान में रात 11 बजे से लाइन में श्रद्धालु

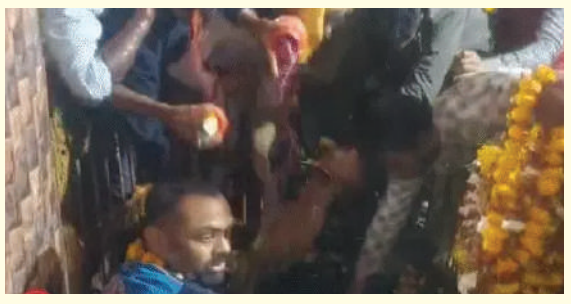

पटना। महाशिवरात्रि पर बिहार के शिवालयों में भीड़ उमड़ी हुई है। मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ मंदिर में दर्शन के लिए 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए खड़े हैं। सीवान के सोहगरा धाम और महेंद्र नाथ मंदिर में 2 से 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। मंगलवार रात 11 बजे से ही यहां श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। सोहगरा धाम में यूपी से भी भक्त पहुंचते हैं। अब तक 20 हजार से ज्यादा लोग यहां दर्शन कर चुके हैं। पटना के बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर में रात 2 बजे से ही लोग मंदिर पर पहुंचने लगे थे। महिलाओं की लाइन 3 से 4 किलोमीटर लंबी थी। पुरुषों की लाइन 1 से 2 किलोमीटर लंबी है। अब तक 50,000 से ज्यादा श्रद्धालु यहां जलाभिषेक और पूजा कर चुके हैं। गोपालगंज के प्राचीन बालखण्डेश्वर महादेव मंदिर और जादोपुर रोड स्थित शिवालय में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। महाशिवरात्रि पर पटना में बुधवार को कुल 31 झांकियां निकाली जाएंगी। इसमें CM नीतीश और राज्यपाल भी शामिल होंगे।

10 करोड़ के गोल्ड लोन घोटाले में FIR दर्ज

एजेंसी, पटना

- 23 खाताधारकों ने नकली सोना गिरवी रखा, लोन मिलते ही 1 दिन में 1 करोड़ निकाला

बिहार के बाढ़ में बैंक ऑफ इंडिया की ढीबर शाखा में बड़ा गोल्ड लोन घोटाला सामने आया है। 23 खाताधारकों ने एक सोनार की मिलीभगत से नकली सोना गिरवी रखकर करोड़ों रुपए का लोन लिया। शाखा प्रबंधक राहुल कुमार ने इस मामले में 20 फरवरी को एफआईआर दर्ज कराई है। साल 2021-22 में 23 खाताधारकों ने गोल्ड लोन के लिए आवेदन किया था। बैंक ने बख्तियारपुर के ईपैनल सोनार सुमित कुमार से सोने का मूल्यांकन कराया। सोनार ने फर्जी सर्टिफिकेट जारी कर दिया और खाताधारकों ने नकली सोना गिरवी रखकर करीब एक करोड़ रुपए का लोन ले लिया। घोटाला तब उजागर हुआ जब वार्षिक पुनर्मूल्यांकन के दौरान पटना सिटी के हाजीगंज स्थित कन्या ज्वेलर्स के सोनार आशीष कुमार ने जांच में गिरवी रखे गए सोने को नकली पाया। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में सभी खाताधारकों के सोने का पुनर्मूल्यांकन किया गया। बैंक ने इस मामले में नया टोला माधोपुर, ब्राह्मणी कॉलोनी बाढ़, हुसैनगंज, बुढरा, गर्ल स्कूल बाढ़ समेत विभिन्न क्षेत्रों के 23 लोगों को नामजद किया है। इसके अलावा आरोपी सोनार को भी नामजद किया गया है। कई खाताधारकों ने दोहरा लोन भी लिया है। पिछले डेढ़ साल में इस तरह के फर्जीवाड़े से बैंक को 10 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

आरोपित महिला ने बताया कैसे किया फर्जीवाड़ाः इस मामले में आरोपित एक महिला ने अपनी पहचान छुपाते हुए बताया कि उस समय के ई पैनल सोनार सुमित कुमार और एक दलाल धनंजय की मिली भगत से यह फर्जीवाड़ा किया गया था। उन्होंने बताया कि दलाल दंपती जो उनके परिचित थे, उनके पास आकर एक हाईवा खरीदने के लिए गोल्ड लोन लेने की बात कही थी। उसने बताया था कि उसके पास आधा किलो सोना है। आरोपी महिला राजी हो गई। दलाल ने उस गांव के तीन खाताधारकों को बैंक ले जाकर उनके नाम से गोल्ड लोन लिया था। उनसे 3 महीने में बैंक को गोल्ड लोन वापस करने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि जैसे ही आरोपित महिला दलाल के साथ बैंक पहुंची,

वहां तत्कालीन बैंक मैनेजर इंपैनल, सोनार सुमित कुमार के सामने सोने की जांच की थी। इसमें सोने के आभूषण को 18 कैरेट और 22 कैरेट बताया गया था। गोल्ड लोन की राशि उनके अकाउंट में ट्रांसफर कर दी गई थी। दलाल दंपती परिचित रहने के कारण लोन मिलते ही उनसे उस बैंक का एक चेक ले लिया था। उसके अगले दिन एक ही बार में पूरी राशि की निकासी कर ली थी।

बाढ़ में किराए के घर में रहता था आरोपीः दलाल ने हाईवा की खरीदी की या नहीं, हमें इसकी जानकारी नहीं मिली। 3 महीने बीत जाने के बाद दलाल धनंजय पर दबाव दिया गया कि वह अपना गिरवी रखा सोना बैंक से निकाल ले। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। आरोपी दलाल पहले बाढ़ में किराए के मकान में रहता था। अब वह फरार हो गया है। पीड़ित महिला ने कहा है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो, हमारे परिचित पांच खाताधारक को दलाल ने इसी प्रकार से फंसाया है। बैंक की ओर से गोल्ड लोन को लेकर नोटिस दिया गया, जिसके बाद खाते को ब्लैक लिस्ट करते हुए एनपीए घोषित कर दिया गया। इसी मामले को लेकर बैंक के अधिकारी भी हमारे घर पहुंचे थे, जिन्हें भी हमने यह जानकारी दी थी, लेकिन इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सोनार सुमित कुमार सपरिवार फरार हैः आरोपी सुलेमान दरगाह निवासी गौतम कुमार के घर पहुंचने के बाद उनके पिता भोला प्रसाद सिंह से मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि गौतम कुमार किसी कार्य से झारखंड के देवघर गया है। इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। आरोपी सोनार सुमित कुमार से बातचीत करने की कोशिश में बख्तियारपुर के हकीकतपुर पहुंचे। वहां के स्थानीय लोगों से पता चला कि 2023 के दर्ज मामले के बाद से ही वह पूरे परिवार के साथ घर छोड़कर फरार हो गया था। फरार होने के बाद उसने संस्कृत विद्यालय के पीछे स्थित अपना मकान बेच दिया और वार्ड नंबर 15 में एक मकान खरीदा था। इसे भी कर्जदारों की दबिश के कारण कुछ ही महीने के बाद उसने बेच दिया। वह कहां और किस अवस्था में है, इसकी जानकारी उसके आसपास के लोगों को भी नहीं है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी सोनार सुमित कुमार ने 2021-22 के समय कार्यरत बख्तियारपुर बैंक ऑफ़ इंडिया के शाखा प्रबंधक को एक चार पहिया वाहन गिफ्ट के तौर पर दी गई थी। हालांकि गिफ्ट देने के मामले की पुष्टि नहीं है।

माधोपुर शाखा से भी 150 लोगों के नाम पर खेलः साल 2023 मे भी इसी बैंक के बख्तियारपुर, ढीबर और बाढ़ शाखा से नकली सोना रखकर करीब साढ़े चार करोड़ का फर्जी सोना रखकर ग्राहकों द्वारा लोन लिया गया था। उस वक्त मामले को लेकर सभी थानों में केस भी दर्ज किया था। सूत्रों का कहना है कि उस वक्त बाढ़ में दर्ज मामले को लेकर जब जांच की गई, तब केस की जांच करने के दौरान पुलिस को यह पता चला था कि उनको पांच हजार का प्रलोभन देकर उनके नाम से लोन लिया गया था। इस बारे मे वह कुछ भी नहीं जानते हैं। इसके अलावा बख्तियारपुर के ही बैंक ऑफ बड़ौदा माधोपुर शाखा से भी 150 लोगों के नाम पर इसी तरह का खेल हुआ था, जहां लगभग पांच करोड़ का फर्जीवाड़ा मामला सामने आया था। क्षेत्रीय प्रबंधक ने केस भी दर्ज कराया था। हालांकि, मामले मे वैलूयर सोनार सुमित को भी नामजद आरोपी बनाया गया था। क्योंकि, बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया द्वारा वैलूयर सोनार के रूप मे सुमित को ही रखा गया था। इस मामले को लेकर शाखा प्रबंधक ने बयान देने से इनकार कर दिया। पुलिस से भी संपर्क किया गया, लेकिन पुलिस ने भी कोई बयान नहीं दिया है।

पटना में नहाने के दौरान 6 युवक डूबे, 2 की हुई मौत, 4 अभी भी लापता

एजेंसी, पटना

- परिजन बोले- 4 घंटे बीते अब तक पता नहीं

पटना के कलेक्ट्रेट घाट पर नहाने के दौरान 6 युवक डूब गए। दो की मौत हो गई है। चार को खोजा जा रहा है। मौके पर एसडीआरएफ की दो टीम और गांधी मैदान थाना की पुलिस पहुंची है। चार युवक को खोजा जा रहा है। मरने वाले लड़कों में अभिषेक (25) और रजनीश (21) है। दोनों कृष्णा निवास यादव लेन लॉज पटना कॉलेज के रहने वाले वाले थे।

10 लड़के नहाने आए थेः बताया गया कि दो ग्रुप में कुल 10 लड़के नहाने आए थे। इसमें लॉज के रहने वाले 6 और लोकल के 4 लड़के आए थे। आशीष, सचिन, विशाल, रजनीश, अभिषेक, गोलू थे। गोलू बाहर था। बाकी डूबे तो नाव वाले ने बांस फेंक कर आशीष और सचिन को बचा

लिया। अभिषेक और रजनीश की डेड बॉडी निकाली गई है। विशाल को खोज रही है। वहीं, नितिन बच गया है। जबकि रेहान, गोविंद और सोनू को खोजा जा रहा है। रेहान, सोने, गोविंद नाबालिग हैं। विशाल बालिग है। वहीं, घटनास्थल पर सभी के परिजन मौजूद हैं। वो लोग चीख पुकार मचा रहे हैं। परिजन का कहना है कि प्रशासन उनको कब से खोज रहा है। अब दो बज गए हैं, किसी का अता पता नहीं है। प्रशासन कुछ नहीं कर रहा है। चार घंटे से उनका कुछ अता पता नहीं चल रहा है।

बिहटा में पिकअप और ट्रक के बीच टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से जख्मी

एजेंसी, पटना

पटना-बिहटा हाईवे पर बिहटा थानाक्षेत्र के बिशनपुरा गांव में सड़क हादसा हुआ है। बुढ़िया माई मंदिर के पास पिकअप वैन और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप वैन के ड्राइवर और को-ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। पिकअप वैन पटना से बिहटा की ओर जा रही थी। सामने से आ रहे ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप वैन ट्रक में फंस गई। ड्राइवर और को-ड्राइवर भी वैन में फंस गए।

दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गयाः स्थानीय लोगों और बिहटा पुलिस की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। दोनों घायलों को वैन से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। बिहटा क्षेत्र में यह पहला हादसा नहीं है। यहां परीक्षा समय के बाद छोटे वाहनों द्वारा की जाने वाली ओवरटेकिंग से अक्सर हादसे होते रहते हैं। कुछ दिन पहले भी इसी क्षेत्र में दो कारों की टक्कर हुई थी। स्थानीय प्रशासन को इस समस्या पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

- स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया

ट्रक ड्राइवर को हिरासत में लिया गयाः थानाध्यक्ष राजकुमार पांडे ने बताया कि बिशनपुर गांव के बुढ़िया माई के पास ट्रक और पिकअप वैन में टक्कर हुई है। इसमें पिकअप वैन का ड्राइवर और को ड्राइवर जख्मी है। सूचना मिलने के बाद गश्ती में मौजूद पुलिस की टीम और थाने की टीम मौके पर पहुंची है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल दोनों वाहनों को जब्त कर ट्रक के ड्राइवर को हिरासत में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

पटना में ड्यूक डॉग की मदद से पकड़े गए अपराधी, हथियार और बाइक भी बरामद

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के मेहंदीगंज में हत्या के मामले में ड्यूक डॉग की मदद से 24 घंटे में हत्यारों को गिरफ्तार किया गया है। रानीपुर रसूलपुर में सोमवार को एक युवक की हत्या हुई थी। अपराधियों ने पहले युवक की पिटाई की थी। फिर गोली मारकर हत्या कर दी थी। पटना सिटी के एसडीपीओ डॉ. गौरव कुमार ने बताया कि ड्यूक डॉग की मदद से पुलिस ने न सिर्फ आरोपियों को पकड़ा, बल्कि हत्या में इस्तेमाल की गई बाइक और हथियार भी बरामद कर लिए है। युवक की पहचान बेगमपुर सती चौरा निवासी संतोष बिन्द के रूप में की गई है, जो मजदूरी का काम किया करता था। संतोष की पत्नी इंदु देवी के द्वारा मेहंदी गंज थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस ने घटनास्थल पर मुआयना करने के बाद पुलिस टीम में शामिल ड्यूक डॉग के माध्यम से अपराधियों की तलाश में छापेमारी शुरू की थी। इसमें पुलिस टीम का सदस्य ड्यूक डॉग ने घटनास्थल से बरामद

चप्पल के आधार पर अपराधियों तक पहुंची।

पिता-पुत्र ने मिलकर हत्या की थीः पुलिस के मुताबिक हत्या में शामिल यदुनंदन उर्फ भुटकन एवं उनके पुत्र कन्हैया कुमार उर्फ बादशाह एवं दूसरा पुत्र गोपाल कुमार शराब की तस्करी करता है। इन लोगों ने रानीपुर रसूलपुर के पास शराब छुपा कर रखा था। उनकी शराब गायब हो गई थी।

- पिटाई के बाद गोली मार कर हत्या हुई थी

इस बीच संतोष बिन्द जो वहां एक ठेकेदार के अंदर मजदूरी का काम किया करता था। शक के आधार पर तीनों पिता-पुत्र ने मिलकर पहले उसे बेल्ट से जमकर पिटाई की थी। इसके बाद गोली मारकर हत्या कर डाली।

देशी पिस्टल समेत बाइक बरामदः पुलिस ने यदुनंदन सिर्फ सिंह उर्फ भटकुनिया एवं उनके पुत्र कन्हैया उर्फ बादशाह को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि गोपाल अभी भी पुलिस की गिरफ्तार से दूर है। पुलिस ने उनके पास से मिट्टी के अंदर छुपा कर रखे गए एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन एवं 7.65 बोर के 9 जिंदा कारतूस बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई बाइक भी बरामद कर ली है।

दानापुर में झाड़ू गोदाम में लगी आग, शॉर्ट सर्किट से 10 लाख का झाड़ू जलकर राख

एजेंसी, पटना

- दमकल की 6 गाड़ियों ने पाया काबू

पटना के दानापुर में बुधवार की सुबह झाड़ू गोदाम में भीषण आग लग गई। जनता कोल्ड स्टोरेज कैंपस स्थित गोदाम से धुआं निकलता देख आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। गोदाम कर्मियों ने सुबह 7:30 बजे धुएं को देखा और तुरंत मालिक वरुण कुमार को सूचित किया। मालिक ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। मौके पर एक छोटी और पांच बड़ी दमकल गाड़ियां पहुंचीं। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंकाः गोदाम मालिक वरुण कुमार के अनुसार, बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले भी बिजली विभाग द्वारा लगाए गए तार में स्पार्क से गोदाम के पीछे कूड़े में आग लगी थी। स्थानीय लोगों ने दमकल के पहुंचने से पहले ही उस आग को बुझा दिया था। अग्निशमन अधिकारी विजय शंकर यादव ने पुष्टि की कि उन्हें जनता कोल्ड स्टोरेज में आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि कैंपस के झाड़ू गोदाम में आग लगी है। इस घटना में लगभग 10 लाख रुपए का झाड़ू जलकर राख हो गया।

दिलीप जायसवाल के इस्तीफे पर RJD ने कसा तंज

एजेंसी, पटना

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने राजस्व मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। बुधवार को उन्होंने इस्तीफा को लेकर एक पत्र लिखा है, उसमें कई जगह स्पेलिंग एरर है। इस पर राजद ने तंज कसते हुए कहा कि ये बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हैं, मंत्री भी थे। इनको दो लाइन त्याग पत्र लिखने भी नहीं आता है। बता दें कि पत्र को राष्ट्रीय जनता दल के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल X से पोस्ट करते हुए लिखा गया है कि 'ये बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। अभी मंत्री भी थे। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष और मंत्री को दो लाइन का त्यागपत्र भी नहीं लिखना आता है' 'बिहार तक भी सही नहीं लिखा है जनाब ने? ये मेडिकल कॉलेज के मालिक भी है। पत्र में अशुद्धियां गिनाइए। इस्तीफा देने के बाद दिलीप जायसवाल ने कहा- 'BJP में एक व्यक्ति एक पद

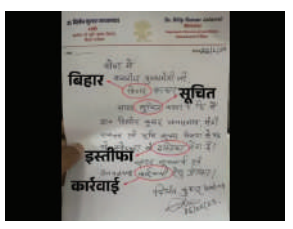

का फॉर्मूला'

दिलीप जायसवाल ने किया पलटवारः गलती निकालने के बाद दिलीप जायसवाल ने राजद पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि 'जो आज हमारी स्पेलिंग चेक कर रहे हैं, उन्हें मैं बता दूं कि स्पेलिंग की गलती मिटाई जा सकती है, लेकिन RJD के जंगलराज का कलंक कभी नहीं! जिन्हें गलती पकड़ने का इतना ही शौक है, वे पहले अपनी डिग्री पकड़कर दिखाएं! जनता को बताइए कि RJD का पूरा शासन ही एक ब्लंडर था, उसमें कितनी गलतियां थीं!'

पटना में आम रास्ते पर गेट लगाने को लेकर बवाल, फुलवारी शरीफ में 2 पक्षों के बीच पथराव

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित हारून नगर सेक्टर 2 में मंगलवार को प्रवेश द्वार पर गेट लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना की सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पटना के सिटी एसपी पश्चिम शरथ आर एस भी दलबल के साथ वहां आए। स्थिति को देखते हुए नौबतपुर, बेउर, जानीपुर और दानापुर थाने की पुलिस को भी बुलाया गया। सिया वक्त बोर्ड के अध्यक्ष अफजाल अब्बास ने बताया कि इलाके में आए दिन चोरी की घटनाएं होती हैं। सुरक्षा के लिए मुख्य द्वार पर गेट लगाया जा रहा था। गेट दिनभर खुला रहने वाला था और रात 11 बजे के बाद बंद किया जाना था। इसके लिए सुरक्षा गार्ड की भी व्यवस्था की जा रही थी।

जबरदस्ती रास्ते पर कब्जा करना चाहता एक पक्षः दूसरे पक्ष का कहना है कि यह एक सार्वजनिक रास्ता है। लोग इस रास्ते से फुलवारी शरीफ स्टेशन, पटना एयरपोर्ट और बजरंगबली कॉलोनी जाते हैं। रास्ता बंद होने से आम लोगों को परेशानी होगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक पक्ष जबरदस्ती रास्ते पर कब्जा करना चाहता है। सिटी एसपी पश्चिम ने बताया कि जांच में पता चला है कि बिना पुलिस प्रशासन और अधिकारियों की अनुमति के रास्ता बंद किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि फिलहाल रास्ता को खोल दिया गया है। लोगों को शांति माहौल बनाए रखने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया की विधि सम्मत जो भी कार्रवाई होगी वह किया जाएगा।

- 5 थाना की पुलिस रही तैनात

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के भूगर्भीय सर्वे विभाग ने कहा है कि इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों की तीव्रता 6.1 रही। भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर भीतर था। भूकंप में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। साथ ही सुनामी का भी कोई अलर्ट जारी नहीं हुआ है। इससे पहले साल 2021 में भी सुलावेसी प्रांत में 6.2 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था। उस भूकंप में 100 से ज्यादा लोग मारे गए थे और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

दो साल बाद बगदाद लौटे पूर्व इराकी पीएम मुस्तफा

बगदाद, एजेंसी। कानून के शासन को बढ़ावा देने के लिए जाने जाने वाले पूर्व इराकी प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-काधिमी मंगलवार को दो साल से अधिक समय बाद बगदाद लौटे। यह उनकी पहली यात्रा है, जबकि इराक में सुरक्षा खतरे अभी भी बने हुए हैं। बता दें कि 2021 में, अल-काधिमी पर एक हत्या का प्रयास हुआ था, जब बगदाद के ग्रीन जोन इलाके में उनके आवास को दो सशस्त्र ड्रोन ने निशाना बनाया था। यह हमला उस समय हुआ था जब इरान समर्थित मिलिशियाओं ने संसदीय चुनाव परिणामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था, जिससे तनाव बढ़ गया था।अल-काधिमी 2022 में प्रधानमंत्री पद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद इराक छोड़कर लंदन और संयुक्त अरब अमीरात में रहने लगे थे। अपने लौटने पर पूर्व प्रधानमंत्री ने तुरंत कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। अधिकारियों का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ सुरक्षा खतरे अभी भी मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि वह वर्तमान इराकी राजनीतिक नेताओं के निमंत्रण पर लौटे हैं, जो उम्मीद करते हैं कि वह अपनी कनेक्शनों का इस्तेमाल कर देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति का सामना करने में मदद कर सकते हैं, जो देश की स्थिरता के लिए खतरा बनी हुई है।

थाईलैंड में बड़ा सड़क हादसा, खाई में बस गिरने से 18 लोगों की मौत; कई घायल

थाईलैंड। थाइलैंड के प्राचिनबुरी में एक टूर बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस घटना में 18 लोगों की मौत हो गई। बुधवार को वहां की पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। पुलिस ने बताया, जिस इलाके में घटना घटी है वो एक ढलान वाली सड़क थी और बस का ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद बस के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और फिर बस खाई में जा गिरी, जिसमें 18 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों की मौत हुई है वो सभी लोग स्टडी ट्रिप पर जा रहे थे। घटना राजधानी बैंकॉक से 155 किमी (96 मील) पूर्व में घटी है। इस घटना से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट पर बचाव और चिकित्साकर्मी घटनास्थल पर देखे जा सकते हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने इस हादसे को लेकर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। साथ ही उन्होंने इस हादसे को लेकर जांच की बात कही। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यदि यह पाया जाता है कि वाहन सुरक्षा का उल्लंघन हुआ है तो ऐसे वाहन जो मानकों को पूरा नहीं करते हैं और वाहनों को लापरवाही पूर्वक चलाते हैं, उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीएम शिनावात्रा ने कहा, वाहनों का निरीक्षण सुरक्षित तरीके से होना चाहिए और वाहनों को मानकों का पालन करना सुनिश्चित हो। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मानकों का उपयोग होना चाहिए। बता दें, थाईलैंड में सड़क दुर्घटनाएं और मौतें आम हैं।

लड़की से 100 लड़के 44 दिन तक करते रहे रेप

सैतामा, एजेंसी। एक किशोर लड़की के साथ यौन शोषण का भयावह मामला सामने आया है। 17 साल की एक लड़की के साथ 44 दिनों में 100 लड़कों ने किया रेप किया और भयावह यातनाएं दी। यह घटना जापान के सैतामा शहर की है, जहां 17 वर्षीय जून्को फुरुता नाम की एक लड़की रहती थी। पढ़ाई में अव्वल और अपने सपनों को पूरा करने के लिए पार्ट-टाइम जॉब करने वाली जून्को के साथ जो हुआ, वह मानवता को झकझोर देने वाला है।

डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी- रूस से जल्दबाजी में समझौता न करें

फ्रांसीसी राष्ट्रपति बोले- रूस ने हर बार युद्धविराम तोड़ा, मुद्दा भरोसे का है

वॉशिंगटन, एजेंसी।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस से जल्दबाजी में समझौता न करें। मैक्रों ट्रम्प से मिलने अमेरिका पहुंचे थे, मुलाकात के बाद उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में इस बारे में बात की।

मैक्रों ने बताया कि कुछ ही हफ्ते में रूस और यूक्रेन में युद्धविराम समझौता होने की पूरी संभावना है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि के तौर पर ट्रम्प से मिले थे, क्योंकि यूरोप के करीब सभी देश अपनी सुरक्षा को लेकर एक जैसी चिंता रखते हैं।

मैक्रों ने कहा- हमने 2014 में रूस के साथ शांति समझौता किया था। मैं आपको व्यक्तिगत अनुभव से बता सकता हूं, क्योंकि मैं उस शांति समझौते पर नजर रखने वाले दो सदस्यों में से एक था। रूस ने हर बार समझौते का उल्लंघन किया और हमने एकजुट होकर जवाब नहीं दिया। इसलिए मुद्दा भरोसे का है।

सबसे पहले रूस और अमेरिका में बातचीत होना चाहिए मैक्रों ने कहा मेरे हिसाब से युद्धविराम समझौते का क्रम इस तरह से होना चाहिए कि सबसे पहले अमेरिका और रूस के बीच बातचीत होनी चाहिए और फिर अमेरिका और यूक्रेन के बीच। राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार घोषणा की है कि वो यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए तैयार हैं, यह बहुत जरूरी बात है। उन्होंने कहा- आने वाले हफ्तों में युद्धविराम हो सकता है। रूस को इसका सम्मान करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो यह साफ हो जाएगा कि पुतिन शांति समझौते और यूक्रेन की संप्रभुता के बारे में गंभीर नहीं है।

यूक्रेन को अकेला छोड़ा तो उस पर हमले का खतरा: राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा- जब युद्धविराम लागू होगा तब हम यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी और रूस के कब्जे से यूक्रेनी जमीन वापस लेने के मुद्दे पर बात करेंगे। यह यूक्रेन के राष्ट्रपति की जिम्मेदारी होगी कि वो अपने देश के हितों की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन में यूक्रेनी खनिज को लेकर कोई समझौता होता है तो इससे फ्रांस और बाकी यूरोप को कोई दिक्कत नहीं है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन के नाटो में शामिल करने को लेकर कोई आम सहमति नहीं है, लेकिन अगर हम (यूरोपीय नाटो सदस्य) यूक्रेन को अकेला छोड़ देते हैं, जैसा कि हमने पहले भी किया था तो रूस की तरफ से एक और हमले का खतरा है।

यूक्रेन में फ्रांस और ब्रिटेन की संयुक्त सेना भेजने का प्रस्ताव मैक्रों ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि शांति समझौते पर आगे बढ़ने के लिए किस तरह की सुरक्षा गारंटी की जरूरत है। एक ऑप्शन यह हो सकता है यूक्रेन की सैन्य क्षमता को मजबूत किया जाए ताकि वो रूसी मोर्चे पर एक मजबूत सेना बनाए रख सके। दूसरा तरीका यह हो सकता है कि फ्रांस और ब्रिटेन मिलकर एक प्रस्ताव पर काम करें कि वो यूक्रेन में ज्वाइंट सेना भेजेंगे। यह सेना उस इलाके में तैनात की जाएगी जहां रूस और यूक्रेन में सहमति होगी। इसका मकसद सिर्फ यह होगा की रूस की विश्वसनीयता पर नजर रखी जा सके। यह सब अमेरिका की सहमति के साथ होगा।

बिजली गुल होने से अंधेरे में डूबा दक्षिण अमेरिकी देश चिली, सरकार ने लगाया आपातकाल

सैंटियागो , एजेंसी। चिली में मंगलवार को अचानक बिजली गुल होने से पूरा जनजीवन थम गया और देश का अधिकांश हिस्सा अंधेरे में डूब गया। इसके चलते यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और इंटरनेट सेवा भी ठप हो गई। इंटरनेट बंद होने से व्यवसाय और दैनिक जीवन भी थम गया। अधिकारी बिजली बहाल करने की कोशिशों में जुटे हैं। हालात को देखते हुए चिली की सरकार ने आपातकाल की घोषणा कर दी है और रात में अनिवार्य रूप से कर्फ्यू लागू कर दिया है।

बिजली गुल होने के बाद दुनिया के सबसे बड़े तांबा उत्पादक देश ने खनन कार्य भी बंद हो गया है। कई इलाकों में लोगों ने पानी की कमी की शिकायत की है क्योंकि बिजली से चलने वाले पंप नहीं चल पा रहे हैं। हालांकि आपातकालीन जनरेटर्स की मदद ने अस्पतालों और सरकारी कार्यालयों को चालू रखने की कोशिश की जा रही है। चिली सरकार की आंतरिक मामलों की मंत्री कैरोलिना तोहा ने चेताया है कि हालात और खराब हो सकते हैं क्योंकि अभी तक बिजली गुल होने का कारण पता नहीं चल सका है। हालात इस कदर खराब हैं कि अंधेरे में डूबे इलाकों में लोगों की सुरक्षा के लिए चिली की सरकार ने सेना उतार दी है। साथ ही सुरक्षाबल के जवान ही अंधेरी सड़कों पर ट्रैफिक का प्रबंधन कर रहे हैं। सारे व्यापार, फिल्म थियेटर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल आयोजन सब रद्द हो गए हैं। इन हालात से लोगों में असमजस और भय की स्थिति है। सरकार ने लोगों से घरों के भीतर रहने की अपील की है। इसके चलते देश में हवाई यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कई उड़ानें रद्द हो गई हैं।

सीरिया में नए शासकों ने लंबे समय बाद शुरू किया राष्ट्रीय संवाद

डमस्कस, एजेंसी।

सीरिया के नए शासकों ने मंगलवार को राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन और करीब 14 साल की गृहयुद्ध के बाद देश में लंबे समय से प्रतीक्षित राष्ट्रीय संवाद का आयोजन किया। दमिश्क के राष्ट्रपति महल में आयोजित इस बैठक में सीरिया के विभिन्न हिस्सों से करीब 600 लोगों को आमंत्रित किया गया। इस सभा की मेज़बानी नए शासकों ने की, जो इस्लामिक समूह हयात तहरीर अल-शाम द्वारा नेतृत्व किए गए थे। इस समूह ने दिसंबर में असद को सत्ता से बाहर करने के लिए आक्रमण की अगुवाई की थी।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को उत्तरी मध्य अफ्रीकी गणराज्य के नज़ोरोह गांव में हुए हमले में नौ लोगों की मौत हो गई और 700 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। आत्मरक्षा मिलिशिया 3क्रके विद्रोहियों ने कहा कि यह हमला बैलों की चोरी के विवाद के कारण किया गया। 3क्रके एक नेता हबीब याकूब ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हाशिए पर पड़े चरवाहों की सुरक्षा करना है।

लेकिन नज़ोरोह के मेयर बर्ट्रेंड औडिन डिमांचे ने बताया कि उन्हें हमले का कारण नहीं पता चला। उन्होंने कहा कि 3क्र के विद्रोहियों को मानव जीवन का कोई सम्मान नहीं है और वे राजनीतिक कारणों से हत्या करते हैं। केंद्र सरकार ने इस हमले को लेकर चिंता जताई है और प्रतिक्रिया में एक बयान जारी करने का वादा किया है। इस हमले के बाद कई लोग पास के गांवों में भाग गए, जबकि कुछ लोग बड़े शहरों में शरण लेने गए हैं। मध्य अफ्रीकी गणराज्य 2013 से गृहयुद्ध की चपेट में है, और 2019 में शांति समझौते के बावजूद हिंसा कम नहीं हुई है।

चीनी जासूसी गुब्बारे मामले में पूर्व स्पीकर-अधिकारियों को धमकाना पड़ा भारी, शख्स को अब काटनी पड़ेगी सजा

बिलिंग्स, एजेंसी।

अमेरिका के मोंटाना राज्य के बिलिंग्स के रहने वाले एक व्यक्ति को पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी को धमकी देने के मामले में सजा मिल सकती है। बता दें कि, यह व्यक्ति चीन के जासूसी गुब्बारे को न गिराने से इतना नाराज हो गया था कि उसने सरकारी अधिकारियों को फोन कर धमकियां दीं।

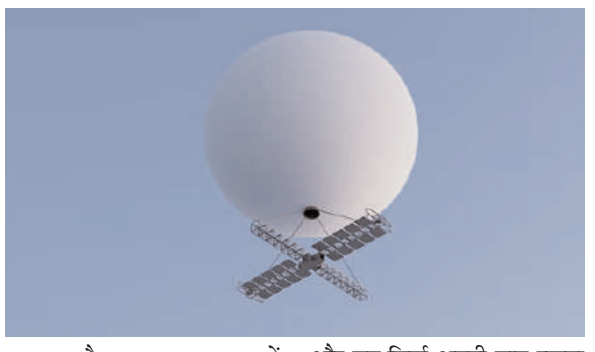

क्या है पूरा मामला?: जानकारी के मुताबिक, 45 वर्षीय रिचर्ड रॉजर्स ने 3 फरवरी 2023 को 75 मिनट के अंदर पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के कार्यालय में 100 से अधिक फोन कॉल किए। यह घटना तब हुई जब पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) ने स्वीकार किया कि वह चीन के जासूसी गुब्बारे पर नजर रख रहा है। यह गुब्बारा बाद में अटलांटिक महासागर में गिराया गया था। इस मामले में सुनवाई के दौरान रिचर्ड रॉजर्स ने एफबीआई और मैक्कार्थी के कार्यालय को किए गए कॉल में भद्दी और अश्लील बातें कही थीं। अदालत में उसने सफाई दी कि यह उसका नागरिक अवज्ञा (सिविल डिसओबीडिएंस) का तरीका था और वह सिर्फ अपनी बात रखना चाहता था।

सजा क्या हो सकती है?: अदालत ने रिचर्ड रॉजर्स को कांग्रेस सदस्य को धमकी देने और सरकारी एजेंसियों को परेशान करने का दोषी पाया। इस अपराध के लिए अधिकतम 6 साल की जेल और 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़ रुपये) का जुर्माना हो सकता है। हालांकि, रॉजर्स का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, इसलिए उसे कम सजा मिल सकती है। अदालत से कहा कि यह मामला एक कड़ा संदेश देने का मौका है कि सरकारी अधिकारियों को धमकी देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत नहीं आता। उन्होंने रिचर्ड रॉजर्स को 2 साल जेल की सजा देने की मांग की। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने अनुरोध किया कि रिचर्ड रॉजर्स को जेल न भेजा जाए और उसे सिर्फ निगरानी में रखा जाए। हाल के वर्षों में अमेरिका में नेताओं और सरकारी अधिकारियों को धमकी देने के मामले तेजी से बढ़े हैं। 2023 में अमेरिकी कैपिटल पुलिस ने ऐसे 8,000 से अधिक मामलों की जांच की।

कांगो संकट को लेकर सवालों के घेरे में रवांडा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने मंगलवार को कहा कि वह रवांडा को दी जाने वाली कुछ द्विपक्षीय सहायता रोक देगा और पड़ोसी कांगो के संकट में किगाली की भूमिका के कारण उस पर अन्य राजनयिक प्रतिबंध लगाएगा। रवांडा पर इस समय वैश्विक दबाव है। उस पर आरोप है कि वह एम23 समूह का समर्थन करता है, जिसने जनवरी से ही गोमा और बुकावु शहरों सहित पूर्वी कांगो के बड़े हिस्से और बहुमूल्य खनिज भंडारों पर कब्जा कर लिया है।

किगाली ने इस एम23 समूह को समर्थन देने से इनकार किया है, लेकिन कहा कि उसके अपने सैनिक कांगो स्थित शत्रुतापूर्ण समूहों के खिलाफ आत्मरक्षा में कार्रवाई कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि जब तक शत्रुता समाप्त करने में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हो जाती और कांगो क्षेत्र से सभी रवांडा रक्षा बलों की वापसी नहीं हो जाती, तब तक ब्रिटेन कार्रवाई करता रहेगा।

ब्रिटेन कार्रवाई के तहत - रवांडा सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में उच्च स्तरीय उपस्थिति को समाप्त करना, रवांडा के साथ व्यापार संवर्धन गतिविधि को सीमित करना;

रवांडा सरकार को प्रत्यक्ष द्विपक्षीय वित्तीय सहायता को रोकना, सबसे गरीब और सबसे कमजोर लोगों की मदद को छोड़कर।

बयान में कहा गया कि ब्रिटेन संभावित नए प्रतिबंधों पर साझेदारों के साथ समन्वय करेगा, रवांडा को भविष्य में दी जाने वाली रक्षा प्रशिक्षण सहायता को निलंबित करेगा और रवांडा रक्षा बल के लिए निर्यात लाइसेंस की समीक्षा करेगा। ब्रिटेन सरकार के प्रवक्ता ने कहा, रवांडा की सुरक्षा संबंधी चिंताएं हो सकती हैं, लेकिन इनका सैन्य तरीके से समाधान करना अस्वीकार्य है। इस संघर्ष का केवल राजनीतिक समाधान ही हो सकता है। प्रवक्ता ने कहा, हम डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) को समावेशी वार्ता के हिस्से के रूप में एम23 के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

निवेशकों के लिए डोनाल्ड ट्रंप की नई गोल्ड कार्ड योजना

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को निवेशकों के लिए एक नई योजना की घोषणा की। उन्होंने निवेशकों के लिए गोल्ड कार्ड निवास परमिट बेचने की अपनी योजना की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने निवेशकों के लिए 35 साल पुराने वीजा की जगह 5 मिलियन (50 लाख) अमेरिकी डॉलर का गोल्ड कार्ड शुरू करने की योजना बनाई है, जिसे पाने वाला व्यक्ति अमेरिकी नागरिकता पाने का पात्र होगा।

ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) में ट्रंप ने कहा, अमीर और सफल लोग ये वीजा ले सकते हैं। वे काफी पैसा निवेश करेंगे, काफी कर का भुगतान करेंगे, काफी लोगों को नौकरी देंगे और मुझे लगता है कि यह (योजना) बहुत ही सफल होने वाली है। वाणिज्य मंत्री होवार्ड ल्युटनिक ने कहा कि दो सप्ताह में ईबी-5 वीजा की जगह ट्रंप गोल्ड कार्ड ले लेगा। संसद ने 1990 में विदेशी निवेश को ध्यान में रखते हुए ईबी-5 वीजा पेश की थी और यह 10 लाख अमेरिकी डॉलर का निवेश करने वाले व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है। ईबी-5 वीज़ा वर्तमान में स्थायी अमेरिकी निवास के लिए सबसे स्पष्ट मार्गों में से एक है, जो किसी विदेशी को अमेरिकी कंपनियों में निवेश करके ग्रीन कार्ड प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अमेरिकी जन्मसिद्ध नागरिकता नीति को समाप्त करने के महीनों बाद, ईबी-5 वीज़ा कार्यक्रम बड़ी संख्या में भारतीयों, विशेष रूप से ॥-1क्र वीज़ा धारकों के लिए एक अनुकूल विकल्प के रूप में उभरा। आव्रजन से संबंधित गृह मंत्रालय के वार्षिक आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2022 तक 12 महीने के दौरान लगभग 8,000 लोगों ने निवेशक वीजा लिया था। संसद की शोध सेवा ने 2021 में कहा था कि ईबी-5 वीजा में धोखाधड़ी का खतरा बना रहता है। परामर्श कंपनी 'हेनली एंड पार्टनर्स' के अनुसार दुनियाभर में निवेशक वीजा आम हैं। कंपनी के अनुसार अमेरिका, ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस, माल्टा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इटली समेत दुनियाभर के 100 से अधिक देश अमीर लोगों को गोल्डन वीजा देते हैं। ट्रंप ने कहा, यह (गोल्ड कार्ड) एक ग्रीन कार्ड की तरह होगा, लेकिन किसी भी तरह के गडबड़झाले से मुक्त होगा। यह लोगों, खासकर अमीर और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए अमेरिकी नागरिकता लेने का रास्ता बनाएगा। नागरिकता के लिए योग्यता कांग्रेस निर्धारित करती है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि गोल्ड कार्ड के लिए कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

शिकागो में टला बड़ा हादसा, विमान की लैंडिंग के दौरान रनवे पर आया दूसरा प्लेन

शिकागो, एजेंसी।

शिकागो के मिडवे एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहे साउथवेस्ट एयरलाइंस के विमान को अचानक उड़ान भरनी पड़ी, जब रनवे पर एक दूसरा विमान आ गया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किए गए एयरपोर्ट वेबकैम वीडियो में दिखाया गया है कि साउथवेस्ट विमान मंगलवार को सुबह 8.50 बजे सीएसटी पर उतर ही रहा होता है कि, जमीन छूने के बाद उड़ान भरने लगता है। क्योंकि दूसरा विमान रनवे पर दिखाई देता है।

बाद में आसानी से विमान ने की लैंडिंग: वहीं इसके बाद के घटना की जानकारी साझा करते हुए साउथवेस्ट एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक कहा कि साउथवेस्ट फ्लाइट 2504 सुरक्षित रूप से उतरी, चालक दल ने रनवे में प्रवेश करने वाले दूसरे विमान के साथ संभावित टकराव से बचने के लिए एहतियाती तौर पर चक्कर लगाया। चालक दल ने सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया और विमान बिना किसी घटना के उतरा।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट ने दिखाई सूझबूझ: इस घटना के दौरान फ्लाइट क्रू और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच बातचीत में यह सुनाई दिया कि कंट्रोलर ने पायलट से कहा, साउथवेस्ट 2504, गो-अराउंड और फ्लाइट को 3,000 फीट तक चढ़ने के निर्देश दिए गए।

वहीं दूसरे विमान को बिना अनुमति के रनवे पर घुसने के लिए दोषी ठहराया गया है और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन इस मामले की जांच कर रहा है।

मामले की जांच में जुटी विमान कंपनी: वहीं इस विमान के मालिक, फ्लेक्सजेट, ने इस घटना के बारे में जानकारी दी और कहा कि वे उच्चतम सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं और इस मामले की जांच कर रहे हैं। दूसरे विमान के गलत तरीके से रनवे पर घुसने की वजह से यह घटना घटी।

उच्चतम न्यायालय 28 फरवरी को इमरान खान की याचिकाओं पर सुनवाई करेगा

इस्लामाबाद , एजेंसी।

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिकाओं पर सुनवाई करने का निर्णय लिया है। मीडिया की खबरों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। इमरान खान ने नौ मई की हिंसा और पिछले साल हुए आम चुनावों में कथित धांधली की न्यायिक जांच की मांग के लिए याचिका दायर की थी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ इमरान खान की याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

इमरान खान ने नौ मई की हिंसा की जांच के लिए दिसंबर 2024 में याचिका दायर की थी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से नौ मई 2023 को अर्धसैनिक रेंजर्स द्वारा इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पाकिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़क उठे थे। इमरान के समर्थकों ने जिन्ना हाउस (लाहौर कॉर्प्स कमांडर का घर) और फैसलाबाद स्थित आईएसआई कार्यालय सहित कई सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की थी। इमरान का आरोप है कि नौ मई की घटनाओं को उनके राजनीतिक विरोधियों ने सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया था। इमरान खान का कहना है कि उन्हें हिंसा से जुड़े मामलों में राजनीतिक प्रतिशोध के कारण फंसाया गया है। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, इमरान खान ने मार्च 2024 में उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनावों की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की थी। पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का दावा है कि पार्टी ने आठ फरवरी 2024 को हुए आम चुनावों में जीत दर्ज की थी।

सावधान! शनि ग्रह को लेकर डराने वाली भविष्यवाणी

Rings of Saturn को लेकर वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों में हलचल मची हुई है, क्योंकि अंतरिक्ष की दुनिया एक दुर्लभ खगोलीय घटना की गवाह बनने जा रही है। दरअसल, शनि के खूबसूरत छल्ले गायब हो रहे हैं और यह भविष्यवाणी की गई है कि अब से लगभग 6 सप्ताह में यानी 40 दिनों के भीतर छल्ले पूरी तरह से गायब हो जाएंगे। पृथ्वी के अलावा सौरमंडल में कई ग्रह हैं, जिनमें से शनि अपने छल्लों के कारण सबसे सुंदर है, लेकिन इसकी सुंदरता धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। हालांकि ये छल्ले वर्ष 2032 में पुनः दिखाई देंगे, जब शनि का झुकाव अपने चरम पर होगा, लेकिन तब तक ये छल्ले अदृश्य ही रहेंगे। वैज्ञानिक इस घटना को रिंग प्लेन क्रॉसिंग कहते हैं और पिछली बार यह घटना वर्ष 2009 में हुई थी।

शनि के छल्ले ही उसके गुरुत्वाकर्षण का कारण हैं

17वीं शताब्दी में, इतालवी खगोलशास्त्री गैलीलियो गैलिली ने शनि के छल्लों का अध्ययन किया और बताया कि दुनिया भर के आधुनिक दूरबीनों और वेधशालाओं ने शनि के छल्लों पर शोध किया है। वे बर्फ और चट्टानों के घूमते कण हैं जो विशाल ग्रह की परिक्रमा करते हैं। इन्हें रिंग्स कहा जाता है। ग्रह के लिए सजावटी होने के अलावा, वे इसके गुरुत्वाकर्षण का कारण भी बनते हैं। हार्वर्ड-स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स (सीएफए) के डॉक्टरेट छात्र जोना पीटर ने इस विषय पर शोध किया कि शनि के चंद्रमा उसके वलयों को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। ग्रह गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में सूर्य की परिक्रमा करते हैं। चंद्रमा ग्रहों की परिक्रमा करता है और उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं।

मार्च 2025 में पूरी तरह से गायब हो जाएगा

रिपोर्ट के अनुसार, कभी-कभी शनि के छल्ले अपनी पूरी चौड़ाई में दिखाई देते हैं। वे किनारों से एक पंक्ति में दिखाई देते हैं और घूमते हुए एक पतली पट्टी में बदल जाते हैं। रिंग प्लेन क्रॉसिंग घटना 23 मार्च 2025 को घटित होगी। इसके बाद, शनि के छल्ले आसानी से दिखाई नहीं देंगे, बल्कि दूरबीनों के माध्यम से हल्के पीले रंग के गोले के रूप में दिखाई देंगे। लुप्त होते छल्लों को स्पष्ट रूप से देखने का समय वर्ष 2023 के अंत तक था। उस समय शनि 9 डिग्री के कोण पर झुका हुआ था और अब यह 3.7 डिग्री के कोण पर झुका हुआ है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि भविष्य में शनि के वलय हमेशा के लिए गायब हो जायेंगे। ये छल्ले धूमकेतुओं, क्षुद्रग्रहों और चंद्रमाओं के मलबे से बने हैं, जो टूटकर गायब हो रहे हैं।

बचपन में लगा सदमा दिमाग शरीर पर कैसे डालता है गहरा असर!

विशेषज्ञों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

यदि प्रारंभिक जीवन में मस्तिष्क को कोई बड़ा आघात पहुंचता है, तो यह व्यक्ति के शेष जीवन के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। अगर इतिहास पर नजर डालें तो 1966 में रोमानियाई तानाशाह निकोलाए चाउसेस्कु ने देश की जन्म दर बढ़ाने के लिए बहुत सख्त नीतियां लागू की थीं। इसके कारण बड़े पैमाने पर बच्चों को छोड़ दिया गया। ये बच्चे भयावह परिस्थितियों में अनाथालयों में चले गए, जहां उन्हें कोई देखभाल या प्यार नहीं मिला। यह घटना अत्यंत दुखद थी लेकिन इससे हमें प्रारंभिक जीवन में आघात के प्रभावों के बारे में बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। इन बच्चों पर किये गये शोध में पाया गया कि इनमें से कई बच्चों के मस्तिष्क का आकार छोटा था। अर्थात्, यह आंशिक रूप से उनके खराब संज्ञानात्मक प्रदर्शन की व्याख्या करता है। यह हानि उन बच्चों में अधिक गंभीर थी जो अनाथालयों जैसे संस्थानों में लम्बे समय तक रहे थे। किसी भी व्यक्ति के तंत्रिका विकास के लिए बचपन सबसे संवेदनशील समय होता है। लेकिन दुख की बात है कि इसे कई तरीकों से बाधित भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, गाली-गलौज करके, अभद्र भाषा का प्रयोग करके, बच्चे की उपेक्षा करके, या उसे युद्ध और हिंसा जैसी स्थितियों में धकेलकर। बचपन में होने वाली ऐसी प्रतिकूलताओं के न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभावों को समझकर, हम इसके दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक प्रभावों के बारे में जान सकते हैं और उनका इलाज करने में सक्षम हो सकते हैं। साक्ष्य बताते हैं कि ये विशेष रूप से मुख्य तनाव विनियमन प्रणाली को प्रभावित करते हैं, जिसे हाइपोथैलेमिक-पिट्यूटरी-एड्रिनल अक्ष के रूप में जाना जाता है। इस प्रणाली की गतिविधि को कॉर्टिसोल जैसे हार्मोन के माध्यम से मापा जा सकता है, जिसे सामूहिक रूप से ग्लूकोकोर्टिकोइड्स के रूप में जाना जाता है। सामान्य मात्रा में स्रावित होने पर कॉर्टिसोल शरीर को किसी भी खतरे से लड़ने में मदद करता है। लेकिन जब यह बहुत अधिक मात्रा में निकलता है तो हानिकारक होता है। युद्ध, लड़ाई, हिंसा जैसी स्थितियों में बच्चों के अंदर अत्यधिक मात्रा में यह रसायन निकल जाता है। यहां यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि व्यक्ति हार न माने। शोध से पता चलता है कि मस्तिष्क अत्यधिक लचीला होता है, और कई व्यक्ति ऐसे प्रारंभिक आघात से उबर सकते हैं। मनोविज्ञान में इस प्रक्रिया को लचीलापन कहा जाता है।

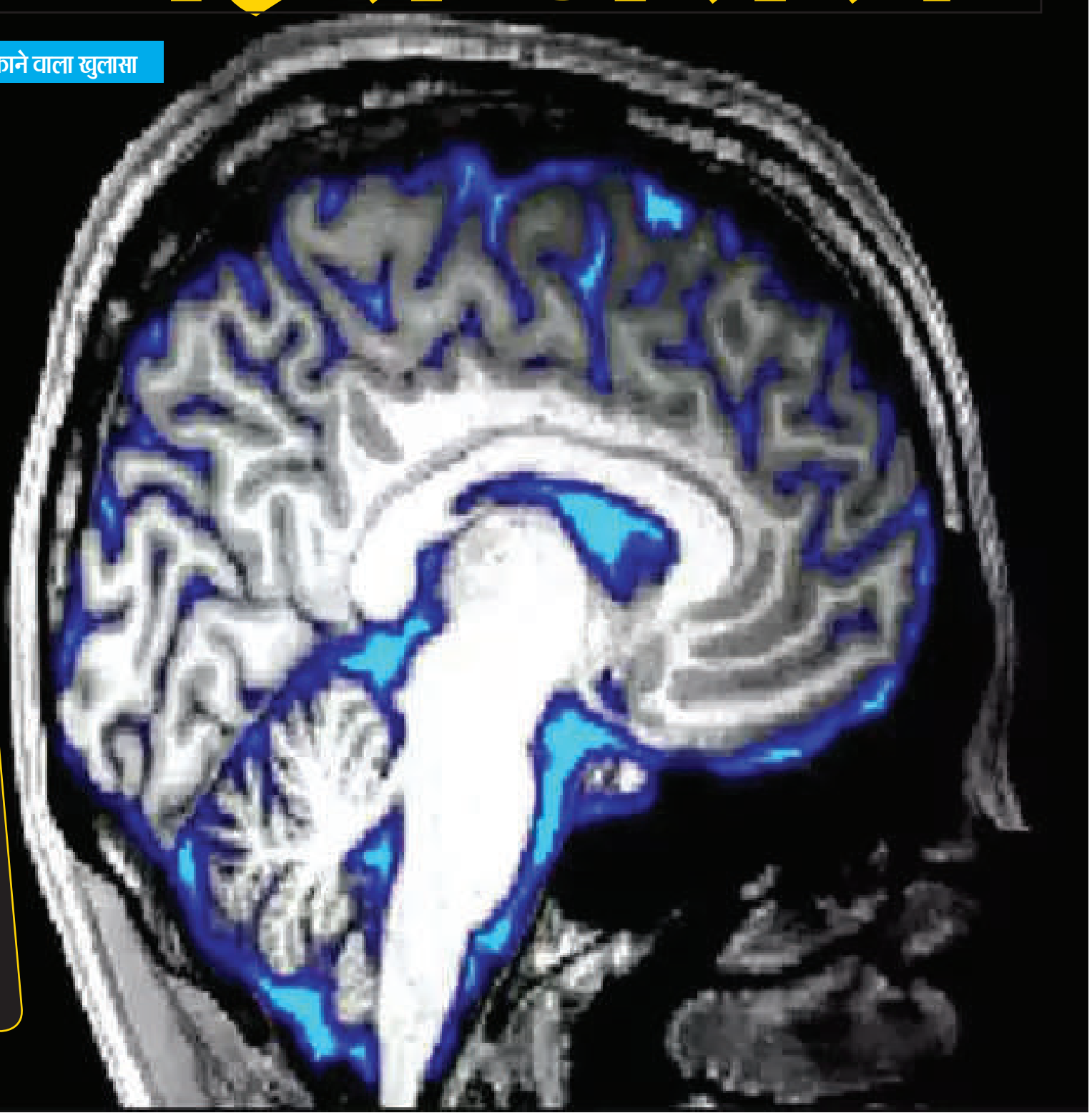

इस खास दिन पर आरसी 16 के शीर्षक से उठेगा पर्दा

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि, अब राम चरण ने अपनी अगली फिल्म पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। वह बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म के निर्माण में जुटे हुए हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में चल रही है और टीम जल्द ही तीन सप्ताह के शेड्यूल के लिए दिल्ली जाने वाली है।

इस दिन सामने आएगा फिल्म का शीर्षक

फिल्म के शीर्षक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसा लगता है कि निर्माता अब फिल्म के नाम से पर्दा उठाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के बहुप्रतीक्षित शीर्षक की आधिकारिक घोषणा 27 मार्च, 2025 को की जाएगी। इस दिन राम चरण का जन्मदिन भी है। ऐसे में अभिनेता के जन्मदिन के मौके पर ही फैंस को खास तोहफा मिलेगा।

फिल्म का टीजर भी होगा जारी

खबर है कि शीर्षक के खुलासे के अलावा बुची बाबू सना एक छोटा सा टीजर भी जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है। फिलहाल इस फिल्म का अस्थाई नाम आरसी 16 रखा गया है और कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें क्रिकेट मुख्य विषय होगा। जान्हवी-राम चरण की साथ में पहली फिल्म हाल ही में क्रिकेट से जुड़े कुछ मुख्य दृश्यों की शूटिंग एक विशेष रूप से निर्मित स्टेडियम सेट में की गई। इस फिल्म में राम चरण बिल्कुल नए लुक में नजर आएंगे, जिसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिका में लिया गया है, जो राम चरण के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा के बैनर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है।

फिल्म के शीर्षक का खुलासा?

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बुची बाबू सना ने फिल्म का टाइटल पेड्डी चुना है, लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच राम चरण सार्वजनिक तौर पर कम ही नजर आ रहे हैं, ताकि फिल्म से अभिनेता के लुक का खुलासा न हो। वहीं, अब राम चरण के जन्मदिन के मौके पर ही फिल्म से जुड़ा दिलचस्प अपडेट सामने आने का इंतजार है।

फिल्म 'छावा' में दिव्या दत्ता ने सोयराबाई की भूमिका निभाई है। इस भूमिका में उनके अभिनय को काफी सराहा गया है, जबकि फिल्म में उनके हिस्से बहुत अधिक सीन नहीं थे। वहीं फिल्म में रश्मिका मंदाना ने भी येशूबाई की भूमिका की, जो विक्की कौशल के किरदार संभाजी महाराज की पत्नी हैं। इस किरदार में रश्मिका के अभिनय को कुछ दर्शकों ने पसंद नहीं किया है। रश्मिका की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। ऐसे में दिव्या दत्ता ने उन्हें सपोर्ट किया है।

दिव्या ने किया रश्मिका मंदाना को सपोर्ट, 'छावा' में एक्टिंग को लेकर एक्ट्रेस को मिल रही है आलोचना

दिव्या दत्ता ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा है कि रश्मिका मंदाना की पिछली फिल्में हिट रही हैं, ऐसे में उनमें कोई तो बात होगी कि दर्शक इस तरह का रेस्पॉन्स देते हैं। वह बताती हैं कि रश्मिका बहुत प्यारी लड़की हैं, उनकी आंखें पर्दे पर मन को मोह लेती हैं। वह एक अच्छी एक्ट्रेस हैं।

अपने किरदार को लेकर क्या सोचती हैं

अपने किरदार के बारे में दिव्या दत्ता बताती हैं कि मैंने फिल्म 'छावा' में सोयराबाई का रोल किया है, इसके लिए दर्शकों की तरफ से सराहना मिली है। साथ ही कुछ लोगों का कहना है कि मेरे किरदार को लंबा होना चाहिए था। लेकिन सबसे अहम बात है कि हमारी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल रही है।

कई उम्दा कलाकार फिल्म में हैं शामिल

फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, दिव्या दत्ता के अलावा आशुतोष राणा, प्रदीप राम सिंह रावत, संतोष जुवेकर सिंह, डायना पेंटी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। साथ ही औरंगजेब के रोल में अक्षय खन्ना और कवि कलश के रोल में विनीत कुमार नजर आए हैं। इन सभी कलाकारों को दर्शकों ने काफी सराहा है।

हॉलीवुड डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं प्रनूतन बहल

प्रनूतन बहल, जो दिवंगत एक्ट्रेस नूतन की पोती और मोहनीश बहल की बेटी हैं, जल्द हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह फिल्म कोको & नट में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसमें उनके साथ एक्टर रहसान नूर भी होंगे। यह फिल्म एक रोमांटिक कहानी पर आधारित है और 2025 में रिलीज होगी। प्रनूतन के लिए हॉलीवुड डेब्यू एक बड़ा अवसर है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने कहा मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है और यह एक पूरी तरह से रोमांटिक फिल्म है। मेरी पहली फिल्म 'नोटबुक' भी रोमांटिक थी, लेकिन उसमें मेरा मेल लीड से उतना इन्वॉल्वमेंट नहीं था। लेकिन इस बार यह पूरी तरह रोमांटिक लव स्टोरी है और मुझे इसे करने का मौका लंबे इंतजार के बाद मिला। 2023 के अंत में, मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया और हमने इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। उम्मीद है कि इस साल फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा ये मेरे लिए सिर्फ 'हॉलीवुड डेब्यू' नहीं, बल्कि एक नए एक्सपीरियंस का मौका है। मेरी सोच हमेशा से सिंपल रही है – कोई भी प्रोजेक्ट करो, उसे पूरे दिल और मेहनत से करो। चाहे हिंदी सिनेमा हो, तेलुगु इंडस्ट्री हो या हॉलीवुड, क्रिएटिव फील्ड में असली पहचान आपकी भाषा से नहीं, आपकी परफॉर्मेंस से बनती है। जब आप सच्चाई और ईमानदारी से कोई किरदार निभाते हैं, तो वो स्क्रीन पर दिखता है। यही सबसे जरुरी चीज है।

श्रुति हासन ने बताया, कैसे उनकी संगीत यात्रा पर रहा है पिता कमल हासन का प्रभाव

अभिनेत्री श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पिता और एक्टर कमल हासन के साथ एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस पोस्ट में श्रुति ने अपने म्युजिक के प्रति प्यार और अपनी संगीत यात्रा पर अपने पिता कमल हासन के प्रभाव के बारे में बताया। पिता के साथ स्टेज पर बिताए खास पलों का वीडियो शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, जब से मुझे याद है, मुझे गाना बहुत पसंद है। मेरी मां ने मुझे संगीत सिखाया, लेकिन बचपन से ही मेरे पसंदीदा गायन साथी मेरे अप्पा कमल हसन रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे कमल हासन ने उन्हें मंच पर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया और अब वह मंच को अपना दूसरा घर मानती हैं। श्रुति ने अपने पिता से जीवनभर में सीखे गए महत्वपूर्ण पाठों को याद करते हुए कहा, उन्होंने मुझे सिखाया कि मंच हमारा घर है। हमें निडर रहना चाहिए और अपनी सभी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। इस दिल को छूने वाले वीडियो में पिता और बेटी के बीच एक प्यार भरे और मजबूत पल को दिखाया गया है, जो उनके बीच संगीत के प्रति साझा प्रेम और उनके संबंध को और भी खास बनाता है। इस बीच, श्रुति हासन महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के मुकाबले के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी। श्रुति हासन ने कई हिट गाने दिए हैं, जिनमें आजमा (लक) और सिनेमा छुपी मां जैसे मशहूर गाने शामिल हैं। साथ ही हाल ही में अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित फिल्म कुली का हिट गाना डिस्को भी है। काम की बात करें तो, अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म कुली की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें वह रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक खास डांस नंबर करने के लिए पूजा हेगड़े को चुना गया है। कुली एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जो सोने की तस्करी करने वाले माफिया पर आधारित है। इस फिल्म में नागार्जुन, उपेंद्र, सत्यराज, सौबिन शाहिर, संदीप किशन और रेबा मोनिका जॉन जैसे शानदार कलाकार भी हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान भी कथित तौर पर फिल्म में एक गेस्ट रोल में नजर आएंगे।

जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक बनाएंगे रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी जॉन अब्राहम के साथ अपनी अगली एक्शन फिल्म का निर्देशन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म मुंबई के एक मशहूर पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया के जीवन पर आधारित है। रोहित शेट्टी इस फिल्म को जल्द ही फ्लोर पर ले जाने का विचार कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित का लक्ष्य 45-डे स्टार्ट-टू-फिनिश शेड्यूल में फिल्मांकन पूरा करना है, जिसका प्रोडक्शन अगले महीने शुरू होने वाला है। जॉन फिल्म में राकेश मारिया का किरदार निभाएंगे, जिनके करियर की पहचान 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों और 26/11 के आतंकी हमलों जैसे बड़े मामलों से रही है। राकेश मारिया के संस्मरण लेट मी से इट नाउ पर आधारित यह फिल्म एक रोमांचक ड्रामा होगी।

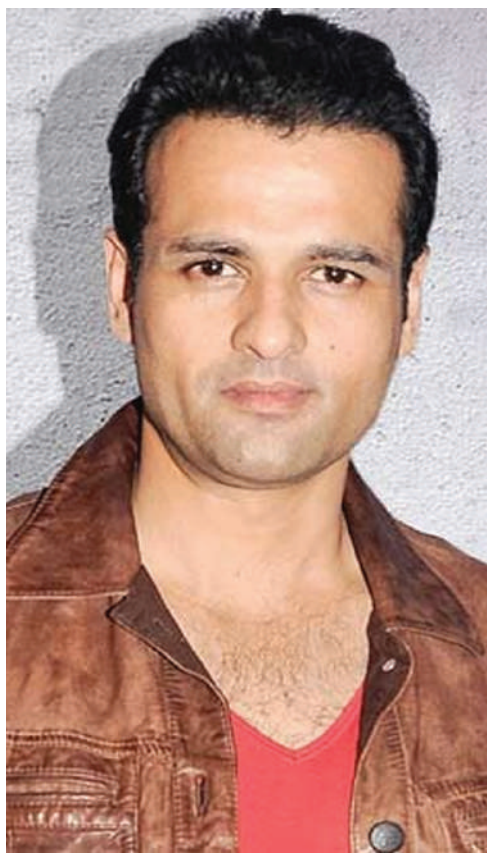

रोहित रॉय ने हिना खान की तारीफ में किया पोस्ट

हिना खान तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। अभिनेत्री का उपचार चल रहा है। हिना अक्सर अपनी हेल्थ को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जानकारी साझा करती नजर आती हैं। इस मुश्किल वक्त का सामना हिना काफी सकारात्मक तरीके से कर रही हैं। एक तरफ वह अपने घूमने-फिरने के शौक को भी पूरा कर रही हैं तो वर्क फ्रंट पर भी एक्टिव हैं। फैंस और इंडस्ट्री के तमाम सितारे हिना की तारीफ करते नजर आते हैं।

हाल ही में रोहित रॉय भी हिना की हिम्मत को सलाम करते दिखे हैं। रोहित रॉय ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने हिना के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ लिखा है, यह तारीफ भरा पोस्ट मेरी जानकारी में सबसे मजबूत लड़कियों में से एक के लिए है। वह जंग लड़ रही है और मुझे यकीन है कि वह समय के साथ इसे हरा देगी। लेकिन, इस मुश्किल वक्त में और जब वह लड़ रही है, तब भी उसके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं जाती। तुम्हें और हिम्मत मिले हिना खान।

हिना ने कहा शुक्रिया

रोहित के पोस्ट के पोस्ट पर हिना खान ने कमेंट किया है और उनका आभार जताया है। हिना ने लिखा है, बहुत बहुत शुक्रिया। जिंदगी ने मुझे नींबू दिए, मैंने उनसे करतब दिखाना सीखा। यह सीख मुझे मेरे पिताजी ने दी। आप मुझे अपनी दुआओं में याद रखिए प्लीज।

हिना के लिए फैंस ने की दुआ

रोहित के पोस्ट पर हिना के फैंस के खूब कमेंट आ रहे हैं। यूजर्स अभिनेत्री के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत दिल वाले लोग ऐसे ही होते हैं, जिंदगी उनकी परीक्षा लेती है। एक यूजर ने लिखा, मुस्कुराना कोई हिना से पूछे। हिना के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल के दिनों में गृहलक्ष्मी शो में देखा गया।

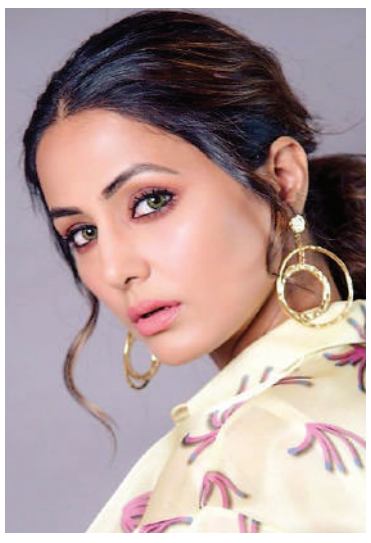

अल्फा की तैयारी करती नजर आईं शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। शरवरी वाघ फोटोज में रस्सी से एक्सरसाइज करते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा है जल्द ही अल्फा के लिए जंग की तैयारी। शरवरी जल्द ही अल्फा फिल्म में नजर आने वाले हैं, वह इसकी तैयारी कर रही हैं। शरवरी हाल ही में मुंजया में नजर आई थीं। उनका गानातरस नी आया काफी मशहूर हुआ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निहाल कुमार साह वर्ल्ड वाइज न्यूज (दैनिक), दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,प्लॉट नंबर 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन , रातू राँची (झारखंड) से मुद्रित , , मोनिका भारती फ्लैट नंबर 305 सुशीला अपार्टमेंट, नियर काली मंदिर (जिला- हजारीबाग) राज्य- झारखंड , पिन नंबर 825301 से प्रकाशित (वरीय संपादकः अमरनाथ पाठक) , (प्रधान संपादकः पप्पु कुमार) , (सलाहकार संपादक : अखौरी ब्रजेश सहाय), (स्थानीय संपादक : विष्णु पांडेय) पीआरबी एक्ट के तहत ख़बरों के लिए जिम्मेवार , RNI.NO: JHAHIN/2023/85732
समस्त दिवानी विवादी, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परीवादो के लिए क्षेत्राधिकार हजारीबाग न्यायालय में रहेगा ।